@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 22 मार्च 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 130 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मनीष सिसोदिया बनाए गए पंजाब के प्रभारी

नई दिल्ली, 21 मार्च। आम आदमी पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी) की बैठक हुई। इसमें संगठन को मजबूत करने पर फैसला लिया गया। चार राज्यों में प्रभारी बनाने पर सहमति हुई। गुजरात में गोपाल राय प्रभारी, दुर्गेश पाठक सह प्रभारी, गोवा में पंकज गुप्ता प्रभारी, पंजाब में मनीष सिसोदिया प्रभारी और सतेन्द्र जैन सह प्रभारी, छत्तीसगढ़ के लिए संदीप पाठक प्रभारी बनाए गए हैं। दिल्ली का अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और जम्मू कश्मीर के लिए मेहराज मलिक को जिम्मेदारी दी गई है। आप सांसद संदीप पाठक ने कहा, आज पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में कई फैसले लिए गए। गोपाल राय को गुजरात का प्रभारी बनाया गया है। पंकज गुप्ता को गोवा का प्रभारी बनाया गया है। मनीष सिसोदिया को पंजाब का प्रभारी बनाया गया है और मुझे छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। सौरभ भारद्वाज को पार्टी की दिल्ली इकाई का प्रमुख और मेहराज मलिक को पार्टी की जम्मू-कश्मीर इकाई का प्रमुख नियुक्त किया गया है। सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली के पार्टी अध्यक्ष चुने जाने के बाद कहा, चुनाव में दिल्ली की लगभग आधी आबादी ने हमें (आप) वोट दिया था। हमें इन वोटर्स के साथ उन लोगों का भी ध्यान रखना है, जिन्होंने यह सोचकर भाजपा को वोट दिया था कि हमें 2500 रुपये मिलेंगे और गैस सिलेंडर मिलेगा। हम पार्टी को मजबूत करेंगे और मेरा मानना है कि हारने के बाद संगठन का निर्माण करना सबसे आसान होता है। जो पार्टी की हार के समय भी आपके साथ रहता है, वह खरा सोना होता है। पंजाब के प्रभारी के रूप में अपनी नियुक्ति पर आप नेता मनीष सिसोदिया ने कहा, आम आदमी पार्टी की तरफ से अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के प्रभारी के रूप में काम करने का आदेश दिया है। मैं पिछले कुछ दिनों के अनुभव से कह सकता हूं कि पंजाब के लोगों ने 3 साल पहले जिस तरह अरविंद केजरीवाल को मौका दिया था।

राज्यसभा में आतंकवाद पर करारा हमला: अमित शाह

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 21 मार्च। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब दिया। इस दौरान उन्होंने आतंकवाद पर करारा हमला बोलते हुए सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति का जिक्र किया। उन्होंने अनुच्छेद 370 समेत तमाम मुद्दों पर कांग्रेस समेत विपक्ष को घेरा। उन्होंने कहा कि चार दशक से देश में तीन नासूर थे, पहला- आतंकवाद, दूसरा- नक्सलवाद और तीसरा- पूर्व उग्रवाद। हमने आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। अमित शाह ने कहा कि मैं इस सदन में जिम्मेदारी के साथ कहता हूं कि इस देश में नक्सलवाद 21 मार्च 2026 तक समाप्त हो जाएगा। अमित शाह ने कहा, 21 सदस्यों ने सदन में अपने विचार रखे। एक तरह से गृह मंत्रालय के अनेक कार्यों के आयामों को समेटने का प्रयास किया गया। सबसे पहले मैं उन हजारों राज्य पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवानों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा के साथ-साथ सीमाओं को मजबूत करने के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। सरकार के विकास कार्य गिनाते हुए शाह विपक्ष पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि जो काला चश्मा पहनकर आंखें मूंदकर बैठे हैं, उनको विकास के नजारे नहीं दिखाए जा सकते। एक सांसद कश्मीर गए। वहां कार्यकर्ताओं के साथ बर्फ के साथ खेले भी। उन्होंने कहा कि उन्हें दूर से आतंकी दिखाई दिया। आगे उन्होंने कहा कि नजर में ही आतंकी है तो आपको सपने में भी वही आएगा। हम तो दिखाई देते ही दो आंखों के बीच में गोली मारते हैं। हमारी सरकार न तो आतंक को बर्दाश्त कर सकती है और न ही आतंकियों को। आतंकियों के लिए देश में कोई जगह नहीं है। अमित शाह ने कहा, ...जब 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार सत्ता में आई, तो हमें 2014 से पहले की कई विरासत की समस्याएं मिलीं। इस देश की सुरक्षा और विकास को हमेशा तीन मुख्य मुद्दों के कारण चुनौती दी गई। इन तीन मुद्दों ने देश की शांति में बाधा उत्पन्न की, देश की सुरक्षा पर सवाल उठाए और लगभग 4 दशकों तक देश के विकास की गति को बाधित किया। उन्होंने देश की पूरी व्यवस्था को भी कई बार हास्यास्पद बना दिया। ये तीन मुद्दे थे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, तिरुपति से पशुपतिनाथ तक का सपना दिखाने वाला वामपंथी उग्रवाद और पूर्वोत्तर में उग्रवाद। यदि आप इन तीनों मुद्दों को एक साथ जोड़ दें, तो इस देश के लगभग 92,000 नागरिक 4 दशकों में मारे गए। इन तीनों मुद्दों के उन्मूलन के लिए कभी भी सुनियोजित प्रयास नहीं किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता में आने के बाद ये प्रयास किए। राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, सबसे पहले मैं कश्मीर के बारे में बात करूंगा। पड़ोसी देश से आतंकवादी कश्मीर में घुस आते थे, वे यहां बम विस्फोट और हत्याएं करते थे। ऐसा कोई त्योहार नहीं था, जो बिना किसी चिंता के मनाया जाता था। केंद्र सरकारों का रवैया लचीला था। वे चुप रहते थे और बोलने से डरते थे। उन्हें अपने वोट बैंक की चिंता थी। पीएम मोदी के सत्ता में आने के बाद हमने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। हमारे सत्ता में आने के बाद भी हमले हुए- उरी और पुलवामा पर... 10 दिनों के भीतर हमने पाकिस्तान में घुसकर एयरस्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक के जरिए उन्हें जवाब दिया। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति वहीं से शुरू हुई। अनुच्छेद 370 कश्मीर में अलगाववाद का आधार था, लेकिन 5 अगस्त 2019 को संसद में अनुच्छेद 370 को हटा दिया गया। गृह मंत्री ने कहा, ...क्या होता है जब कोई सरकार होती है जो नक्सलवाद को एक राजनीतिक मुद्दा मानती है और क्या होता है जब कोई सरकार होती है जो सुरक्षा के साथ-साथ विकास के लिए काम करती है। जब दिसंबर 2023 में छत्तीसगढ़ में भाजपा सत्ता में आई, उसके बाद एक साल में ही 380 नक्सली मारे गए

इफ्तार में शामिल होने पाकिस्तानी उच्चायोग पहुंचे मणिशंकर अय्यर, अभय चौटाला

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 21 मार्च। पाकिस्तान उच्चायोग द्वारा आयोजित इफ्तार पार्टी में कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर समेत कई राजनीतिक हस्तियां शामिल हुईं। इनेलो (ढ्ढहृरुष्ठ) नेता अभय सिंह चौटाला भी इस आयोजन में पहुंचे। जब मणिशंकर अय्यर से पत्रकारों ने इस इफ्तार पार्टी में उनकी उपस्थिति को लेकर सवाल किए, तो उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और चुपचाप वहां से निकल गए। पत्रकारों ने मणिशंकर अय्यर से इफ्तार पार्टी में शामिल होने को लेकर प्रतिक्रिया मांगी, लेकिन उन्होंने बिना जवाब दिए अपनी कार में बैठकर वहां से प्रस्थान कर लिया। यह आयोजन पाकिस्तान के राष्ट्रीय दिवस (23 मार्च) के उपलक्ष्य में किया गया था। गौरतलब है कि अय्यर पिछले वर्ष भी इसी तरह की इफ्तार पार्टी में शामिल हुए थे।

आईएनएलडी नेता अभय सिंह चौटाला ने इफ्तार पार्टी में शामिल होने को लेकर कहा कि उन्हें इस आमंत्रण पर खुशी हुई। उन्होंने कहा, हम इफ्तार के माध्यम से एक-दूसरे से मिलते हैं और भावनाओं को समझते हैं। इस तरह के कार्यक्रम संवाद और समाधान के रास्ते खोलते हैं। इससे पहले इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (ढ्ढस्रूरु) द्वारा दिल्ली में आयोजित इफ्तार पार्टी में भी कई प्रमुख राजनीतिक नेता शामिल हुए। इस अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस सांसद शशि थरूर और सोनिया गांधी मौजूद रहीं।

आरएसएस की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक शुरू

बंगलूरू, 21 मार्च। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक बंगलूरू में आज से शुरू हो गई है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने इस बैठक का उदघाटन किया। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, संघ की निर्णय लेने की सर्वोच्च संस्था है। संघ के मुख्य प्रवक्ता सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक के दौरान बांग्लादेश और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी समारोह को लेकर प्रस्ताव पारित किया जाएगा। संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में मणिपुर के हालात पर भी चर्चा होगी। साथ ही देश में जो उत्तर बनाम दक्षिण की खाई पैदा करने की कोशिश हो रही है, उस पर भी चर्चा होगी। एक प्रेसवार्ता में संघ के संयुक्त सचिव सीआर मुकुंद ने बताया कि बैठक में देश के कई ज्वलंत मुद्दों पर फैसले लिए जाएंगे। संघ के मुख्य प्रवक्ता सुनील आंबेकर ने बताया कि तीन दिवसीय बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े 32 संगठनों के महासचिव भी शामिल होंगे, जिनमें भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और महासचिव बीएल संतोष भी शामिल होंगे। संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक चार साल बाद बंगलूरू में हो रही है। संघ की बैठक बंगलूरू के पास चन्नेनहल्ली में स्थित जनसेवा विद्या केंद्र परिसर में आयोजित की जा रही है।

निमंत्रण तो रिश्तों पर निर्भर करता है ना: रणधीर जायसवाल

नई दिल्ली, 21 मार्च। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बार फिर पाकिस्तान को जमकर खरी-खोटी सुनाई। संवाददाताओं से बातचीत के दौरान मंत्रालय ने पड़ोसी मुल्क को उसका असली चेहरा भी दिखाया। इस दौरान चीन, अमेरिका और रूस-यूक्रेन जंग पर भी सवालों के जवाब दिए। जब विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से पूछा गया कि क्या पाकिस्तान के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर पाकिस्तान उच्चायोग में आयोजित इफ्तार रात्रिभोज में किसी भारतीय सरकारी अधिकारी को आमंत्रित किया गया था? तो उन्होंने कहा कि निमंत्रण तो रिश्तों पर निर्भर करता है ना...। पाकिस्तान पर रणधीर जायसवाल ने आगे कहा, ...दुनिया स्पष्ट रूप से जानती है कि असली मुद्दा पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना और प्रायोजित करना है। वास्तव में यह क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी बाधा है। अमेरिका पर बात करते हुए विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं। दोनों सरकारें ब्लञ्ज के लिए एक रूपरेखा बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं, जिसका उद्देश्य व्यापार का विस्तार करना, बाजार पहुंच को बढ़ाना, टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करना होगा। भारत सरकार पारस्परिक रूप से लाभकारी बहुक्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर पहुंचने के लिए विभिन्न स्तरों पर अमेरिकी प्रशासन के साथ संपर्क में है।

सौरभ की हत्या करके मुस्कान-साहिल ने कसौल में मनाई होली

सौरभ शर्मा

मेरठ, 21 मार्च। सौरभ की हत्या करने के बाद मुस्कान और उसका प्रेमी साहिल शुक्ला शिमला और कसोल चले गए थे। काफी दिन तक घूमकर मौज-मस्ती की। कसौल में ही दोनों ने होली खेली। एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें दोनों रंगे हुए नजर आ रहे हैं। तीन मार्च को पति सौरभ की हत्या करने के बाद मुस्कान और उसका प्रेमी साहिल शुक्ला हिमाचल के कसोल में पहुंचे थे। जहां उन्होंने होली पर जश्न मनाया है। सोशल मीडिया पर मुस्कान और साहिल शुक्ला का 13 मार्च को जश्न मनाने का वीडियो वायरल हो गया है। इसमें मुस्कान काफी खुश दिखाई दे रही है। इसको लेकर ब्रह्मपुरी में अलग-अलग चर्चाएं शुरू हो गई हैं। वहीं, पुलिस शिमला और कसोल से जुड़े साक्ष्य भी जुटाएगी। आरोपी कहां-कहां रुके, इसको भी केस डायरी में शामिल करेगी। इसके लिए एक टीम जल्द कसोल और शिमला के लिए रवाना होगी। वहां से सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस कब्जे में लेगी। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि हत्या करने के बाद दोनों शातिर 54 हजार रुपये की कैब बुक करके हिमाचल चले गए। वहां पर शिमला और कसोल में घूमे। वहां किस-किस होटल में कितने दिन बिताए, कहां-कहां घूमे, इन बिंदुओं पर भी पुलिस जांच कर रही है। एक टीम शामली भी जाएगी। वहां से साक्ष्य जुटाने के बाद विवेचना में शामिल करेगी। वहीं दूसरी ओर डीआईजी कलानिधि नैथानी ने भी जल्द चार्जशीट दाखिल कर आरोपियों को सजा दिलाने के निर्देश ब्रह्मपुरी पुलिस को निर्देश दिए हैं। मुस्कान का एक व्हाटसएप ऑडियो कॉल भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मेरठ में पति सौरभ का कत्ल करके अय्याशी करने शिमला गई मुस्कान रस्तौगी ने बॉयफ्रेंड साहिल शुक्ला के लिए वहां केक मंगवाया था। मुस्कान ने ये केक अपने कैब ड्राइवर से आधी रात को मंगवाया। कैब ड्राइवर ने पुलिस को सबकुछ बता दिया है। इस ऑडियो में मुस्कान कैब ड्राइवर को कह रही है कि भैया आप न मुझे एक केक कहीं से भी ले आना। कॉल मत करना, मैसेज में ही बता देना मिला या नहीं। केक लेकर आप हमारे रूम पर आ जाना और कहना कि यह मेरा सामान है इसे रख लो, मैं कल सुबह इसे ले लूंगा। बस आपको इतना करना है।

युवा उद्यमी विकास योजना में तीन लाख पंजीकरण: सीएम योगी

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 21 मार्च। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को जानकारी दी कि युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत अब तक तीन लाख से अधिक युवा उद्यमियों का पंजीकरण हो चुका है, और 32,000 से अधिक युवाओं को बैंक ऋण की मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री ने युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत ऋण वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि 1,098 युवा उद्यमियों के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने सभी युवा उद्यमियों को बैंक से ऋण स्वीकृत होने पर शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह वित्तीय सहायता उनके व्यवसाय को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना विकास अभियान (सीएम-युवा) के अंतर्गत राज्य सरकार पांच लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करने की योजना चला रही है, जिससे युवा अपने व्यवसाय की शुरुआत कर सकें। आदित्यनाथ ने इस योजना को एक महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि यह राज्य में युवा उद्यमियों को सशक्त बनाने का एक बेहतरीन अवसर है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने फरवरी 2024 में अपने बजट में घोषणा की थी कि युवाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए यह योजना शुरू की जाएगी, जिसके अंतर्गत उन्हें बिना ब्याज के ऋण प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना के तकनीकी और प्रशासनिक प्रावधानों को तैयार करने में कुछ समय लगा, और अंततः 24 जनवरी 2025 को योजना का पोर्टल लॉन्च कर दिया गया। सरकार का लक्ष्य 31 मार्च 2025 तक एक लाख युवाओं को इस योजना से जोड़ने का है। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि पोर्टल लॉन्च होते ही उत्तर प्रदेश के युवाओं में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया। अब तक तीन लाख से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कराया है। इनमें से 1,27,000 से अधिक आवेदनों की जांच के बाद उन्हें बैंकों को भेजा गया है, और 32,000 से अधिक युवा उद्यमियों को ऋण मंजूर किया गया है। उन्होंने कहा कि आज 1,000 से अधिक युवा बैंक ऋण लेकर अपने व्यवसाय की शुरुआत कर रहे हैं। ये सभी अपने जिले, राज्य और देश की आर्थिक प्रगति में योगदान देने के इच्छुक हैं। मुख्यमंत्री ने सभी युवा उद्यमियों को उनकी नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हें अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश बेदाग

नई दिल्ली, 21 मार्च। दिल्ली अग्निशमन सेवा प्रमुख अतुल गर्ग ने शुक्रवार को बताया कि दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर आग बुझाने के दौरान अग्निशमन कर्मियों को कोई नकदी नहीं मिली। गर्ग ने बताया कि 14 मार्च को रात 11.35 बजे नियंत्रण कक्ष को यशवंत वर्मा के लुटियंस दिल्ली आवास पर आग लगने की सूचना मिली और दो दमकल गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंच गईं। दमकल गाड़ियां रात 11.43 बजे मौके पर पहुंचीं। गर्ग ने बताया कि आग स्टेशनरी और घरेलू सामान से भरे एक स्टोर रूम में लगी थी। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने में 15 मिनट लगे। कोई हताहत नहीं हुआ। डीएफएस प्रमुख ने कहा कि आग बुझाने के तुरंत बाद हमने पुलिस को आग की घटना की सूचना दी। इसके बाद दमकल कर्मियों की एक टीम मौके से चली गई। दमकल कर्मियों को आग बुझाने के दौरान कोई नकदी नहीं मिली। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने वर्मा के खिलाफ शुरुआती जांच शुरू की, जिनके सरकारी आवास से कथित तौर पर आग की घटना के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी। कथित तौर पर उन्हें इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की भी मांग की।

जनगणना में देरी और गृह मंत्रालय के फंड के कम इस्तेमाल की आलोचना की: अजय माकन

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 21 मार्च। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को केंद्र सरकार की जमकर आलोचना की है। इस दौरान कांग्रेस ने जनगणना में देरी और गृह मंत्रालय के आवंटित बजट के कम इस्तेमाल को लेकर केंद्र पर निशाना साधा है। राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता अजय माकन ने जनगणना की देरी का मुद्दा उठाया और कहा कि 2011 में पिछली जनगणना के बाद से भारत की जनसंख्या में लगभग 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। अपने बयान में कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा कि, 2011 में जनसंख्या 121 करोड़ थी, अब इसके 146 करोड़ होने की उम्मीद है.... 2011 की जनगणना के लिए हमने 2009 में ही कार्यक्रम बनाना शुरू कर दिया था। अब हमारे लिए जनगणना महत्वपूर्ण है क्योंकि जन कल्याण के लिए हमारे सभी कार्यक्रम इसी पर आधारित हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत, जो ग्रामीण क्षेत्र की लगभग 70 प्रतिशत और शहरी क्षेत्र की 50 प्रतिशत आबादी को कवर करता है, यदि नई जनगणना की जाती है, तो अतिरिक्त 15 करोड़ लोगों को संभावित रूप से लाभ मिल सकता है। अजय माकन ने आगे कहा, आप उन्हें उस लाभ से वंचित कर रहे हैं, क्योंकि आप अभी तक जनगणना नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देरी से राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय की तरफ से किए जाने वाले अन्य सर्वेक्षणों में भी बाधा आएगी। अजय माकन ने यह स्वीकार करते हुए कि कोविड महामारी ने जनगणना योजनाओं को बाधित किया है, बाद के वर्षों में आवंटित धन का उपयोग नहीं करने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि 2022 में आवंटित जनगणना निधि का 66 प्रतिशत, 2023 में 85 प्रतिशत और 2024 में 58 प्रतिशत समाप्त हो गया। उन्होंने कहा, जनगणना जल्द से जल्द कराने का कोई वादा नहीं किया गया है। कांग्रेस नेता ने सीमा सुरक्षा और पुलिस आधुनिकीकरण को लेकर चिंताओं को भी उजागर किया। अजय माकन के अनुसार, 2023-24 के लिए सीमा अवसंरचना विकास कार्यक्रम के तहत लगभग 225 करोड़ रुपये अप्रयुक्त रह गए। उन्होंने कहा, पिछले सात वर्षों में सीमा अवसंरचना और पुलिस आधुनिकीकरण के लिए आवंटित लगभग 70,697 करोड़ रुपये वापस कर दिए गए, उन्होंने कहा कि बजट आवंटन का लगभग 22.93 प्रतिशत, लगभग एक-चौथाई, खर्च नहीं किया गया। इस दौरान अजय माकन ने सुरक्षा निहितार्थों के बारे में भी चिंता जताई, उन्होंने कहा, ड्रग्स, एके-47 और ग्रेनेड जैसे हथियार अवैध रूप से सीमाओं के माध्यम से प्रवेश कर रहे हैं और सरकार इस पर नियंत्रण नहीं रख पाई है। उन्होंने ग्लोबल वार्मिंग के कारण प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति का हवाला देते हुए अर्धसैनिक बलों में रिक्तियों को भरने और आपदा प्रबंधन के लिए बजट आवंटन बढ़ाने का आह्वान किया।

राष्ट्रगान के अपमान पर सीएम नीतीश का विरोध

पटना, 21 मार्च। राष्ट्रगान के अपमान पर बिहार में सियासत गरमा गई है। बिहार विधान मंडल में विपक्ष के नेताओं ने जमकर हंगामा किया। इतना ही नहीं राजद नेताओं ने सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफ की मांग कर दी। विधान मंडल में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पूर्व सीएम राबड़ी देवी के साथ हाथ में बैनर लिए खड़े दिखे। राबड़ी देवी ने सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन का नेतृत्व किया। पत्रकारों से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के लिए गुरुवार का दिन काल दिवस था। पीएम नरेंद्र मोदी के लाडले मुख्यमंत्री ने राष्ट्रगान का अपमान किया है। लाडले मुख्यमंत्री के बारे में पीएम मोदी ने कोई टिप्पणी नहीं की। तेजस्वी यादव ने कहा कि चाचा जी आपको याद दिला दें कि आप एक बड़े प्रदेश के मुख्यमंत्री है। चंद सेकंड के लिए भी आप मानसिक और शारीरिक रूप से स्थिर नहीं है और आपका इस तरह अचेत अवस्था में इस पद पर बने रहना प्रदेश के लिए अति चिंताजनक बात है। बिहार को बार-बार यूं अपमानित मत कीजिए। भारत माता की जय करने वाले भारतीय जनता पार्टी के दोनों डिप्टी सीएम गायब हैं। कल हम सब का सिर झुक गया है। इंडिया की राजनीति में पहली ऐसी घटना है,जहां राष्ट्रगान का अपमान हुआ है। पीएम मोदी ने अब तक इस मामले में कुछ भी नहीं कहा। वहीं पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने कहा कि राष्ट्रगान करने वाले मुख्यमंत्री को फौरन रिटायरमेंट ले लेना चाहिए। राष्ट्रगान का अपमान करने वाले को तीन साल की सजा होती है। पूर्व सीएम ने यह भी कहा कि अगर उनका दिमाग काम नहीं कर रहा तो वे अपने बेटे (निशांत कुमार) को मुख्यमंत्री बना दें। वहीं राष्ट्रीय जनता दल के विधायक मुकेश रोशन ने कहा कि मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय गान का अपमान करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटा दिया जाना चाहिए और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री अस्वस्थ हैं, इसलिए उन्हें पद से हटा दिया जाए। उनके खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

इस वर्ष 400 से अधिक पर्वतारोही ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की अनुमति मांगी

काठमांडू। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर नेपाल के तरफ से चढ़ाई के लिए अब तक 400 से अधिक विदेशी पर्वतारोही ने अनुमति मांगीं है। इसी तरह लगभग 80 विदेशी पर्वतारोहियों ने माउंट ल्होत्से (8,516 मीटर) को स्केल करने के लिए अनुमति मांगीं है। नेपाल में पर्वतारोहण कराने वाले कंपनियों के संगठन एक्सपीडिशन ऑपरेटर्स एसोसिएशन (ईओएएन) के महासचिव ऋषि भंडारी ने वृहस्पतिवार को बताया कि इस वर्ष के मौसम में 400 से अधिक पर्वतारोहियों को माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए तैयारी की गई है। उन्होंने बताया कि इसके लिए 500 से अधिक ग्राउंड स्टाफ और शेरपाओं को पर्वतारोहियों को अपने गंतव्य तक ले जाने और सुरक्षित रूप से वापस लाने के लिए इजाजत दी गई है। भण्डारी ने बताया कि माउंट एवरेस्ट और माउंट ल्होटसे पर शिखर मार्गों का निर्माण करने के लिए 8क्ष्य अभियान प्राइवेट लिमिटेड को आवश्यक जिम्मेदारी दी गई है। 2025 के लिए एवरेस्ट और ल्होत्से अभियानों के लिए रास्ता साफ करने और रस्सियों को स्थापित करने की जिम्मेदारी आठ शेरपा गाइडों की एक टीम को सौंप दी गई है, जिसका नेतृत्व एस्पायरिंग गाइड अशोक लामा ने किया है। इस टीम में कर्म ग्यालजेन शेरपा, पेम नूरबू शेरपा, मिंग दावा शेरपा, ताशी शेरपा, पासा रिनजी शेरपा, पश्तांजेन शेरपा और ताशी नूरबू शेरपा शामिल हैं।

बांग्लादेश में दुष्कर्म व हत्या के दोषी को मौत की सजा, जज ने कहा- दोषी को जीने का अधिकार नहीं

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के महिला एवं बाल दमन निवारण न्यायाधिकरण-3 की न्यायाधीश रुकसाना बेगम ने आज आठ साल पुराने दुष्कर्म और हत्या के केस में आरोपित को दोषी ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई। न्यायाधीश रुखसाना ने फैसले में टिप्पणी की कि दोषी को धरती पर जीने का कोई अधिकार नहीं है।द डेली स्टार की खबर के अनुसार, यह घटना वर्ष 2017 में राजधानी के जत्राबारी इलाके में सात साल की बच्ची के साथ हुई थी। न्यायाधीश ने अदालत कक्ष में आरोपित मोहम्मद रफीकुल इस्लाम की मौजूदगी में फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि दोषी को धरती पर जीने का कोई अधिकार नहीं है। इसलिए उसे ऐसे जघन्य अपराध के लिए मृत्युदंड दिया गया है। अदालत ने इस केस में 12 गवाहों के बयान दर्ज किए।केस डायरी के अनुसार, लड़की 1 अक्टूबर, 2017 को सुबह 6ञ00 बजे घर से बाहर गई थी। काफी समय बीत जाने के बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो उसके परिवार ने उसकी तलाश की। इसी समय रफीकुल ने उन्हें मोबाइल फोन पर सूचित किया कि बच्ची उसके कब्जे में है। इसके बाद परिवार वहां पहुंचा और बच्ची को मृत पाया। मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने रफीकुल को गिरफ्तार कर लिया। उसने अदालत के सामने अपना गुनाह कुबूल कर लिया। 15 मई 2019 को न्यायाधिकरण ने रफीकुल के खिलाफ आरोप तय किए।

इजराइल के ताजा जमीनी हमले में हमास के छह आतंकी मारे गए, अब तक 500 की मौत

गाजा पट्टी। इजराइल की गाजा पट्टी में आतंकी समूह हमास के खिलाफ शुरू की गई जमीनी लड़ाई में कम से कम नौ लोग मारे गए। इनमें छह आतंकी शामिल हैं। मंगलवार को युद्ध विराम टूटने के बाद से अब तक इजराइल के हवाई और जमीनी हमले में कम से कम 500 लोग मारे गए हैं। इजराइल की थल सेना ने आज सुबह उत्तरी गाजा के बेत लाहिया में हमास के ठिकानों को निशाना बनाया। सीएनएन की खबर के अनुसार, इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि बेत लाहिया में उसके ताजा हमले में छह आतंकवादियों को मार दिया गया। यह ड्रोन हमले का प्रयास कर रहे थे। मारे गए हमास के आतंकवादियों में एक सात अक्टूबर के हमले में शामिल रहा है। आईडीएफ के दावे विपरीत ब्रिटेन में पंजीकृत एनजीओ अल-खैर फाउंडेशन ने कहा कि इस इस हमले में आठ चैरिटी कार्यकर्ताओं की मौत हो गई। इस संगठन के संस्थापक कासिम रशीद अहमद ने फेसबुक पोस्ट में कहा कि यह फाउंडेशन और दुनिया भर के मानवीय कार्यकर्ताओं के लिए दुखद दिन है। इस बीच हमास के मीडिया कार्यालय के महानिदेशक इस्माइल थवाब्ता ने इजराइल पर बेत लाहिया में नरसंहार करने का आरोप लगाया है। हमास ने कहा कि अगर युद्ध विराम को बढ़ाया जाता है तो वह अमेरिकी-इजराइली सैनिक एडन अलेक्जेंडर और गाजा में बंधक बनाए गए चार दोहरी नागरिकता वाले लोगों के शव लौटा देगा।

जाम्बिया में एमपॉक्स से पहली मौत, संक्रमित मामले बढ़कर 31 हुए

लुसाका। जाम्बिया में एमपॉक्स से संबंधित पहली मौत की पुष्टि की गयी, जिसके साथ ही दक्षिणी अफ्रीकी देश में पुष्टि किए गए संक्रमणों की कुल संख्या 31 तक पहुंच गई। स्वास्थ्य मंत्री एलिजा मुचिमा ने बताया कि एमपॉक्स से संबंधित पहली मौत आठ महीने के बच्चे की देश की राजधानी लुसाका में एक स्वास्थ्य सुविधा में हुई।

उन्होंने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि मौत के कारण का पता लगाने के लिए एक व्यापक समीक्षा बैठक की गई थी, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया कि ज्ञात एमपॉक्स रोगी को जटिल निमोनिया होने के कारण उसकी मौत हुई। उन्होंने कहा कि देश में पिछले सप्ताह सात नए एमपॉक्स मामले दर्ज किए गए, जिनमें से तीन कॉपरबेल्ट प्रांत से, दो देश के उत्तरी भाग से और दो लुसाका से हैं, जिससे कुल मामलों की संख्या 31 हो गई है। पिछले वर्ष अक्टूबर में जाम्बिया में एमपॉक्स का पहला मामला सामने आया था।

अमेरिकी अदालत का ट्रंप प्रशासन को आदेश- भारतीय छात्र को फिलहाल निर्वासित न किया जाए

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका में वर्जीनिया के अलेक्जेंड्रिया में जिला न्यायाधीश पैट्रिशिया गिल्स ने ट्रंप प्रशासन को संक्षिप्त आदेश दिया कि भारतीय छात्र बदर खान सूरी को तब तक अमेरिका से नहीं निकाला जाएगा जब तक कि अदालत इसके विपरीत आदेश जारी न कर दे। जज गिल्स ने यह आदेश सूरी की याचिका के निपटारे और उनकी पत्नी के हलफनामे के मद्देनजर दिया है। डिजिटल अखबार %पॉलिटिको% की खबर में यह जानकारी दी गई। खबर में कहा गया है कि न्यायाधीश गिल्स की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने की थी। संघीय न्यायाधीश गिल्स ने आदेश में कहा कि ट्रंप प्रशासन भारतीय मूल के जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता सूरी को निर्वासित करने के अपने प्रयासों को अभी आगे न बढ़ाए। उल्लेखनीय है कि सूरी को सोमवार रात वर्जीनिया के अर्लिंग्टन के रॉसलिन में उनके घर के बाहर से आव्रजन अधिकारियों

ने गिरफ्तार किया था। सूरी पर अमेरिका की इजराइली विदेश नीति का विरोध करने का आरोप लगा है। उनके वकील हसन अहमद ने मुवक्किल की तत्काल रिहाई के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। याचिका में कहा गया है कि अधिकारियों ने खुद को होमलैंड सिक्योरिटी विभाग से संबद्ध बताया। साथ ही उन्होंने सूरी को बताया कि सरकार ने उनका वीजा रद्द कर दिया है। वकील अहमद ने याचिका में तर्क दिया कि सूरी को उनकी पत्नी की फिलिस्तीनी विरासत के कारण दंडित किया जा रहा है। सूरी की पत्नी मफेज सालेह अमेरिकी नागरिक हैं। सरकार को संदेह है कि वह और उनकी पत्नी इजराइल के प्रति अमेरिकी विदेश नीति का विरोध करते हैं। साथ ही कुछ वेबसाइटों पर मफेज सालेह के हमास के साथ संबंध होने का आरोप लगाया गया है। वह अल जजीरा के लिए काम कर चुकी हैं। 'पॉलिटिको' ने अपनी खबर में भारतीय अखबार हिंदुस्तान टाइम्स में इस जोड़े के बारे में 2018 में प्रकाशित एक लेख का जिक्र किया है। इस लेख के अनुसार, मफेज सालेह के पिता अहमद यूसुफ हमास के शीर्ष नेतृत्व के वरिष्ठ राजनीतिक सलाहकार रह चुके हैं। उधर, होमलैंड सुरक्षा विभाग की प्रवक्ता ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने पुष्टि की कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को एक आदेश जारी किया कि विदेश नीति कारणों से सूरी का वीजा रद्द कर दिया जाना चाहिए।

रूस-यूक्रेन ने रिहा किए सैकड़ों लोग, संघर्ष विराम की दिशा में बड़ा कदम

एजेंसी

कीव/मॉस्को। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को रोकने के प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। रूस ने यूक्रेन के 175 और यूक्रेन ने रूस के इतने ही कैद किए गए लोगों को रिहा कर दिया। इसे ट्रंप की संघर्ष विराम की कोशिश की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप दोनों देशों के अपने समकक्षों से फोन पर वार्ता कर चुके हैं।

जेलेंस्की ने कहा- यह बड़ा दिन

यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने एक्स पर 24 घंटे पहले की गई पोस्ट में कहा कि आज बड़ा दिन है। रूस ने हमारे 175 रक्षकों को कैद से रिहा कर दिया है। अन्य 22 रक्षक आदान-प्रदान से परे उपायों के माध्यम से घर लौट रहे हैं। उनमें गंभीर रूप से घायल योद्धा और वह लोग शामिल हैं जिन्हें रूस ने मनगढ़ंत अपराधों के लिए सताया। इन सभी को तुरंत आवश्यक चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। जेलेंस्की ने इस जानकारी के साथ कुछ फोटो भी अपलोड किए हैं। जेलेंस्की ने इसके लिए संयुक्त अरब अमीरात का भी आभार जताया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन अपने सभी नागरिकों को स्वदेश लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पुतिन ने ट्रंप से वार्ता के दौरान की अदला-बदली की घोषणा

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास के अनुसार, रक्षा मंत्रालय ने 19 मार्च को कहा कि मॉस्को और कीव ने कैदियों की अदला-बदली की है। इनमें रूस के 175 और यूक्रेन के 175 कैदी शामिल हैं। सद्भावना के तौर पर रूस ने यूक्रेन को 22 गंभीर रूप से घायल युद्धबंदियों को भी सौंप दिया। इस अदला-बदली की घोषणा रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के साथ टेलीफोन पर बातचीत के दौरान की।

अफगान विदेश मंत्री ने की अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात की, जिसे एक 'आश्चर्यजनक यात्रा' बताया जा रहा है। इस उच्चस्तरीय बैठक में अमेरिका के विशेष दूत और पूर्व अफगान सुलह दूत ज़ल्मे खलीलज़ाद भी शामिल थे, जिन्होंने दोहा समझौते में अहम भूमिका निभाई थी। इस मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों के बीच राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। हालांकि, बैठक की विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब अटकलें लगाई जा रही हैं कि ट्रंप प्रशासन तालिबान के साथ अपने जुड़ाव के तरीके पर पुनर्विचार कर रहा है। इससे पहले, एक अमेरिकी निजी क्षेत्र का प्रतिनिधिमंडल अफगान अधिकारियों और स्थानीय हितधारकों के साथ बातचीत कर चुका है। यह तालिबान के सत्ता में आने के बाद पहली बार था जब अमेरिकी निजी कंपनियों ने अफगानिस्तान में सीधे तौर

पर अधिकारियों से संवाद किया। उल्लेखनीय है कि अगस्त 2021 में अमेरिका और नाटो सेनाओं की वापसी के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान की सत्ता फिर से हासिल कर ली थी। इसके बाद से उन्होंने इस्लामी कानून की सख्त व्याख्या लागू की है, जिसके तहत लड़कियों की छठी कक्षा के बाद की शिक्षा पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, महिलाओं के काम करने के अधिकार सीमित कर दिए गए हैं, खासकर मानवीय संगठनों में, और उनके लिए सार्वजनिक स्थलों जैसे पार्क, जिम और स्नानगृहों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इन नीतियों के कारण तालिबान सरकार को अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं मिल सकी है। हालांकि, तालिबान का दावा है कि उन्होंने देश में स्थिरता बहाल की है। उनका कहना है कि उनकी नीतियां अफगान संस्कृति और धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप हैं।

इजरायली हमलों में तीन दिन में गाजा में 200 से अधिक बच्चे मारे गये : यूनिसेफ

एजेंसी

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने कहा है कि इजरायली हमलों के परिणामस्वरूप मंगलवार से अब तक गाजा पट्टी में कम से कम 200 बच्चे मारे गये हैं।

गाजा में यूनिसेफ की अधिकारी रोसालिया बोलन ने अल जजीरा प्रसारक से कहा, 18 मार्च की सुबह से भारी गोलाबारी फिर से शुरू होने के बाद से अब तक 200 से अधिक बच्चे मारे गये हैं।

उन्होंने बताया कि हजारों बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए हैं और हाल के दिनों में लड़ाई के कारण गाजा पट्टी के अस्पताल इस जिम्मेदारी को संभालने में असमर्थ हैं। सुश्री बोलन ने कहा कि गाजा पट्टी में खाद्य नाकाबंदी का वहां के निवासियों पर भारी प्रभाव पड़ा है, जिन तक बुनियादी आवश्यकताओं तक की पहुंच नहीं हो पा रही है। यूनिसेफ अधिकारी ने कहा कि गाजा पट्टी में आपातकालीन सेवाओं के लिए भी कोई सुरक्षित स्थान नहीं बचा है।

गौरतलब है कि इजरायली रक्षा बलों ने मंगलवार को फिलिस्तीनी एन्क्लेव के खिलाफ हमले फिर से

शुरू कर दिये। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि हमास द्वारा युद्धविराम व्यवस्था को आगे बढ़ाने और बंधकों की रिहाई जारी रखने की अमेरिकी योजना को स्वीकार करने से इनकार करने के जवाब में हमले फिर से शुरू किए गए हैं।

गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, एन्क्लेव पर इजरायली हमलों से मरने वालों की संख्या 590 से अधिक हो गयी है।

चीन में ड्रग मामलों में चार कनाडाई नागरिकों को मौत की सजा, कनाडा ने की कड़ी निंदा

एजेंसी

बीजिंग/ओटावा। चीन ने इस वर्ष की शुरुआत में ड्रग तस्करी के आरोपों में चार कनाडाई नागरिकों को मौत की सजा दी, जिससे दोनों देशों के पहले से तनावपूर्ण संबंध और अधिक बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है। इन नागरिकों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है।

कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने इस खबर की पुष्टि की और चीन द्वारा मृत्युदंड दिए जाने की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, कनाडा चीन में मौत की सजा के उपयोग की कठोर निंदा करता है। हमने इन नागरिकों के लिए बार-बार दया की अपील की थी, लेकिन इसे नजरअंदाज कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन में कनाडाई नागरिकों को दी गई इस सजा से दोनों देशों के संबंध और तनावपूर्ण हो सकते हैं। चीन में मौत की सजा आमतौर पर गुप्त रखी जाती है, और यह स्पष्ट नहीं है कि इन चार लोगों को

कब और किस विधि से फांसी दी गई। आमतौर पर चीन में फायरिंग स्क्वाड या घातक इंजेक्शन के जरिए मृत्युदंड दिया जाता है। कनाडा में मानवाधिकार संगठनों ने भी इस कार्रवाई की आलोचना की है। एमनेस्टी इंटरनेशनल कनाडा की महासचिव केटी निव्याबंदी ने इसे निष्ठुर और अमानवीय करार दिया और कहा, यह एक झकझोर देने वाली घटना है। हम पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं और चीन में मौत की सजा पाए अन्य कनाडाई नागरिकों के लिए भी चिंता व्यक्त करते हैं। चीन के दूतावास ने कनाडा की प्रतिक्रिया को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए कहा कि उसे चीन के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देना चाहिए। बतादें कि कनाडा और चीन के बीच संबंध 2018 में तब बिगड़ गए जब कनाडा ने अमेरिकी अनुरोध पर हुआवेई की कार्यकारी मेंग वानझोउ को गिरफ्तार किया। इसके जवाब में चीन ने दो कनाडाई नागरिकों को जासूसी के आरोप में हिरासत में ले लिया था। हाल ही में दोनों देशों के बीच व्यापार को लेकर भी तनाव बढ़ा है। कनाडा ने चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों और धातु उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगा दिया, जिसके जवाब में चीन ने कनाडा के कुछ खाद्य उत्पादों पर टैरिफ लगा दिए।

शिन बेट प्रमुख रोनेन बार की विदाई तय, नेतन्याहू का प्रस्ताव मंजूर

एजेंसी

तेल अवीव। इजराइल की आंतरिक सुरक्षा सेवा शिन बेट के प्रमुख रोनेन बार की बार की विदाई तय हो गई। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार ने बार को बर्खास्त करने के लिए मतदान किया है। स्थानीय समयानुसार शुक्रवार सुबह हुए मतदान पर इजराइल के सर्वोच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है। सीएनएन न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को बयान में कहा, 'सरकार ने अब सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के शिन बेट प्रमुख रोनेन बार के कार्यकाल को समाप्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।' रोनन बार 10 अप्रैल, 2025 या शिन बेट के स्थायी प्रमुख की नियुक्ति होने के बाद अपनी भूमिका से हट जाएंगे। उल्लेखनीय है कि नेतन्याहू ने पिछले सप्ताह रोनेन बार से मुलाकात कर उन्हें सूचित किया था कि वे उन्हें हटाने का प्रस्ताव देंगे। पिछले रविवार को जारी एक वीडियो बयान में नेतन्याहू ने

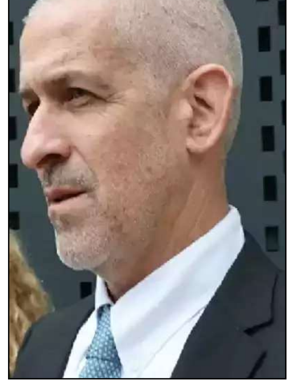

कहा था कि बार के प्रति लंबे अविश्वास के कारण यह कदम उठाना पड़ रहा है। गाजा में जीत के लिए रोनेन बार को हटाना जरूरी है।

बांग्लादेश में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की वापसी हमारी लाशों पर होगी : हसनत अब्दुल्ला

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से हटाने वाले विद्रोह के प्रमुख नेताओं में से एक और नवगठित नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के मुख्य आयोजक (दक्षिण) हसनत अब्दुल्ला ने चेतावनी दी है कि अवामी लीग की सत्ता में वापसी हमारी लाशों पर होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुल्क का सैन्य नेतृत्व शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की वापसी चाहता है। इस पर विरोध जताते हुए ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने शुक्रवार सुबह परिसर में अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए मार्च निकाला। ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार हसनत अब्दुल्ला ने इस संबंध में गुरुवार देर रात फेसबुक पर एक धमाकेदार पोस्ट की, जो तेजी से वायरल हो गई। अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि भारत के मार्गदर्शन में

अपदस्थ अवामी लीग को फिर से स्थापित करने की साजिश रची जा रही है। इस पोस्ट में हसनत ने 11 मार्च को दोपहर 2:30 बजे कैंटोनमेंट में हुई एक अहम बैठक का ब्योरा दिया। उन्होंने कहा कि इस बैठक में वह और एनसीपी के दो अन्य नेता शामिल थे। उनके सामने सैन्य नेतृत्व ने अवामी लीग को मुख्यधारा की राजनीति में वापस लाने के लिए उनके सामने एक प्रस्ताव रखा। हसनत ने कहा कि सैन्य नेतृत्व ने कहा कि अगले चुनाव में सीटों के बंटवारे पर बातचीत के बदले में उन्हें यह प्रस्ताव स्वीकार कर लेना चाहिए। सैन्य नेतृत्व ने कहा कि यह प्रस्ताव कई राजनीतिक दलों के सामने रखा चुका है। यह दल कुछ शर्तों के साथ अवामी लीग के पुनर्वास के लिए सहमत हो गए है। सैन्य नेतृत्व ने उनसे कहा कि कुछ दिनों में आप देखेंगे कि मीडिया में कई राजनेता अवामी लीग के पक्ष में बोल रहे होंगे। हसनत अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि भारत चाहता है कि पूर्व सांसद सबर हुसैन चौधरी, पूर्व स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी और ढाका दक्षिण के पूर्व मेयर फजले नूर तपोश को अवामी लीग के नए चेहरे के तौर पर स्थापित किया जाए। विद्रोही नेता ने कहा कि बैठक में उन्हें बताया गया कि चौधरी, शिरीन और तपोश अप्रैल-मई से शेख हसीना परिवार के अपराधों को स्वीकार करना शुरू कर देंगे। यह नेता जनता के सामने बंगबंधु की अवामी लीग को फिर से स्थापित करने का वादा करेंगे। हसनत ने कहा कि उन्होंने सैन्य नेतृत्व के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया और यह भी साफ कर दिया कि अवामी लीग की वापसी आंदोलनकारियों की लाशों पर ही संभव है। इस पर सैन्य नेतृत्व ने उन्हें चेताया कि अवामी लीग के बिना कोई समावेशी चुनाव नहीं हो सकता है।

पाकिस्तान में मुठभेड़,10 आतंकवादी ढेर, सैन्य अफसर की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले में हुई मुठभेड़ में कम से कम 10 आतंकवादियों को मार गिराया। इस मुठभेड़ में सुरक्षा बलों का नेतृत्व कर रहे कैप्टन हसनैन अख्तर की जान चली गई।

सेना की मीडिया विंग ने कहा कि सुरक्षा बलों ने खुफिया सूचना के आधार पर 20 मार्च को आतंकवादियों को घेरा। इस दौरान दोनों ओर से हुई गोलीबारी में 10 आतंकवादियों को मार गिराया गया।

पाकिस्तान के अखबार द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने कहा कि भीषण गोलीबारी में सुरक्षा बलों का नेतृत्व कर रहे कैप्टन हसनैन अख्तर की जान चली गई। 24 वर्षीय सैन्य अधिकारी अख्तर झेलम जिले के

निवासी थे। मुठभेड़ स्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। सुरक्षा बलों ने इलाका घेर रखा है और बाकी आतंकवादियों की तलाश की जा रही है। आईएसपीआर ने बयान में कहा है कि 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद पाकिस्तान आतंकवादी हमलों से जूझ रहा है।

भारत सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ उनके बहुत अच्छे संबंध हैं, लेकिन भारत दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है और वह 02 अप्रैल से भारत पर अपने पारस्परिक टैरिफ को आगे बढ़ा रहे हैं। ब्रेइटबार्ट न्यूज को दिए एक साक्षात्कार के दौरान जब व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 13 फरवरी को हुई द्विपक्षीय बैठक के बारे में पूछा गया, तो श्री ट्रंप ने कहा, भारत के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं, लेकिन भारत के साथ मेरी एकमात्र समस्या यह है कि वे दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक हैं।

लंदन में बिजली सब स्टेशन में आग लगने से हीथ्रो एयरपोर्ट को बंद किया गया

एजेंसी

लंदन। लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट को बिजली आपूर्ति करने वाले सब स्टेशन में गुरुवार देररात आग लग जाने से कई उड़ानों के रद्द कर दिया गया। इसके अलावा कुछ उड़ानों के मार्ग में परिवर्तन किया गया है। आग लगने की वजह से हीथ्रो एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। यह आज (शुक्रवार) पूरे दिन बंद रहेगा स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह आग इंग्लैंड के हेस में हीथ्रो हवाई अड्डे को बिजली आपूर्ति करने वाले एक विद्युत सब स्टेशन में लगी है। इसका फोटो लंदन फायर ब्रिगेड ने अपने एक्स हैंडल पर साझा किया है। हीथ्रो एयरपोर्ट शुक्रवार को पूरे दिन बंद रहेगा, क्योंकि पास के एक बिजली सब स्टेशन में आग लग गई है। इस जगह से एयरपोर्ट को बिजली की आपूर्ति होती है। हीथ्रो एयरपोर्ट ने आज सुबह बयान में कहा कि यात्रियों और सहकर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हीथ्रो को 21 मार्च को 23ञ59 बजे तक के लिए बंद कर दिया गया है। हीथ्रो एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वह एयरपोर्ट पर न आएं। अधिक जानकारी के लिए अपनी एयरलाइन से संपर्क करें। प्रवक्ता ने एयरपोर्ट बंद होने से यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है। उन्होंने कहा कि लंदन फायर ब्रिगेड के जवान आग बुझाने में युद्धस्तर पर लगे हुए हैं। मगर अभी यह स्पष्ट नहीं है कि स्थिति कब तक सामान्य हो पाएगी। हीथ्रो ब्रिटेन का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। यह हर दिन लगभग 1,300 लैंडिंग और टेक-ऑफ को संभालता है। पिछले साल इसके टर्मिनलों से रिकॉर्ड 83.9 मिलियन यात्री गुजरे। पश्चिमी लंदन के हेस में सब स्टेशन में आग लगने से हजारों घरों में बिजली गुल है। लगभग 150 लोगों को आसपास के घरों से निकाला गया है। लंदन फायर ब्रिगेड ने कहा कि आग पर नियंत्रण पाने के लिए 10 दमकल गाड़ियां और लगभग 70 अग्निशमन कर्मी भेजे गए हैं। एहतियात के तौर पर 200 मीटर की घेराबंदी की गई है। स्थानीय निवासी धुआं फैलने की वजह से दरवाजे और खिड़कियां बंद रखें। ऊर्जा आपूर्तिकर्ता स्कॉटिश और सदर्न इलेक्ट्रिसिटी नेटवर्क्स ने एक्स पर कहा कि आग के कारण बड़े पैमाने पर 16,300 से अधिक घरों की बिजली गुल हो गई है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। लंदन फायर ब्रिगेड के सहायक आयुक्त पैट गॉलबोर्न ने कहा कि अग्निशमन कर्मी जल्द से जल्द आग पर काबू पाने के लिए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अथक परिश्रम कर रहे हैं। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन की खबर के अनुसार, हीथ्रो एयरपोर्ट से आने-जाने वाली उड़ानों को डायवर्ट किया जा रहा है या रद्द किया जा रहा है। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट %फ्लाइट रडार 24% ने कहा कि वर्तमान में हवा में 120 उड़ानें वैकल्पिक एयरपोर्ट पर डायवर्ट की जाएंगी या अपने मूल स्थान पर वापस लौट जाएंगी। एयरपोर्ट बंद होने के बाद से पहला निर्धारित आगमन जोहान्सिबर्ग से ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान है। इसे स्थानीय समयानुसार सुबह 4:30 बजे उतरना था और हीथ्रो वेबसाइट पर अभी भी इसे अपेक्षित के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। यूनाइटेड की वेबसाइट के अनुसार, न्यूयॉर्क से यूनाइटेड एयरलाइंस की एक उड़ान को आयरलैंड की ओर डायवर्ट किया गया है। हीथ्रो के अनुसार, ज्यूरिख, पेरिस और मैड्रिड की उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814

मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com

Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है : केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार नक्सलियों के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है। छत्तीसगढ़ में दो अलग-अलग अभियानों में 22 नक्सलियों के मारे जाने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक पोस्ट में अमित शाह ने कहा कि नक्सलमुक्त भारत अभियान की दिशा में आज हमारे जवानों ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर में सुरक्षा बलों के 2 अलग-अलग ऑपरेशन में 22 नक्सली मारे गए। मोदी सरकार नक्सलियों के विरुद्ध रुथलेस अप्रोच से आगे बढ़ रही है और समर्पण से लेकर समावेशन की तमाम सुविधाओं के

बावजूद जो नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर रहे, उनके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। अगले साल 31 मार्च से पहले देश नक्सलमुक्त होने वाला है। गृह मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में नक्सलवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक 90 नक्सली मारे जा चुके हैं, 104 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 164 ने आत्मसमर्पण किया है। वर्ष 2024 में 290 नक्सलियों को न्यूट्रलाइज़ किया गया था, 1090 को गिरफ्तार किया गया और 881 ने आत्मसमर्पण किया था। अभी तक कुल 15 शीर्ष नक्सली नेताओं को न्यूट्रलाइज़ किया जा चुका है। बयान में कहा गया है कि वर्ष 2004 से 2014 के बीच नक्सली हिंसा की कुल 16,463 घटनाएं हुई थीं, जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल में 2014 से 2024 के बीच नक्सली हिंसा की घटनाओं की संख्या 53 प्रतिशत घटकर 7,744 रह गई है। इसी प्रकार, सुरक्षाबल जवानों की मृत्यु की संख्या 1851 से 73 प्रतिशत घटकर 509 रह गई और नागरिकों की मृत्यु की संख्या 70 प्रतिशत की कमी के साथ 4766 से 1495 रह गई है।

स्वाति मालीवाल ने पंजाब में किसानों पर हुई कार्रवाई पर केजरीवाल पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने पंजाब सरकार के सिंधु बॉर्डर पर किसानों पर बुलडोजर चलाए जाने पर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह केजरीवाल के गुस्से और बदले की भावना का प्रतीक है। स्वाति मालीवाल ने एक्स पोस्ट में लिखा कि अरविंद केजरीवाल का मकसद हाइवे

खुलवाना नहीं बल्कि अपने लिए राज्यसभा का रास्ता खोलना है। किसानों पर देर रात को हुई कार्रवाई से नाराज मालीवाल ने कहा कि केजरीवाल को लगता है ऐसा करने से लुधियाना का व्यापारी खुश होगा।

चुनाव जीतेंगे और अरोड़ा की राज्यसभा सीट खाली होगी। उन्होंने कहा कि जब किसान दिल्ली में बैठे थे तो केजरीवाल ने खुद को उनका सेवादार बताया था। अब जब किसान पंजाब में बैठे हैं तो केजरीवाल ने आंदोलन को बातचीत से नहीं जोर-जुल्म से खत्म करने का प्रयास किया है। स्वाति ने सवाल किया कि ऐसा दोहरा रवैया क्यों?

आतिशी ने सुनीता विलियम्स की वापसी पर खुशी जताई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने नासा से संबद्ध भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की आज धरती पर सुरक्षित वापसी पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि घर में आपका स्वागत है। आतिशी ने कहा कि अंतरिक्ष में असाधारण रूप से नौ महीने से अधिक का समय गुजारना साहस और समर्पण का प्रतीक है। आपकी यह भावना लाखों लोगों को प्रेरित करती है। दुनिया आपकी सुरक्षित वापसी का जश्न मना रही है। दुनिया आपके अंतरिक्ष अनुसंधान का लाभ लेने के लिए बेताब है। इस तरह के क्षण लोगों में सपनों को जगाते हैं। उल्लेखनीय है कि सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर नौ महीने से अधिक समय तक आईएसएस पर रहने के बाद मंगलवार को सुबह 11.05 बजे आईएसएस से पृथ्वी के लिए रवाना हुए। सुनीता विलियम्स और उनके सहयोगी बुच विल्मोर की वापसी स्पेसएक्स के ड्रैगन यान से हुई है। उनकी लैंडिंग 19 मार्च को सुबह 3.27 बजे फ्लोरिडा तट के पास हुई।

दिल्ली सरकार आयुष्मान भारत योजना को लेकर 10 अप्रैल करेगी केंद्र के साथ समझौता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार जल्द ही आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना को लेकर केन्द्र सरकार से समझौता करेगी। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने इसकी जानकारी दी। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने मंगलवार को पत्रकार वार्ता कर बताया कि राजधानी में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना लागू करने के लिए 10 अप्रैल को केंद्र के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हमारा लक्ष्य एक महीने के भीतर एक लाख लोगों को स्वास्थ्य बीमा योजना में नामांकन करना है। इसके अलावा पंकज सिंह ने बताया कि दिल्ली सरकार ठीक से काम नहीं करने वाले किराये पर चल रहे मोहल्ला क्लीनिकों बंद करेगी। उनके स्थान पर सरकारी भूमि पर नए क्लीनिक खोले जाएंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगभग सात मोहल्ला क्लीनिक किराए के परिसर में चल रहे हैं। इनमें से लगभग 160 क्लीनिक ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। उन्हें बंद कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एबी-पीएमजेएवाई आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों को प्रति वर्ष प्रति परिवार पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर प्रदान करती है। केंद्र सरकार ने अब 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को भी इसकी सुविधा प्रदान की है।

युवक की चाकू घोपकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर इलाके में सोमवार देर रात एक युवक की चाकू घोपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान अंशु बरुआ (18) के रूप में हुई है। हमलावरों ने उसके पेट, कमर और गर्दन पर चाकू से वार किए।बाद में आरोपित मौके से भाग निकले। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने अंशु को जीटीबी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस आरोपितों की पहचान करने के प्रयास कर रही है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आपसी रंजिश में वारदात को अंजाम दिया गया है। हमले से कुछ देर पहले दो युवकों ने अंशु को मारने की धमकी दी थी। पुलिस अंशु के दोस्त शिब्बू से पूछताछ कर झगड़े की वजह का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस की तीन टीमें आरोपितों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

अभय वर्मा भाजपा विधायक दल के मुख्य सचेतक नियुक्त

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा विधायकों की आज हुई बैठक में लक्ष्मी नगर से विधायक अभय वर्मा को मुख्य सचेतक नियुक्त किया गया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा एवं मुख्य मंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिती में दिल्ली भाजपा विधायक दल की बैठक में आज विधानसभा परिसर में सम्पन्न हुई। बैठक में विधानसभा दल की गतिविधियाँ सुचारू रूप से चलाने के लिए मुख्य सचेतक की नियुक्ति को लेकर चर्चा हुई और सभी विधायकों ने निर्णय बैठक में उपस्थित प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा पर छोड़ दिया। प्रदेश अध्यक्ष ने विधानसभा दल की अध्यक्ष एवं मुख्य मंत्री से चर्चा कर लक्ष्मी नगर से दूसरी बार विधायक चुने गये अभय वर्मा को विधायक दल का मुख्य सचेतक नियुक्त किए जाने की घोषणा की। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि विधायक अभय वर्मा दिल्ली की राजनीति में पूर्वांचल का एक पहचाना हुआ चेहरा हैं और उनके पास विधायक होने के अनुभव के साथ ही कानून की समझ भी है। वह कुशलतापूर्वक मुख्य सचेतक का दायित्व निर्वहण कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि अभय वर्मा वर्तमान में 2021 से दिल्ली भाजपा के मुख्य प्रवक्ता हैं। अभय वर्मा प्रदेश भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के अध्यक्ष और दिल्ली प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। वर्मा दिल्ली विश्वविद्यालय की ला फैकल्टी छात्र संघ के अध्यक्ष रहे। दिल्ली बार एसोसिएशन के दो बार सदस्य भी चुने गये और एक बार अवैतनिक सचिव रहे।

द्रमुक सांसद स्लोगन लिखी टी-शर्ट पहने पहुंचे, नहीं चली लोकसभा

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा में परिसीमन के मुद्दे पर द्रमुक सदस्य स्लोगन लिखी टी-शर्ट पहने पहुंचे। इसके चलते कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होने के कुछ देर बाद ही स्थगित कर दी गई। वहीं 12 बजे दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर भी द्रमुक सदस्यों के शोर-शराबे के बीच कार्यवाही 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। दो बजे भी इसी कारण से कामकाज नहीं हुआ और दो मिनट बाद ही कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर अध्यक्ष ओम बिरला ने द्रमुक सदस्यों के स्लोगन लिखी टी-शर्ट पहनने पर नाराजगी जताई। बिरला ने कहा कि सदन नियम प्रक्रिया और मर्यादा से चलेगा और इस तरह का व्यवहार अस्वीकार्य है। सदस्यों को नियम 349 पढ़ना चाहिए। सदन में नियमों का

पालन सुनिश्चित कराना उनकी जिम्मेदारी है। इसके बाद उन्होंने कार्यवाही को 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। वहीं 12 बजे कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर भी द्रमुक सदस्य टी-शर्ट पहने आए और शोर-शराबा किया। इसके बाद कार्यवाही को दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। दो बजे के बाद कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। द्रमुक सदस्यों ने परिसीमन के मुद्दे पर सदन के बाहर भी प्रदर्शन किया। उन्होंने स्लोगन लिखी टी-शर्ट पहने प्रदर्शन किया। इसमें फेयर डिलिमिटेशन की बात लिखी थी।

भाजपा ने अपने लोकसभा सदस्यों के लिए जारी किया ह्विप

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने के लिए अपने लोकसभा सदस्यों को तीन लाइन का व्हिप जारी किया है। पार्टी ने अपने सदस्यों से बजट पारित होने के लिए सदन में उपस्थित रहने को कहा है।लोकसभा कल गिलोटिन का प्रयोग करेगी। गिलोटिन लागू करने का स्पीकर को विशेषाधिकार होता है। संसदीय परंपरा में गिलोटिन भी हर समय लागू नहीं किया जाता है, बल्कि महत्वपूर्ण मौकों पर ही इसे लागू किया जाता है। विधायी भाषा में गिलोटिन का मतलब है वित्तीय कामकाज को एक साथ लाना और तेजी से विधेयक पारित करना। बजट सत्र के दौरान लोकसभा में यह एक आम प्रक्रियात्मक अभ्यास है। एक बार गिलोटिन लागू हो जाने के बाद

अनुदान की शेष मांगों पर बिना किसी चर्चा के मतदान कर दिया जाता है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि बजट निर्धारित समय के भीतर पारित हो जाए और सरकार बिना किसी देरी के अपना कार्य जारी रख सके।

भारत 2047: जलवायु-अनुकूल भविष्य का निर्माण' सम्मेलन , भारत मंडपम में होगा आयोजन

नई दिल्ली । केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए के दो संस्थानों के सहयोग से 19 से 22 मार्च तक भारत मंडपम में 'भारत 2047ः जलवायु-अनुकूल भविष्य का निर्माण' पर एक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। लक्ष्मी मित्तल एंड फैमिली साउथ एशिया इंस्टीट्यूट और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए में सलाटा इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट एंड सस्टेनेबिलिटी इस कार्यक्रम के आयोजन भागीदार हैं। यह आयोजन अनुकूलन में प्रमुख चुनौतियों की पहचान करने और जलवायु-लचीले भारत 2047 की दिशा में क्षेत्र स्तर पर नीतियों, कार्यक्रमों और कार्रवाई के संदर्भ में भारत की प्रतिक्रिया को बेहतर बनाने का काम करेगा।

नीति आयोग की उपाध्यक्ष सुमन बेरी और केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह इस सम्मेलन के उद्घाटन सत्र का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम को भारत सरकार, शिक्षा जगत, शोध संस्थानों, निजी क्षेत्र और हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा भी संबोधित किया जाएगा। इनमें लक्ष्मी मित्तल एंड फैमिली साउथ एशिया इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर तरुण खन्ना और हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में जॉर्ज पाउलो लेमन प्रोफेसर, हार्वर्ड विश्वविद्यालय में जलवायु और स्थिरता के लिए वाइस प्रोवोस्ट प्रोफेसर जिम स्टॉक, हार्वर्ड विश्वविद्यालय में पर्यावरण विज्ञान और इंजीनियरिंग के प्रोफेसर प्रोफेसर डैनियल पी. श्राग आदि शामिल हैं। चार दिवसीय सम्मेलन में कई तकनीकी सत्रों के साथ कई ब्रेकआउट सत्र होंगे। सत्र में जलवायु विज्ञान और जल एवं कृषि पर इसके निहितार्थ, स्वास्थ्य, कार्य, और निर्मित पर्यावरण जैसे विषय शामिल होंगे।

इस सम्मेलन में जलवायु विज्ञन और कृषि एवं जल पर इसके निहितार्थ विषय में हीटवेव, बदलते मानसून पैटर्न और जल वितरण मुद्दों के अनुकूल होने के वैज्ञानिक, नीतिगत और व्यावहारिक आयामों का पता लगाया जाएगा।स्वास्थ्य विषय में भारत और दुनिया के प्रमुख स्वास्थ्य पेशेवरों और स्वास्थ्य प्रणाली विशेषज्ञों को गर्मी के प्रभाव पर आवश्यक प्रश्नों को संबोधित करने के लिए बुलाया जाएगा। कार्य विषय में श्रम उत्पादकता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। निर्मित पर्यावरण विषय में यह जांच करने का प्रयास किया जाएगा कि आने वाले दशकों में बढ़ते तापमान के लिए निर्मित पर्यावरण को कैसे तैयार किया जाना चाहिए।

NAME CHANGE
I, PONGU Mother of JC-441601-N Rank-SUB Name-JEGATHAN P Presently residing at 10W 5/32-3, INDIRA COLONY, VILL-B DHARMATHUPATTI, TAL-BODINAYAKA UR, PO-MELACHOKKANATHA PURAM, DIST-THENI, TAMIL NADU-625582, have changed my name from PONGU to PANJAVARNAM P for all future purposes vide Affidavit dated 21/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, A PONNAIAH Father JC-441601-N Rank-SUB Name-JEGATHAN P Presently residing at 10W 5/32-3, INDIRA COLONY, VILL-B DHARMATHUPATTI, TAL-BODINAYAKA UR, PO-MELACHOKKANATHA PURAM, DIST-THENI, TAMIL NADU-625582, have changed my name from A PONNAIAH to PONNAIYA P for all future purposes vide Affidavit dated 21/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MALLIKARJUN D BOMBRI Father of No-2616126N Rank-NK Name-LAXMIKANT MALLIKARJUN BOMBRI Presently residing at TA-GOKAK, URABINAHATTI, BELGAUM, PACHHAPUR, KARNATAKA-591122, have changed my name from MALLIKARJUN D BOMBRI to MALLIKARJUN BOMBRI for all future purposes vide Affidavit dated 21/03/2025 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, IMRAN KHAN S/o Shri MEHBOOB ALI R/o House No. C-80/14 GALI NO-2/7 MATKE WALI GALI CHAUHAN BANGAR SEELAMPUR, Delhi-110053, declare that in my Passport my incorrect Father name is mentioned as MEHBOOB KHAN and my correct Father name is MEHBOOB ALI future purpose

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client Mrs. Anita Gupta is the Owner of Property No.D-31/6, area admeasuring 100 Sq. Mtrs., 83.61 Sq. Mtrs., carved out of Khasra No.329, situated at Village Ghonda Gujran Khadar, in the abadi of D-Block, Gali No.11, Gamri Extension, Shahdara, Delhi-110053 vide Sale Deed dated 22.01.2018 as doc no. 131 and Intend to mortgage the said property with **ADITYA BIRLA FINANCE LTD.** That the Death Certificate of Late Mr. Balwant Singh & Late Mrs. Gurpreet Kaur along with their Surviving Member Certificate is not available. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mrs. Tabasuum is the Owner of EWS House no. 324,** admeasuring 84.68 Sq. Meter, situated at Mohalla Ambedkar Nagar Aavas Vikas Colony, Bulandsehar Road Hapur, Tehsil & Distt. Hapur, U.P vide Sale Deed dated 18.12.2024 as doc no. 14785 and Intend to mortgage the said property with **CHOLAMANDALAM INVESTMENT AND FINANCE COMPANY LTD.** That the Surviving Member Certificate of Late Mr. Abdul Nasir is not available. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client M/S Kartikey Developers Pvt. Ltd. is the owner of Freehold Residential Plot area measuring 700 Sq. Yds. i.e. 585.27 Sq. Mtrs. out of Khasra No.351 Situated at Krishna Elite, Tower/Block - I at Village Jalpura Tehsil Dadri District Gautam Budh Nagar, U.P. by virtue of Sale Deed dated 30.08.2024 Vide Doc No.45816, Book No.1, Volume No.28567, on Page Nos.119-142, Registered on 30.08.2024, in S.R-Dadri. In the chain documents below mentioned documents not available i.e. Death Certificate of Sh. Raje died on 12.10.2022 & Probate Order of Will dated 25.10.2017 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Flat No. FF-07, on First Floor (HIG), sold too be Mrs. Bharti Chauhan & Mr. Ojasvii Pratap Singh and same has been finance by ICICI Home Finance Co. Ltd. Branch: Noida, U.P. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained
[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

NAME CHANGE
I, Ravi Pratap Maurya S/O Vijay Pal R/O S-12/96, Indira Gandhi Camp, Khanna Market, Lodhi Road, Central Delhi, Delhi-110003, have changed the name of my minor daughter namely Tanasha aged 12 years and she shall hereafter be known as Tanasha Maurya

NAME CHANGE
I, MINU SAHU Mother of No. 14685355N Rank-HAV Name-SANJAYA KUMAR SHAHU Presently residing at BAPUJI NAGAR, 6th LANE, BRAHMAPUR, NEAR MAHAKALESWAR TEMPLE, BRAHMAPUR SADAR, GANJAM, ODISHA-760001, have changed my name from MINU SAHU to MANU SAHU for all future purposes vide Affidavit dated 22/02/2025 before Notary Public, Odisha.

NAME CHANGE
I, RAVI KUMAR TIWARI S/O JEET RAM, 15/28, FIRST FLOOR RIGHT SIDE, NEAR PATEL PARK, WEST PATEL NAGAR, Patel Nagar West, PO: Patel Nagar, DIST: Central Delhi, Delhi - 110008, I have changed my name from RAVI KUMAR TO RAVI KUMAR TIWARI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Ravinder son of Late Sh Gursharan Singh aged 51 years, R/o H.No. E-405, Phase-I, Shyam Vihar, Dindarpur, South West Delhi-110043,have changed my name from Ravinder to Ravinder Kumar for all future purposes.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विकास, पुत्रः सुरेंद्र, पताः गली न० – 16, गगन विहार, भोपुरा टीला मोड़, गाजियाबाद, यूपी** ने **FIR No. 230/2022, U/s 356/379/34 IPC, पुलिस थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **विकास** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **विकास** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के अभियुक्त **विकास** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.07.2025** या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
सुश्री संघमित्रा
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–01
कक्ष क्रमांक – 54
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली
DP/3411/SHD/2025

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **शाहनवाज पुत्रः** बुन्दू खान **पताः** एफ–5 निकट ईदगाह गरिमा गार्डन शाहीबाद गाज़ीबाद उ.प्र. **FIR No. 240/2017 U/s 379/356/411/34 IPC थानाः नंद नगरी दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शाहनवाज** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **शाहनवाज** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.240/2017 U/s 379/356/411/34 IPC थानाः नंद नगरी दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **शाहनवाज** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा
DP/3557/NE/2025 **एल.डी. जेएमएफसी–03, कमरा नंबर 19, शाहदरा**
(Court Matter) **कड़कड़डूमा कोर्ट दिल्ली**

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा **84 BNSS** देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **दीपक उर्फ बिट्टू पुत्रः बीर सिंह उर्फ बबलू, पताः** मकान नं. योगन्दर का मकान, गल नं.1 भूमिया मन्दिर, विजय विहार, लोनी, गाजियाबाद, दिल्ली, **CR Cases 985/2018, FIR No. 653/2017,** थानाः करावल नगर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक उर्फ बिट्टू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **दीपक उर्फ बिट्टू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CR Cases 985/2018, FIR No. 653/2017,** थानाः करावल नगर, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **दीपक उर्फ बिट्टू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **23.04.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
नेहा बारूपाल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–01
(महिला कोर्ट) कमरा नं. 67, चौथी मंजिल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/3440/NE/2025
(Court Matter)

NAME CHANGE
I, Army No. 4282400Y Rank - HAV Name - Dilip Kumar Ray S/o Yougeshwer Ray Parmanent Resident of Village - Bishanpur, Post - Chiryatok, P. S - Bachhwara, Dist - Begusarai, State - Bihar Pin - 851111 have changed my son's name from Krissh Kumar to Krish Kumar DOB 08/06/2014 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 4th March 2025 before Notary (S. Kumar) Government of Bihar (India) Danapur.

NAME CHANGE
I SYED MOHAMMAD HILAL S/O SYED MOHD SHAKEEL R/O E-2 ABUL FAZAL ENCLAVE NEW DELHI 110025 HAVE CHANGED MY NAME TO SYED HILAL

NAME CHANGE
I, HEMANT KUMAR YADAV S/O SUNDER LAL R/O H.NO-144, VILLAGE NAWADA, FATEHPUR, GURGAON, HARYANA-122001 HAVE CHANGED MY NAME TO HEMANT KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSE

NAME CHANGE
I, JC-736654F Rank-NB/SUB Name-HARBHAJAN SINGH S/o NOBATH SINGH residing at 497, RASULPUR ABAD, RASOOLABAD, BIJNOR, NAGINA, UTTAR PRADESH-246722, have changed my daughter's name from PALLAVI RANI to PALLAVI for all future purposes vide Affidavit dated 21/03/2025 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री अनिल शर्मा और श्रीमती अनुराधा शर्मा संपत्ति संख्या 08, रोड नंबर V–18, जिसका क्षेत्रफल 163.23 वर्ग गज है, के मालिक हैं। यह संपत्ति डीएलएफ कुतुब एन्क्लेव कॉम्प्लेक्स, फेज–III, गांव नाथूपुर, तहसील एवं जिला गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित है। श्री एस.एम. जहीद ने इस संपत्ति को डीएलएफ यूनिवर्सल लिमिटेड से बिक्री विलेख (सेल डीड) दिनांक 05.03.1990 के माध्यम से खरीदा था। बाद में, उन्होंने इसे (1) श्री बृजेश खन्ना, (2) श्री राजेश खन्ना, और (3) श्री करुणेश खन्ना को तीन अलग–अलग बिक्री विलेखों दिनांक 27.10.1998 के माध्यम से बेच दिया। इसके पश्चात, श्री बृजेश कुमार खन्ना ने श्री राजेश खन्ना को अपना सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA) धारक नियुक्त किया। श्री राजेश खन्ना (स्वयं और श्री बृजेश खन्ना एवं श्री करुणेश खन्ना के पावर ऑफ अटॉर्नी धारक के रूप में) ने इस संपत्ति को श्री इंदर मोहन और श्री स्वराज कुमार मल्होत्रा को दो बिक्री विलेखों दिनांक 27.02.2001 के माध्यम से बेच दिया। इसके बाद, श्री इंदर मोहन और श्री स्वराज कुमार मल्होत्रा ने इस संपत्ति को श्री अनिल शर्मा और श्रीमती चंद्रकांता शर्मा को विलेख दिनांक 07.05.2003 के माध्यम से बेच दिया। दुर्भाग्यवश, श्रीमती चंद्रकांता शर्मा का निधन हो गया, जिससे उनके चार कानूनी उत्तराधिकारी (1) श्री अनिल शर्मा, (2) श्री सुनील शर्मा, (3) श्रीमती सारिथा रत्तन और (4) श्री आर.सी. शर्मा पीछे रह गए। इन कानूनी उत्तराधिकारियों ने अपनी–अपनी हिस्सेदारी को श्री आर.सी. शर्मा के पक्ष में एक अपंजीकृत परित्याग विलेख (अनरजिस्टर्ड रिलिंक्विशमेंट डीड) दिनांक 05.07.2007 के माध्यम से छोड़ दिया। यह परिवर्तन बाद में मि. डीएलएफ लिमिटेड के रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया गया।इसके पश्चात, श्री आर.सी. शर्मा ने अपनी आधी अविभाजित हिस्सेदारी को श्रीमती अनुराधा शर्मा के पक्ष में बिक्री विलेख दिनांक 18.05.2012 के माध्यम से स्थानांतरित कर दिया। वर्तमान में, यह संपत्ति आरबीएल बैंक, ओखला, नई दिल्ली शाखा द्वारा वित्त पोषित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई–मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, Kamlesh Wife of Sh Ravinder Kumar aged 47 years. R/o H.No. E-405, Phase-1, Shyam Vihar, Dindarpur. South West Delhi-110043,have changed my name from Kamlesh to Kamlesh Kumari for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SUNDER LAL YADAV S/O UMRAO SINGH R/O H.NO-144,VILLAGE NAWADA,FATEHPUR,GURGAON,HARYANA-122001,HAVE CHANGED MY NAME TO SUNDER LAL FOR ALL FUTURE PURPOSE

PUBLIC NOTICE
The public at large is hereby informed that my client Smt. Padma W/O Sh. Devi Ram, R/o H.No. 8/221, Third Floor, Military Road, Anand Parvat, Punjabi Basti, New Delhi-110005 has debarred and disinherited her elder son Rishab, Pravesh and his wife Shivani from her movable and immovable properties due to their bad conduct and disobedient towards my client and my client has no control in any manner over them, If anyone deals with them will be at his/her own risk then my client will not responsible in any manner.
RAMNIWAS SINGH TOMAR
ADVOCATE
Ch. No. V-31A, 1st Floor, Tehsil Rood Tishazari Court, Delhi-54

सार्वजनिक सूचना
सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती श्वेता ओझा, पत्नी श्री बृज किशोर ओझा, आवासीय मकान संख्या 658 (एकल मंजिला), भूमि क्षेत्र 38.018 वर्ग मीटर, स्थित सेक्टर–4, विवेकानंद नगर, गाज़ियाबाद, परगना लोनी, तहसील एवं जिला गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश, को श्री संजय कुमार से खरीदने का इरादा रखती हैं। श्री संजय कुमार ने उक्त संपत्ति को दिनांक 24.01.2012 को श्री राजेश कुमार से हस्तांतरण विलेख (ट्रांसफर डीड) के माध्यम से खरीदा था। कृपया ध्यान दें कि दस्तावेजों की श्रृंखला में निम्नलिखित शामिल हैं: मूल आवंटन पत्र एवं कब्जा पत्र, जो श्री भगत राम शर्मा के नाम पर है। एक पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, दिनांक 07.07.1977, जो श्री जय प्रकाश के नाम पर है। एक पट्टा विलेख (लीज डीड), दिनांक 02.11.1981, जो श्री जय प्रकाश के नाम पर है। एक हस्तांतरण विलेख (ट्रांसफर डीड), जो श्रीमती शीला वंती के नाम पर है। एक अन्य हस्तांतरण विलेख, दिनांक 12.01.1989, जो श्री धीरे सिंह के नाम पर है। उपरोक्त दस्तावेज़ गुम हो गए हैं, और इस संबंध में दिनांक 22.11.2011 को थाना कवि नगर, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश में एक प्राथमिकी (FIR) दर्ज कराई गई थी। यह संपत्ति हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा लोनी, गाज़ियाबाद द्वारा वित्तपोषित की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त संपत्ति के कब्जे में पाया जाता है या किसी प्रकार की आपत्ति है, तो कृपया इस नोटिस की तारीख से 07 दिन के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज के साथ नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें। ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री पत्र के अनुसार दावा विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, ABHISHEK KUSHWAH S/O DHARMENDRA KUSHWAH R/O 9, MAHILA KE SAMNE, GANESHPURA, MORENA, MADHYA PRADESH-476001, HAVE CHANGED MY NAME TO ABHISHEK SINGH KUSHWAH S/O DHARMENDRA SINGH KUSHWAH FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, NARA SINGH SHAHU Father of No. 14685355N Rank-HAV Name-SANJAYA KUMAR SHAHU Presently residing at BAPUJI NAGAR, 6th LANE, BRAHMAPUR, NEAR MAHAKALESWAR TEMPLE, BRAHMAPUR SADAR, GANJAM, ODISHA-760001, have changed my name from NARA SINGH SHAHU to NARASINGHA SAHU for all future purposes vide Affidavit dated 15/03/2025 before Notary Public, Delhi.

तावडू में भारी बजट खर्च करने के बाद भी आवारा पशुओं की स्थिति जस के तस, प्रशासन मौन

तावडू। हरियाणा सरकार तावडू में आवारा पशुओं पर लगाम लगाने में विफल रही है। कई वर्षों से आम नागरिकों द्वारा आवारा पशुओं को शहर से हटाने की मांग की जा चुकी है व नगरपालिका तावडू ने आवारा पशुओं को पकड़ने का ठेका भी छोड़ व समाचार पत्रों में ठेकों की कई मुनादी भी करवाई थी, किंतु भारी बजट खर्च करने के बाद भी शहर में आवारा पशुओं की स्थिति जस की तस बनी हुई है। जिससे शहरवासियों में प्रशासन के खिलाफ रोष व्याप्त है। शहरवासी हरीश कुमार, मनोहर लाल, हुकमचंद, नरेन्द्र, राज कुमार, इतवारी, हंसराज, दुलीचंद, सुभाष, हरि सिंह आदि ने बताया कि आवारा पशु सड़कों के बीच में बैठे व खड़े रहते है, जो मार्ग को अवरूद्ध कर देते है। कभी-कभी ये आवारा पशु आपस में लड़ पड़ते हैं तथा राहगीरों व वाहन चालकों को चोटिल करते हैं। ये आवारा पशु पार्कों में घुस कर उसकी सुंदरता को भी नष्ट करने पर उतारू हो जाते है। मगर इन आवारा पशुओं की और कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। नगरपालिका प्रशासन ने शहर के पचगांवा रोड पर श्मशान घाट के समीप पशुशाला लाखों रुपए की लागत से बना रखा है। लेकिन जब से वह बना है, उसमें अभी तक किसी पशु को नहीं रखा गया है। जिससे शहरवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है।

तावडू में स्मोक फ्री कानून धुएं में उड़ रहा, प्रशासन मौन

तावडू। मेवात में स्मोक फ्री कानून धुएं में उड़ रहा है। जिले के ग्रामीण आंचल सहित शहरों में कहीं भी स्मोक फ्री कानून का असर देखने को नहीं मिलता। मेवात में कानून की पालना न होने का मुख्य कारण जिला प्रशासन की लापरवाही माना जा रहा है। सिगरेट बनाने वाली कंपनियों ने सिगरेट के पैकेट पर चेतावनी वाली तस्वीरें छापकर अपनी जिम्मेवारी की इतिश्री कर दी। लेकिन युवाओं पर इन चेतावनियों का कोई असर नहीं पड़ता है। क्षेत्रवासियों ने स्मोक फ्री कानून पर विशेष ध्यान देने के लिए जिला प्रशासन से गुहार लगाई है। मेवात में जहां सार्वजनिक स्थानों पर बीड़ी-सिगरेट पी कर स्मोक फ्री कानून को धुएं में उडाया जा रहा है। वहीं क्षेत्र में भी 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को दुकानदार बिना रोक टोक के तम्बाकू बेच रहे है। क्षेत्र के कुछ दुकानदारों ने युवाओं को सिगरेट-बीडी व अन्य नशीले पदार्थ पिलाने की अलग से व्यवस्था की हुई है। बच्चों को दुकान में बिठाकर नशीले पदार्थ पिलाने वालों के खिलाफ प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं कर रहा। जिससे क्षेत्रवासियों में प्रशासन के खिलाफ रोष पनप रहा है। क्षेत्रवासियों ने समस्या के समाधान की मांग प्रशासन से की है।

समाधान शिविर में प्राप्त हुई 20 शिकायतें

नूंह। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के दिशा-निर्देशानुसार प्रदेश में नागरिकों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के लिए समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। यह समाधान शिविर जिला स्तर के साथ-साथ उपमंडल स्तर पर भी आयोजित हो रहे हैं। प्रत्येक कार्य दिवस के दौरान लगाए जाने वाले इन समाधान शिविरों में नागरिक अपनी समस्याओं को लेकर जिला प्रशासन के पास आते हैं और प्रशासनिक अधिकारी लोगों की समस्याओं का अग्रता के आधार पर निदान करते हैं। जिला के नागरिक समाधान शिविर आयोजित करने की सरकार की इस पहल की बहुत सराहना कर रहे हैं। इन समाधान शिविरों के आयोजन का लोगों को भरपूर लाभ प्राप्त हो रहा है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने लघु सचिवालय के कार्फ्रेंस हॉल में आयोजित समाधान शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का निपटारा किया गया। इन शिविरों में लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका तत्परता के साथ निवारण करवाने के लिए सभी विभागों के अधिकारी एक ही छत के नीचे मौजूद रहते है। वीरवार को जिला सचिवालय में लगाए समाधान शिविर में आम लोगों की शिकायतें सुनी और अधिकतर शिकायतों का निवारण करवाया गया। आज के समाधान शिविर में प्रॉपर्टी आईडी, फैमिली आईडी, बिजली, पानी आदि से संबंधित 20 शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होंने आमजन से आह्वान किया है कि वे इन समाधान शिविरों में अपनी समस्याओं का समाधान करवाने के लिए आकर इनका भरपूर लाभ उठाएं।

अनाधिकृत निर्माण पर और अधिक सख्ती बरतेगा नगर निगम

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा अनाधिकृत निर्माण पर और अधिक सख्ती बरती जाएगी। सील तोड़कर निर्माण कार्य जारी करने वालों के विरूद्ध संबंधित थानों में एफआईआर दर्ज होगी।

आयोजित समाधान शिविर में एक शिकायत की सुनवाई के दौरान अतिरिक्त निगमायुक्त महावीर प्रसाद ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे तुरंत ही मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लें। सील तोड़कर निर्माण करने वालों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराकर उन्हें सूचित करें। समाधान शिविर में 4 शिकायतकर्ता अपनी फरियाद लेकर पहुंचे, जिनकी सुनवाई के दौरान अतिरिक्त निगमायुक्त ने अधिकारियों को त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सेक्टर-48 से आए शिकायतकर्ता ने गलत प्रॉपर्टी आईडी का मामला समाधान शिविर में रखा। उन्होंने बताया कि उनकी प्रॉपर्टी की दो आईडी गलत तरीके से लिंक हो गई हैं।

हरियाणा विधानसभा में अनिल विज-भूपेन्द्र हुड्डा भिड़े

हुड्डा बोले- इन्हें बोलने नहीं देंगे • **विज ने कहा- 5 साल जान खाऊंगा**

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के 9वें दिन की कार्यवाही में पूर्व पूर्व भूपेंद्र हुड्डा और अनिल विज भिड़ गए। हुड्डा ने विज को कहा कि ऐसा चला तो वह अनिल विज को बोलने नहीं देंगे। इस पर विज ने कहा कि मैं बोलूंगा और जान भी खाऊंगा। दरअसल, भूपेंद्र हुड्डा बजट पर चर्चा के दौरान बोल रहे थे। हुड्डा ने कहा- ÷सरकार कर्ज ले रही है लेकिन काम कुछ नहीं कर रही। हुड्डा ने कहा- कर्ज लिए जाओ, और घी पियो, मरने के बाद कोई नहीं पूछता, कर्जे में डुबाए जाओ। इस पर विज नाराज होते हुए खड़े होकर बोले कि बात तो कोई भी कर सकता है। हुड्डा साहब बार-बार खर्चे और कर्जे की बात कर रहे हैं। आप ही बता दो किस सर्विस में खर्चा कम किया जाए। हम किसमें कम करें, आप बताओ। ऐसा है कि खाली विषय उठाने से बात नहीं होती है। इस पर हुड्डा ने कहा- अब आप बैठ जाओ। ये (अनिल विज) मेरे मित्र हैं। अगर ऐसे ही रहा तो हम इनको हाउस में कभी बोलने नहीं देंगे। इस पर अनिल विज ने कहा कि

जब ये मुख्यमंत्री थे तो ये हमे बोलने नहीं देते थे, हमे एक एक शब्द बोलने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। अब मैं पांच साल बोलूंगा और तुम्हारी जान खाऊंगा। इस दौरान हुड्डा ने अपने भाषण के दौरान कर्ज को लेकर सरकार पर कहा कि 'क्या नंगी नहाएगी, क्या निचोड़ेगी।' इस पर सदन में मंत्री कृष्ण बेदी ने आपत्ति जताई। इस पर पूर्व सीएम ने कहा कि ये तो मुहावरा है। वहीं हुड्डा ने लाडो लक्ष्मी योजना पर भी सवाल खड़े करते हुए कहा कि सिर्फ 5 हजार करोड़ का बजट आवंटित किया है। प्रदेश में 82 लाख के करीब महिलाएं हैं, जिनकी उम्र 18 से 60 साल के बीच हैं। मगर, सरकार के बजट के हिसाब से सिर्फ 25त्न महिलाओं को ही इस योजना का लाभ मिलेगा। बाकी 75फीसदी महिलाओं को सरकार ने योजना से बाहर कर दिया है।

मंत्री पंवार हुड्डा को बोले- मैं आपसे जूनियर नहीं, सीनियर हूं: सदन में कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने बजट पर चर्चा के दौरान अपना भाषण दिया तो उन्होंने सरकार को शिक्षा और हेल्थ के क्षेत्र में घेरने का प्रयास किया।

इसी बीच सत्ता पक्ष ने मंत्री कृष्णलाल पंवार अपनी सीट से उठ गए और उनके सामने अपनी सरकार के आंकड़े रखने लगे।पूर्व सीएम हुड्डा को ये बिल्कुल पंसद नहीं आया और उन्होंने कहा कि सदन में कोई भी बोले, इन्हें जरूर खड़ा होना होता है। इस दौरान हुड्डा ने एक चुटकुला भी सुनाया, जिससे सभी सदस्य हंसने लगे। चुटकुले के आखिर में हुड्डा ने कहा कि इनके पेट में भी बात फंस जाती है। हुड्डा की इस टिप्पणी पर पंवार दोबारा खड़े हुए और उन्होंने कहा- हुड्डा साहब मैं आपसे जूनियर नहीं आपसे सीनियर हूं।

जिन किसानों ने बिजली ट्यूबवेल के लिए सिक्योरिटी भरी है, सरकार उन्हें जल्द ही कनेक्शन देगी- कृष्ण लाल पंवार

खेत खलिहान योजना के तहत खेतों के तीन व चार क्रम के रास्ते होंगे पक्के

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि 31 जुलाई 2023 तक हरियाणा प्रदेश के जिन किसानों ने बिजली ट्यूबवेल के लिए सिक्योरिटी भर रखी है, प्रदेश सरकार उन्हें 10 किलोवाट (बीएचपी) सोलर से ओर साढ़े 12 किलोवाट (बीएचपी) ऊर्जा के कनेक्शन देंगी। विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार आज हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान विधायकों के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि हर जरूरतमंद को सिर पर छत मुहैया करवाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में गरीबों को 100 - 100 गज के प्लाट दिए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार उन प्लॉट का अधिकार भी दिला रही है और रजिस्ट्री भी करवा रही है। उन्होंने सदन को यह भी अवगत कराया कि यदि किसी सदस्य द्वारा उनके विधानसभा क्षेत्र के गांव में 100 गज के प्लाट पर अधिकार नहीं मिला है तो सम्बंधित पंचायत विभाग के अधिकारियों को लिखित में जानकारी दें। प्रदेश सरकार उन सभी को अधिकार दिलवाएंगी।

उन्होंने सदन में यह भी जानकारी दी कि पूरे प्रदेश में विकास के कार्य किए गए है। प्रदेश में अब तक 4547 कॉलोनिया अधिकृत की गई है, 2200 कॉलोनियो में रिहायश शुरू हो चुकी है । इन कालोनियों में 391 करोड़ रुपए बिजली और पानी पर भी खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत की भूमि पर यदि कोई गांव गौशाला खोलना चाहता है तो लीज पर पंचायत विभाग उस गांव को जमीन दे देगी। उन्होंने कहा कि खेत खलिहान योजना के तहत सिजरे में शामिल तीन व चार क्रम के खेतों के रास्ते भी सरकार पक्का करने का काम करेगी।

हरियाणा स्वास्थ्य विभाग में बड़ा फेरबदल: अंबाला, भिवानी, हिसार में वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला, कई जिलों के सीएमओ बदले

एजेंसी

भिवानी। हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग में बड़ा फेरबदल किया गया है। इसके तहत स्वास्थ्य विभाग के 30 अधिकारियों का तबादला किया गया है। इसमें कई जिलों के सिविल सर्जन भी शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए तबादलों के तहत अंबाला के सीएमओ डॉ. राकेश कुमार सहगल को अंबाला कैंट का पीएमओ नियुक्त किया गया है। भिवानी के सीएमओ डॉ. रघुवीर सिंह को हिसार का सिविल सर्जन और हिसार की सीएमओ डॉ. सपना गहलोत को भिवानी का सिविल सर्जन नियुक्त किया गया है। रेवाड़ी के सीएमओ सुरेंद्र कुमार यादव को रेवाड़ी का पीएमओ लगाया है। वहीं सिरसा के सीएमओ महेंद्र कुमार को पीएमओ का अतिरिक्त चार्ज दिया गया है। करनाल के सीएमओ डॉ. लोकवीर को गुरुग्राम के सेक्टर-10 के सीएच का पीएमओ लगाया। पानीपत के सीएमओ डॉ. जयंत आहुजा को फरीदाबाद का सिविल सर्जन, फरीदाबाद के सीएमओ डॉ. अशोक कुमार को नारनौल का सिविल सर्जन लगाया है। यमुनानगर के सिविल सर्जन डॉ. मंजित सिंह को पब्लिक हेल्थ लैब करनाल के स्टेट बैक्टेरियोलॉजिस्ट लगाया। इस ट्रांसफर लिस्ट में 3 सीएमओ को पीएमओ लगाया है और दो पीएमओ को सीएमओ। रेवाड़ी के सीएमओ डॉ. सुरेंद्र कुमार यादव को सीएच रेवाड़ी में पीएमओ, अंबाला के सीएमओ डॉ. राकेश कुमार सहगल को अंबाला कैंट का पीएमओ और करनाल के सीएमओ डॉ. लोकवीर को गुरुग्राम के सेक्टर-10 के सीएच का पीएमओ लगाया है।वहीं सीएच अंबाला कैंट की पीएमओ डॉ. पूनम चौधरी को यमुनानगर का सीएमओ व गुरुग्राम के सेक्टर-10 स्थित सीएच की पीएमओ डॉ. जयमाल को झज्जर का सीएमओ लगाया है।

सोनीपत नागरिक अस्पताल में जल्द ही एमआरआई तथा कैथ लैब की सेवाएं शुरू की जाएगी : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने बताया कि सोनीपत नागरिक अस्पताल में जल्द ही एमआरआई तथा कैथ लैब की सेवाएं जल्द शुरू की जाएँगी। इसके अलावा, सिविल सर्जन की नियुक्ति भी जल्द कर दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री आज विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन के एक सदस्य द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब दे रही थी।कुमारी आरती सिंह राव ने बताया कि सोनीपत नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन पहले से ही उपलब्ध है। यहां पर एमआरआई सेवाओं के लिए लगाई जाने वाली मशीन की खरीद के लिए टेंडर जारी करने के लिए हरियाणा चिकित्सा सेवा निगम लिमिटेड को अनुरोध भेजा जा रहा है जबकि कैथ लैब के लिए उक्त निगम द्वारा टेंडर प्रकाशित किया गया था लेकिन कोई बोली प्राप्त

नहीं हुई। इसके लिए जल्द ही फिर से टेंडर किये जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का प्रयास है कि सोनीपत नागरिक अस्पताल में जल्द से जल्द एमआरआई तथा कैथ लैब की सेवाएं शुरू कर दी जाएं। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने बताया कि नीलोखेड़ी के 100 बेड के अस्पताल, गांव गुलारपुर तथा गांव समाना बहु में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण के लिए 7 मई 2025 तक पुनः टेंडर कर दिए जाएंगे। इनके अलावा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सग्गा के निर्माण के लिए मई 2025 के अंत तक टेंडर का कार्य पूरा कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि ये सभी कार्य टेंडर होने के 18 महीने के अंदर पूरे कर दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश के लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए गंभीर रूप से प्रयासरत है, निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए वे लोक निर्माण विभाग के साथ बैठक भी करेंगी। एक अन्य सदस्य के सवाल का जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि सरकार ने हाल ही में 561 डॉक्टरों के चयन की प्रक्रिया पूरी की है और 777 डॉक्टरों की भर्ती प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है। जल्द ही लोहारू उपमंडल नागरिक अस्पताल में डॉक्टरों के रिक्त पदों को भरने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि आयुष विभाग के माध्यम से 2 आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी भी नियुक्त किए गए हैं। लोहारू विधानसभा के विधायक और प्रश्नकर्ता श्री राजबीर फरटिया ने लोहारू में 100 बेड का अस्पताल मंजूर करने पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी तथा स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव का आभार भी जताया।

मोतियाबिंद से ग्रस्त है कांग्रेस : बड़ौली

एजेंसी

सोनीपत। नायब सरकार के बजट पर विधानसभा में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। बजट पर विपक्ष द्वारा लगातार उठाए जा रहे सवालों पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला और कहा कि कांग्रेस मोतियाबिंद से ग्रस्त है, कांग्रेस को प्रदेश में विकास के काम नज़र नहीं आते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आपसी गुटबाजी में इतनी व्यस्त है कि उन्हें हरियाणा में पिछले दस सालों में हुए विकास कार्य दिखाई ही नहीं दे रहे हैं। सोनीपत में पत्रकारों से बातचीत करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में पहली बार 2 लाख हज़ार करोड़ से अधिक रूपए का एतिहासिक बजट पेश किया गया है। उन्होंने बताया कि यह ऐसा पहला बजट है जिसमें प्रदेश भर से आए लगभग 11 हज़ार सुझावों को शामिल करके बेहतरीन बजट हरियाणा की जनता को दिया गया है। बजट को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों पर जवाब देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि

कांग्रेस हमेशा झूठ की राजनीति करती है और लोगों को बरगलाने में विश्वास करती है, जबकि भाजपा सबका साथ- सबका विकास और सबका विश्वास की विचारधारा में यकीन करती है। श्री बड़ौली ने कहा कि नायब सरकार ने सभी वर्गों और सभी क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए नायाब बजट पेश किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की कथनी और करनी में कोई फर्क नहीं है, जो भी संकल्प पत्र में भाजपा ने वादे किए हैं उनको पूरा करने के लिए नायब सरकार संकल्पबद्ध है और उसकी झलक इस बजट में दिखाई दी है। उन्होंने कहा कि लाड़ो लक्ष्मी योजना के तहत महिलाओं को हर महीने धनराशि देने, किसानों को 24 फसलों पर एमएसपी और युवाओं को रोज़गार देने के वादों पर सरकार खरा उतर रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि नायब सरकार में लगातार प्रदेश हित में काम हो रहा है, जबकि कांग्रेस अपने घरेलू झगड़ों में और आपसी टांग खिंचाई में व्यस्त है। भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने कांग्रेस को सलाह देते हुए कहा कि सिर्फ मीडिया में बयानबाज़ी करने के बजाय कांग्रेस को ग्राउंड पर जाना चाहिए और सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को देखना चाहिए।

पुलिस ने एनएसएस कैडेट्स को नशे के विरुद्ध जागरूक किया

एजेंसी

नारनौल। महेंद्रगढ़ पुलिस द्वारा शहीद मेजर सतीश दहिया गवर्नमेंट कॉलेज नांगल चौधरी के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के कैडेट्स के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों और इससे बचाव के तरीकों के बारे में जानकारी देना था। कार्यक्रम में निरीक्षक शारदा ने एनएसएस कैडेट्स को संबोधित करते हुए नशे के विभिन्न प्रकारों, उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने युवाओं को नशे की लत से दूर रहने और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी बताया कि नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्ति और उनके परिवारजन किस प्रकार पुलिस और अन्य संबंधित संस्थाओं से मदद प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान टीम ने एनएसएस कैडेट्स के प्रश्नों के उत्तर भी दिए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें नशे जैसी बुराइयों से बचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम युवाओं को सही दिशा दिखाने और उन्हें एक स्वस्थ और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करते हैं। इस दौरान एनएसएस वालंटियर किरण ने नशे पर कविता भी सुनाई, जिसमें नशे की बुराइयों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम के अंत में, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी ने पुलिस विभाग को इस उपयोगी और जानकारीपूर्ण कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि एनएसएस कैडेट्स इस जागरूकता अभियान को

आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे और अपने समुदाय के अन्य युवाओं को भी नशे के विरुद्ध जागरूक करेंगे। इस दौरान एनएसएस कैडेट्स को नशे के खिलाफ और नशा ना करने की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में एनएसएस कैडेट्स उपस्थित थे।

सीएम ने वीसी के जरिए की पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता की प्रथम किस्त वितरित

जिला में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के कुल 1222 लाभार्थी

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पात्र लाभार्थियों को आर्थिक सहायता की प्रथम किस्त जारी करते हुए प्रदेश के सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सरकार का दायित्व है कि वह हर गरीब परिवार को पक्का मकान उपलब्ध करवाएं और उसी दायित्व को पूरा करने के लिए केंद्र व प्रदेश की डबल इंजन की सरकार तेजी से कार्य कर रही है। अब जल्द ही जिन लोगों के पास अपना स्वयं का मकान नहीं था उनको मकान मिल जाएगा। जिला स्तर पर उपायुक्त डा. विवेक भारती ने जिला महेंद्रगढ़ के प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महेंद्रगढ़ जिला में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के कुल 1222 लाभार्थी हैं। इनमें से आज 350 लाभार्थियों के खाते में प्रथम किस्त डाल दी गई है, शेष लाभार्थियों की राशि जारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि मकान के लिए

लाभार्थी को तीन किस्तों में 1 लाख 38 हजार रुपए की राशि मिलेगी। पहली किस्त में 45 हजार रूपए, दूसरी किस्त में 60 हजार रुपए तथा तीसरी किस्त में 33 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। इसके अलावा मनरेगा स्कीम के तहत लाभार्थी को 90 दिन की मजदूरी दी जाती है जिससे उसे आर्थिक मदद के लिए 33660 रुपए की राशि मिलती है। डीसी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत नए लाभार्थिंयों की चयन प्रकिया आरंभ हो गई है। उन्होंने बताया कि पात्र नागरिक इस योजना के लिए आवास प्लस एप पर स्वयं भी रजिस्ट्रेशन कर सकता है। इस अवसर पर जिला परिषद के सीईओ मनोज कुमार, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल, बीडीपीओ रेणुलता के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अन्य किसी जानकारी के लिए खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कार्यालय से जानकारी ले सकते हैं।

यह सर्वे भारत सरकार द्वारा जारी 10 पैरामीटरों के अनुसार की जा रही: सीईओ मनोज कुमार- जिला परिषद के सीईओ मनोज कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत नए पात्र प्रार्थियों का सर्वे भारत सरकार द्वारा जारी नई आवास प्लस एप के माध्यम से किया जाना है। उपरोक्त सर्वे के लिए इस जिला की सभी 343 पंचायतों के लिए सभी सर्वेयर के नाम अलॉट किए जा चुके हैं तथा जिले की समस्त पंचायतों में सर्वे का कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वे परिवार जो निम्नवर्णित 10 पैरामीटरं में से किसी एक को भी पूरा करने वाला वह स्वत~ ही बाहर हो जाता है।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

- पार्टी प्रतिनिधियों ने चुनाव से संबंधित दिए सुझाव
- जिला निर्वाचन अधिकारी बोले, चुनाव आयोग तक पहुंचाए जाएंगे दिए गए सुझाव

एजेंसी

नूंह। जिला उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा की अध्यक्षता में वीरवार को जिला सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों द्वारा चुनाव से संबंधित सुझाव दिए गए। उपायुक्त ने भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा दिए गए सुझाव को चुनाव आयोग तक पहुंचाया जाएगा। बैठक में उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि बेहतर चुनाव करवाने के दृष्टिगत समय-समय पर चुनाव आयोग द्वारा राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों और सदस्यों से सुझाव मांगे जाते हैं। इनमें से बेहतर सुझाव को चुनाव के दौरान अमल में भी लाया जाता है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा चुनाव के दौरान पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता बरती जाती है। वहीं चुनाव से संबंधित सभी जरूरी प्रक्रियाएं राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के समक्ष

करवाई जाती है। उन्होंने कहा कि नूंह जिला में लोकसभा व विधानसभा चुनाव पूरी पारदर्शिता और शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न करवाए गए हैं। इनमें राजनीतिक पार्टियों का भी अहम सहयोग रहा है। बैठक के दौरान विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के सदस्यों द्वारा अनेक सुझाव दिए गए। इनमें चुनाव से संबंधित गतिविधियों के बारे में अधिक से अधिक जानकारी देने के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर करवाया जाए। पुराने हो चुके वोटर कार्ड को अपडेट करवाया जाना चाहिए। नए वोट बनवाने के लिए बीएलओ को घर-घर भेजा जाए और जागरूकता कैंप चलाए जाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि उनके द्वारा दिए गए सुझाव को चुनाव आयोग तक पहुंचाया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा वोटर कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करवाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता और समावेशिता को बढ़ाने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर एसडीएम अश्वनी कुमार, एसडीएम पुन्हाना कंवर आदित्य, नगराधीश आशीष कुमार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति करें सभी राजनैतिक दल: अजय कुमार

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार की अध्यक्षता में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा तथा विधानसभा चुनावों से जुड़े विभिन्न बिन्दुओं एवं सुझावों के सम्बन्ध में लघु सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के साथ विचार-विमर्श करने के लिए बैठक का आयोजन किया गया।जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार ने कहा कि मतदाता सूची में योग्य नागरिकों का नाम छूटे नहीं और अयोग्य का जुटे नहीं। इसके लिए जरूरी है कि सभी राजनीतिक दल भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति करें। उन्होंने स्वच्छ, पारदर्शी एवं निष्पक्ष निर्वाचन के लिए राजनीतिक दलों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए कहा कि राजनैतिक दलों की ओर से बीएलए की नियुक्ति किए जाने से पात्र नागरिकों को सहायता व मार्गदर्शन मिल सकेगा। इसके लिए राजनैतिक दलों को निर्धारित फॉर्मेट में जानकारी भरकर सभी बीएलए को उपलब्ध करानी होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि राजनैतिक दलों की ओर से बीएलए की तैनाती के बाद बीएलओ के साथ पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान वोटर लिस्ट की शुद्धता के साथ ही और पारदर्शिता के साथ काम होगा। इस दौरान राजनैतिक दलों से गुरुग्राम में मतदान प्रतिशत बढ़ाने, राजनीतिक दलों के सामने आने वाली चुनौतियां, शिकायत निवारण तंत्र में सुधार, एक साथ चुनाव कराने के बारे में विचार, धन और बाहुबल के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने आदि विषयों पर सुझाव भी मांगे गए। बैठक में बादशाहपुर के एसडीएम एवं एआरओ अंकित चोकसे, सोहना के एसडीएम एवं एआरओ संजीव कुमार, गुरुग्राम के एसडीएम एवं एआरओ परमजीत चहल, सीटीएम रविंद्र कुमार, इलेक्शन तहसीलदार रोहित, राजनीतिक दलों की ओर से नेतराम बोध, प्रताप सिंह, यादराम जोया, मनीष गौड़, पंकज भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

सीतारमण ने की सिटी समूह की सीईओ से भेंट

नई दिल्ली। वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज यहां सिटी समूह की मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन फ्रेजर से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर यह जानकारी देते हुये कहा कि सुश्री जेन ने भारत में सिटी समूह के विकास पर प्रकाश डाला तथा भारत में सिटी के जुड़ाव को और बढ़ाने की मांग की। सुश्री जेन ने भारत में सिटी समूह के बढ़ते प्रत्यक्ष रोजगार आधार तथा भारत में अधिक से अधिक डिजिटलीकरण की दिशा में इसके प्रयासों के बारे में भी चर्चा की। वित्त मंत्री ने भारत को निवेश के अनुकूल गंतव्य बनाने के लिए सुधार लाने तथा व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देने की दिशा में भारत के निरंतर प्रयासों का उल्लेख किया।

रुपया छह पैसे बढ़ा

मुंबई। आयातकों एवं बैंकरों की बिकवाली की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया छह पैसे बढ़कर 86.31 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.37 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया दो पैसे गिरकर 86.39 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान लिवाली होने के दबाव में 86.41 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, बिकवाली होने से यह 86.21 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 86.37 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में छह पैसे बढ़कर 86.31 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

सरकार ने किंड्रिल के साथ विनिर्माण,आईटी स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए की साझेदारी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और किंड्रिल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने नवाचार में तेजी लाने और भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार यह साझेदारी डिजिटल परिवर्तन और जनरेटिव एआई समाधानों में किंड्रिल की विशेषज्ञता का लाभ उठाकर विनिर्माण और आईटी क्षेत्रों में स्टार्टअप्स का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि किंड्रिल की वैश्विक विशेषज्ञता और उद्यम समाधानों का लाभ उठाकर, डीपीआईआईटी का लक्ष्य स्टार्टअप्स को उनके संचालन को बढ़ाने और उद्योगों में तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने में सहायता करना है। इस साझेदारी के तहत, स्टार्टअप को मेंटरशिप, इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट और मार्केट एक्सेस के माध्यम से सशक्त बनाया जाएगा, जिससे वे ऑटोमोटिव, फार्मास्यूटिकल्स, बीएफएसआई, तेल और गैस और सरकारी सेवाओं जैसे उद्योगों में अपने समाधानों को एंटरप्राइज इकोसिस्टम में एकीकृत कर सकेंगे। समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के निदेशक डॉ सुमीत कुमार जारंगल और किंड्रिल के प्रतिनिधि ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

पीएम इंटर्नशिप योजना के लिए दूसरा कैंडिडेट ओपन हाउस आयोजित

नई दिल्ली। पीएम इंटर्नशिप योजना के पात्र उम्मीदवारों को शामिल करने और उनकी मदद के निरंतर प्रयास में, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) ने अपना दूसरा कैंडिडेट ओपन हाउस आयोजित किया है। मंत्रालय ने आज यहां जारी बयान में कहा कि आयोजित यह पहल आवेदन चरण के दौरान उम्मीदवारों के सवालों और चिंताओं को दूर करने की मंत्रालय की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। एमसीए हर हफ्ते ये ओपन हाउस आयोजित करने की योजना बना रहा है, ताकि उम्मीदवारों को उनके सवालों के जवाब वास्तविक समय पर मिल सकें। प्रभावी और केंद्रित चर्चा सुनिश्चित करने के लिए, उम्मीदवारों को ईमेल के जरिए साझा किए गए एक समर्पित लिंक के माध्यम से अपने सवाल पहले ही जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इससे मॉडरेटर सबसे आम चिंताओं को दूर कर सकते हैं और यह भी सुनिश्चित कर सकते हैं कि सत्र के दौरान पोस्ट किए गए लाइव सवालों का जवाब दिया जाए। दूसरे ओपन हाउस के लिए 340 प्रतिक्रियाएं पहले ही एकत्रित कर ली गई थीं। इस सत्र में पैनल में वरिष्ठ एमसीए अधिकारी, उप निदेशक नितिन फर्त्याल, इस परियोजना पर एमसीए के तकनीकी भागीदार बीआईएसएजी के प्रतिनिधि, और परियोजना प्रबंधन टीम के सदस्य शामिल थे। कई तरह के प्रश्नों के उत्तर दिए गए, जिनमें से सबसे अधिक प्रश्न चयन प्रक्रिया, पात्रता मानदंड और योजना के भीतर क्षेत्र-विशिष्ट अवसरों के बारे में थे।

पीएफआरडीए ने सरकारी कर्मचारियों के लिए सुनिश्चित पेंशन योजना अधिसूचित की

एजेंसी

नई दिल्ली। पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को अमल में लाने वाली अधिसूचना जारी कर दी है। इस योजना के तहत सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीनों में मिले औसत मूल वेतन की 50 फीसदी राशि को सुनिश्चित पेंशन के तौर पर देने का प्रावधान है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 अगस्त, 2024 को यूपीएस लाने को मंजूरी दी थी।

पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण की जारी अधिसूचना के मुताबिक यूपीएस से संबंधित नियम 1 अप्रैल, 2025 से लागू हो जाएंगे। ये नियम एक अप्रैल, 2025 तक सेवा में मौजूदा केंद्र सरकार के एनपीएस में आने वाले कर्मचारी और केंद्र सरकार की सेवाओं में अप्रैल, 2025 को या उसके बाद भर्ती होने वाले कर्मचारियों सहित केंद्र सरकार के कर्मचारियों के नामांकन को सक्षम करते हैं। पीएफआरडीए ने इसको वित्त मंत्रालय की अधिसचना सख्या

फा. स. एफएक्स-1/3/2024-पीआर, दिनांक 24 जनवरी, 2025 के माध्यम से अधिसूचित किया है। नियामक ने कहा कि यह अधिसूचना राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत आने वाले केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए सरकार द्वारा 24 जनवरी, 2025 को जारी यूपीएस अधिसूचना का अनुसरण करती है। अधिसूचना के मुताबिक केंद्र सरकार के कर्मचारियों की इन सभी श्रेणियों के लिए नामांकन और दावा फॉर्म एक अप्रैल, 2025 से प्रोटीन सीआरए की वेबसाइट पर ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही कर्मचारियों के पास फॉर्म को भौतिक रूप से जमा करने का विकल्प भी है। इस अधिसूचना के मुताबिक, कर्मचारी को सेवा से हटाए जाने या बर्खास्त किए जाने या इस्तीफे के मामले में यूपीएस या सुनिश्चित भुगतान विकल्प उपलब्ध नहीं होगा। पीएफआरडीए के मुताबिक पूर्ण सुनिश्चित भुगतान की दर 25 वर्षों की न्यूनतम योग्यता सेवा के अधीन और सेवानिवृत्ति से तुरंत पहले 12 मासिक औसत मूल वेतन का 50 फीसदी होगी। अधिसूचना से 23 लाख सरकारी कर्मचारियों को यूपीएस और एनपीएस के बीच चयन करने का विकल्प मिलेगा। एनपीएस एक जनवरी, 2004 को लागू हुआ था। उल्लेखनीय है कि जनवरी, 2004 से पहले प्रभावी पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) के तहत कर्मचारियों को उनके कार्यकाल के अंतिम मूल वेतन का 50 फीसदी पेंशन के रूप में मिलता था। ओपीएस के उलट यूपीएस अंशदायी प्रकृति की है। इस योजना में कर्मचारियों को अपने मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 10 फीसदी योगदान करना होगा।

ईपीएफओ ने जनवरी महीने में 17.89 लाख शुद्ध सदस्य जोड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जनवरी में शुद्ध रूप से (नेट) 17.89 लाख सदस्य जोड़े हैं, जिसमें 2.17 लाख महिलाएं हैं। इससे पहले दिसंबर, 2024 के दौरान ईपीएफओ ने 16.05 लाख सदस्यों को जोड़ा था। यह सालाना आधार पर 11.67 फीसदी, जबकि दिसंबर, 2024 की तुलना में 11.48 फीसदी की वृद्धि है। श्रम मंत्रालय के मुताबिक जनवरी महीने में करीब 8.23 लाख नए सदस्य नामांकित हुए हैं, जो जनवरी 2024 में नामांकित नए ग्राहकों की संख्या की तुलना में 1.87 फीसदी की सालाना वृद्धि है। इस दौरान जोड़े गए कुल नए सदस्यों में से 18 से 25 आयु वर्ग के 4.70 लाख सदस्यों के साथ इस श्रेणी की हिस्सेदारी 57.07 फीसदी रही। इससे पता चलता है कि देश के संगठित क्षेत्र के कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश सदस्य युवा हैं। मंत्रालय के मुताबिक जनवरी में ईपीएफओ की योजनाओं से बाहर चले गए लगभग 15.03 लाख सदस्य फिर वापस आ गए। यह आंकड़ा जनवरी, 2024 की तुलना में 23.55 फीसदी की महत्वपूर्ण सालाना वृद्धि को दर्शाता है। आंकड़ों के मुताबिक जनवरी महीने के दौरान जोड़े गए कुल नए सदस्यों में से करीब 2.17 लाख महिलाएं हैं। यह आंकड़ा जनवरी 2024 की तुलना में 6.01 फीसदी की महत्वपूर्ण सालाना वृद्धि है। राज्यवार आंकड़ों से पता चलता है कि पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने लगभग 10.73 लाख सदस्यों को जोड़ा है। यह जनवरी में जोड़े गए कुल सदस्यों का लगभग 59.98 फीसदी है। इन राज्यों में महाराष्ट्र 22.77 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ सबसे आगे है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना का जनवरी महीने के दौरान व्यक्तिगत रूप से कुल पेरोल का 5 फीसदी से अधिक का योगदान है।

हरे निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 899 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजारों के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) 899.02 अंक यानी 1.19 फीसदी उछकर 76,348.06 के स?तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स?टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 283.05 अंक यानी 1.24 फीसदी बढ़कर 3,190.65 अंक पर बंद हुआ है। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में शामिल भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाइटन, इंफोसिस, नेस्ले, रिलायंस इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और टाटा मोटर्स के शेयरों में तेजी रही। दूसरी तरफ इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती का अनुमान बरकरार रखने और दिग्गज शेयरों रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और आईटी शेयरों में जोरदार खरीदारी से निवेशकों की धारणा को

मजबूती मिली। इससे अलावा दिग्गज कंपनियों में खरीदारी आने से शेयर बाजार लगातार चौथे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुआ है।इसके अलावा एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट में रहा। जापान का निक्की अवकाश के कारण बंद रहा। वहीं, यूरोपीय शेयर बाजार दोपहर के सत्र में गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले बुधवार को बीएसई का सेंसेक्स 147.79 अंक यानी 0.20 फीसदी चढ़कर 75,449.05 अंक पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी भी 73.30 अंक यानी 0.32 फीसदी बढ़कर 22,907.60 के स्तर पर बंद हुआ था।

रेनॉल्ट इंडिया अप्रैल से कार की कीमत में दो फीसदी तक का करेगी इजाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया, हुंडई और होंडा कोर्स के बाद अब ऑटो निर्माता रेनॉल्ट इंडिया ने भी अपने वाहनों की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा कि वह अप्रैल से अपने पूरे मॉडल रेंज की कीमतों में 2 फीसदी तक की वृद्धि करेगी। फरवरी, 2023 के बाद यह पहली मूल्य वृद्धि है।

रेनॉल्ट इंडिया ने जारी बयान में कहा कि कीमतों में बढ़ोतरी की सीमा मॉडल और वेरिएंट पर निर्भर करेगी। कंपनी ने बताया कि यह निर्णय उत्पादन लागत में वृद्धि के बीच लिया गया है, जिसे कंपनी काफी समय से झेल रही है। वाहन निर्माता कंपनी रेनॉल्ट इंडिया के कंट्री सीईओ और एमडी वेंकटराम ममिलापल्ले ने कहा, कीमतों को लंबे समय तक बनाए रखने के हमारे सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद इनपुट लागत में निरंतर वृद्धि ने इस मूल्य समायोजन को आवश्यक बना दिया है। उन्होंने कहा, कंपनी लंबे समय से ग्राहकों को सहायता देने के लिए इन लागतों को वहन कर रही है, लेकिन सर्वोत्तम गुणवत्ता और अभिनव उत्पाद प्रदान करना जारी रखने के लिए, मूल्य संशोधन अपरिहार्य हो गया है। उल्लेखनीय है कि इस महीने की शुरुआत में मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर, टाटा मोटर्स, किआ इंडिया और होंडा कार्स समेत कई कार

निर्माताओं ने बढ़ती इनपुट लागत का हवाला देते हुए अप्रैल महीने से अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा की थी।

चालू वित्त वर्ष में विकास दर 6.5 प्रतिशत रहेगी: आरबीआई बुलेटिन

नई दिल्ली। बढ़ते वैश्विक व्यापार तनाव और लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के दौर में, भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय लचीलापन और मजबूत विकास का प्रदर्शन किया है और चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर 6.5 प्रतिशत रहेगी। भारतीय रिजर्व बैंक के मार्च 2025 बुलेटिन में यह बात कही गयी है जो देश में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर प्रकाश डालता है। नवीनतम डेटा-संचालित विश्लेषण अस्थिर वैश्विक पृष्ठभूमि के बीच घरेलू बुनियादी बातों की मजबूती को रेखांकित करता है। इसमें कहा गया है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएँ बनी रहती हैं, भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत खपत और सरकारी खर्च द्वारा समर्थित मजबूत विकास दिखाती है। मुद्रास्फीति कम हुई है, और नीतिगत उपायों ने बाजार की तरलता को स्थिर करने में मदद की है। हालाँकि, विदेशी पोर्टफोलियो बहिर्वाह और मुद्रा अवमूल्यन प्रमुख जोखिम बने हुए हैं। एनएसओ के दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की जीडीपी में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि 6.2 प्रतिशत रही जबकि दूसरी तिमाही में 5.6 प्रतिशत रही थी। विकास को गति देने वालों में निर्माण, व्यापार और वित्तीय सेवाएँ क्षेत्र शामिल है।

इसमें कहा गया है कि निरंतर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) बहिर्वाह ने शेयर बाजारों और रुपये पर दबाव डाला। हालांकि, घरेलू निवेशकों ने अपनी होल्डिंग बढ़ाई, जिससे बाजार स्वामित्व संरचना स्थिर हुई। बाहरी अनिश्चितताओं के कारण रुपये के मूल्यह्रास का जोखिम बना हुआ है।

बुलेटिन में मुद्रास्फीति का उल्लेख करते हुये कहा गया है कि हेडलाइन मुद्रास्फीति में कमी आयी है। फरवरी 2025 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति सात महीने के निचले स्तर 3.6 प्रतिशत पर आ गई, जिसका मुख्य कारण सब्जियों की कीमतों में गिरावट थी। हालांकि, मुख्य मुद्रास्फीति (खाद्य और ईंधन को छोड़कर) बढ़कर 4.1 प्रतिशत हो गई, जो लगातार मूल्य दबाव को दर्शाती है। रोजगार के बारे में इसमें कहा गया है कि पीएमआई सर्वेक्षण शुरू होने के बाद से विनिर्माण रोजगार में दूसरी सबसे तेज दर से वृद्धि हुई। सेवा क्षेत्र के रोजगार में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जो मजबूत मांग को दर्शाता है। शहरी बेरोजगारी 6.4 प्रतिशत के ऐतिहासिक निम्न स्तर पर बनी हुई है। अप्रैल 2024-फरवरी 2025 तक निर्यात में मामूली 0.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 395.6 अरब डॉलर हो गया, लेकिन फरवरी में निर्यात में सालाना आधार पर 10.9 प्रतिशत की गिरावट आई, जिसका मुख्य कारण आधार प्रभाव और कमजोर वैश्विक मांग थी। इसमें सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले निर्यात क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक्स, चावल और अयस्क शामिल है जबकि कमजोर निर्यात क्षेत्रों में पेट्रोलियम उत्पाद, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और रत्न एवं आभूषण शामिल है। अप्रैल 2024-फरवरी 2025 के दौरान सोना, इलेक्ट्रॉनिक्स और पेट्रोलियम के कारण आयात 5.7 प्रतिशत बढ़कर 656.7 अरब डॉलर हो गया, हालांकि फरवरी 2025 में इसमें 16.3 प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे व्यापार घाटा कम हुआ। तेल और सोने के आयात में उल्लेखनीय गिरावट आई, जिससे कुल आयात में गिरावट आई।

रिजर्व बैंक ने इंद्रनील भट्टाचार्य को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया

एजेंसी

नई दिल्ली,। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने इंद्रनील भट्टाचार्य को कार्यकारी निदेशक (ईडी) नियुक्त किया है। कार्यकारी निदेशक के रूप में भट्टाचार्य आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग का कार्यभार संभालेंगे। भट्टाचार्य की नियुक्ति 19 मार्च से प्रभावी होगी। आरबीआई ने जारी बयान में कहा कि कार्यकारी निदेशक के रूप में अपनी पदोन्नति से पहले भट्टाचार्य आरबीआई के मौद्रिक नीति विभाग में सलाहकार के रूप में कार्यरत थे। उन्होंने करीब तीन दशकों की अवधि में मौद्रिक नीति विभाग, आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग और आरबीआई के अंतरराष्ट्रीय विभाग में मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति, बैंकिंग और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संबंधों के क्षेत्रों में काम किया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि उनकी शोध रुचि मुख्य रूप से मौद्रिक सिद्धांत और नीति, वित्तीय बाजार, बाजार सूक्ष्म संरचना और राजकोषीय नीति

में है। इससे पहले कतर सेंट्रल बैंक दोहा, कतर में गवर्नर के तकनीकी कार्यालय में उन्होंने 5 साल (2009-14) तक आर्थिक विशेषज्ञ के रूप में भी काम किया है। भट्टाचार्य के पास जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री है।

भारत अपना खुद का वेब ब्राउजर बनाने की तैयारी में

एजेंसी

नई दिल्ली।भारत अपना खुद का वेब ब्राउजर बनाने की ओर बढ़ रहा है और इसके लिए सरकार ने एक प्रतियोगिता के माध्यम से तीन कंपनियों को चयन किया है। केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत एक स्वदेशी वेब ब्राउज़र विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित भारतीय वेब ब्राउजर डेवलपमेंट चैलेंज में जोहो कार्पोरेशन के उला को विजेता घोषित किया गया है और इसके लिए जोहो की टीम को एक करोड़ रुपये का पुरस्कार मिला है। दूसरा पुरुस्कार पिंग को मिला और 75 लाख रुपए की इनामी राशि दी गई। तीसरा पुरस्कार टीम अजना को मिला और उन्हें 50 लाख रुपए इनाम में दिए गए। इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरूवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में इस चैलेंज के विजेताओं की घोषणा की और पुरस्कार प्रदान किये। इस अवसर पर

श्री वैष्णव ने कहा कि भारत अब तक सर्विस उपलब्ध कराने वाला देश माना जाता रहा है लेकिन अब भारत को उत्पाद बनाने वाले देश के रूप में भी पहचान बनानी है। उन्होंने कहा कि इस चैलेंज में एनालॉग और डिजिटल दोनों तरह की चुनौतियां दी गयी थी और इसके लिए हार्डवेयर के साथ ही सॉफ्टवेयर उत्पाद भी बनाये गये हैं। श्री वैष्णव ने कहा यह देखकर खुशी हुई कि विजेता टियर 2 और टियर 3 शहरों से आ रहे हैं। ब्राउजर इंटरनेट का प्रवेश द्वार है। सर्फिंग, ईमेल, ई-ऑफिस, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन आदि ज्यादातर ब्राउज़र पर ही होते हैं। ब्राउज़र विकसित करना जल्द ही संपूर्ण भारतीय कंक्रीट स्टैक के निर्माण की दिशा में पहला ठोस कदम है। उन्होंने कहा कि अब तक सेवाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है। भारत सरकार सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट विकसित करने के लिए स्टार्ट-अप, शिक्षाविदों को बढ़ावा दे रही है। इसका लक्ष्य भारत को एक उत्पाद राष्ट्र के रूप में विकसित करना है। सरकार ने स्वदेशी ब्राउजर विकसित करने की चुनौती दी। शिक्षाविदों, स्टार्टअप, छात्रों, शोधकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिक्रिया दी। इस चैलेंज के लिए 58 कंपनियों में से 3 कंपनियां विजेता बनी है। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस कंप्यूटिंग (सी डैक), बेंगलुरू द्वारा यह चैलेंज आयोजित किया गया था। यह ऐतिहासिक पहल एक महत्वाकांक्षी चुनौती शुरू करके तकनीकी आत्मनिर्भरता की ओर एक दूरदर्शी छलांग है, जिसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और डिजिटल स्वतंत्रता को मजबूत करना है।

बीएमडब्ल्यू के वाहन भी अप्रैल से से तीन फीसदी तक होंगे महंगे

एजेंसी

नई दिल्ली।रेनॉल्ट इंडिया के बाद बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने भी अप्रैल से बीएमडब्ल्यू और मिनी कारों की कीमतों में तीन फीसदी तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इस साल दूसरी बार कीमतों में बढ़ोतरी करने जा रहा है। नई कीमतें एक अप्रैल, 2025 से प्रभावी होंगी।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने जारी एक बयान में बताया कि वह अपनी बीएमडब्ल्यू और मिनी कार की कीमतों में 3 फीसदी तक की वृद्धि करेगी, जो एक अप्रैल, 2025 से प्रभावी होगी। कीमत में बढ़ोतरी का असर बीएमडब्ल्यू 7 सीरीज लॉन्ग व्हीलबेस और बीएमडब्ल्यू ङ्ग1, ङ्ग3 और ङ्ग5 सहित कई ङ्ग मॉडल जैसी लग्जरी पेशकशों पर भी पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर, टाटा मोटर्स,

किआ इंडिया, होंडा कार्स और रेनॉल्ट इंडिया सहित विभिन्न कार निर्माताओं ने भी बढ़ती लागत का हवाला देते हुए अप्रैल महीने से अपने वाहनों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है। इससे पहले आज दिन में वाहन निर्माता रेनो इंडिया ने अप्रैल से अपने सभी मॉडल के दाम में दो फीसदी तक की बढ़ोतरी का ऐलान किया था।

बंधन एएमसी ने वेल्थ क्रिएशन प्लेटफॉर्म 'वेदार्था' किया लॉन्च

नई दिल्ली। बंधन एएमसी ने ऑनशोर और ऑफशोर निवेशकों के लिए वेल्थ क्रिएशन प्लेटफॉर्म - वेदार्था लॉन्च किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह प्लेटफॉर्म बंधन एएमसी के अल्ट्रनेटिव इनवेस्टमेंट फंड्स (एआईएफ) के साथ-साथ पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज (पीएमएस) के तहत लिस्टेड इक्विटी और फिक्स्ड-इनकम सॉल्यूशंस का उपयोग करके नए फाइनेंशियल प्रोडक्ट की पेशकश करना चाहता है। वेदार्था के तहत पेश किए जाने वाले इक्विटी-फोक्सड उत्पादों का मैनेजमेंट मृणाल सिंह, हेड- अल्ट्रनेट्स (लिस्टेड इक्विटीज) के नेतृत्व वाली टीम द्वारा किया जाएगा, जबकि वेदार्था के तहत पेश किए जाने वाले फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट्स का मैनेजमेंट भूपेंद्र मील, हेड- पीएमएस और अल्ट्रनेटिव-फिक्स्ड इनकम की प्रमुखता वाली टीम द्वारा किया जाएगा। कंपनी के सीईओ विशाल कपूर ने कहा कि वेदार्था की शुरुआत एक ऐसी सोच के साथ हुई थी, जिसके तहत अलग-अलग ज़रूरतों वाले लोगों की ज़रूरतों को पूरा किया जाएगा। वेदार्था का सार संस्कृत के शब्दों से लिया गया है- वेद, ज्ञान के ज़रिए ज्ञान की शाश्वत खोज का प्रतीक है और अर्थ, उद्देश्यपूर्ण वेल्थ क्रिएशन के ज़रिए समृद्धि का प्रतीक है। साथ में, वे एक ऐसे फिलॉसफी को दर्शाते हैं, जहां विशेषज्ञता समृद्धि को बढ़ावा देती है।

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए दूसरा कैंडिडेट ओपन हाउस आयोजित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने दूसरा ओपन हाउस आयोजित किया। इसका उद्देश्य पात्र उम्मीदवारों को उनकी आवेदन प्रक्रिया में शामिल करना और उनका समर्थन करना है। मंत्रालय की यह पहल पारदर्शिता और सुलभता को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जो ये सुनिश्चित करती है कि इच्छुक इंटर्न को योजना के बारे में सभी आवश्यक जानकारी हो। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय एक बयान में बताया कि 19 मार्च, 2025 को अपना दूसरा कैंडिडेट ओपन हाउस आयोजित किया।

इसका आयोजन आवेदकों द्वारा उठाए गए प्रश्नों और चिंताओं को दूर करने के लिए किया गया था, जिससे उन्हें मंत्रालय के अधिकारियों से सीधे बातचीत करने का एक मंच मिला। इस सत्र में इंटर्नशिप कार्यक्रम के प्रमुख पहलुओं पर चर्चा की गई, जिसमें पात्रता मानदंड, आवेदन प्रक्रिया, चयन पद्धति और इंटर्न को दिए जाने वाले लाभ शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक इस आयोजन के दौरान प्रभावी और केंद्रित चर्चा सुनिश्चित करने के लिए उम्मीदवारों को ई-मेल के जरिए साझा किए गए एक समर्पित लिंक के माध्यम से अपने सवाल पहले ही जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। दूसरे ओपन हाउस के लिए 340 प्रतिक्रियाएं पहले ही एकत्रित कर ली गई थीं। मंत्रालय ने

कहा कि यह पहल आवेदन चरण के दौरान उम्मीदवारों के सवालों और चिंताओं को दूर करने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। इस सत्र के दौरान पैनल में मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, उप-निदेशक नितिन फर्त्याल, परियोजना के तकनीकी भागीदार बीआईएसएजी के प्रतिनिधि और परियोजना प्रबंधन टीम के सदस्य शामिल थे। सत्र के दौरान कई तरह के प्रश्नों के उत्तर दिए गए, जिनमें से सबसे अधिक प्रश्न चयन प्रक्रिया, पात्रता मानदंड और योजना के भीतर क्षेत्र-विशिष्ट अवसरों के बारे में थे। उल्लेखनीय है कि एमसीए हर हफ्ते ये ओपन हाउस आयोजित करने की योजना बना रहा है, ताकि उम्मीदवारों को उनके सवालों के जवाब वास्तविक समय पर मिल सकें। कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय देशभर के उम्मीदवारों तक पहुंचने, पारदर्शिता, खुला संचार और पीएम इंटर्नशिप योजना में शामिल सभी लोगों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

देसी घी के साथ काली मिर्च खाने से क्या होता है जानें

घी पोषण से भरपूर होता है जो शरीर को ताकत देता है. वहीं काली मिर्च एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी मसाला है जो वजन घटाने में हेल्प करता है. लेकिन अगर इन दोनों को साथ में मिलाकर खाया जाए तो इनके फायदे दोगुने हो जाते हैं .

हमारी रसोई में कई ऐसी चीजें मौजूद होती हैं, जिनका सही तरीके से सेवन करने से सेहत को ढेरों फायदे मिलते हैं. घी और काली मिर्च भी ऐसी ही दो चीजें हैं, जो सेहत के लिए बेहद फायदेमंद मानी जाती हैं. आयुर्वेद में इन दोनों का विशेष महत्व है और ये कई बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं. घी जहां शरीर को ताकत देने वाला और पोषण से भरपूर होता है, वहीं काली मिर्च एक जबरदस्त एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी मसाला है, जो पाचन से लेकर वजन घटाने तक में मदद करता है.

अगर इन दोनों चीजों को एक साथ लिया जाए तो इसके फायदे दोगुने हो सकते हैं. आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि घी के साथ काली मिर्च खाने से सेहत को कौन -कौन से फायदे मिलते हैं और इसका सेवन कैसे करें.

1. वजन घटाने में मददगार

घी और काली मिर्च का सेवन वजन घटाने में भी मदद कर सकता है. घी में हेल्दी फैट होता है, जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है, जबकि काली मिर्च शरीर में फैट बर्निंग प्रोसेस को तेज करने में सहायक होती है. अगर आप बढ़ते वजन से परेशान हैं, तो सुबह गुनगुने पानी के साथ घी और काली मिर्च का सेवन करें.

2. मेंटल हेल्थ को सुधारता है

घी और काली मिर्च का कॉम्बिनेशन मेंटल हेल्थ के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है. घी में मौजूद हेल्दी फैट ब्रेन फंक्शन को बेहतर बनाता है, जबकि काली मिर्च डोपामिन और सेरोटोनिन जैसे न्यूरोट्रांसमीटर को बूस्ट करने में मदद करती है, जिससे स्ट्रेस और एंग्जायटी कम होती है.

3. डाइजेशन को करता है बेहतर

अगर आपको पाचन संबंधी समस्याएं रहती हैं तो घी के साथ काली मिर्च का सेवन करना एक अच्छा उपाय हो सकता है. घी आंतों को चिकना बनाकर बेहतर डाइजेशन में मदद करता है, जबकि काली मिर्च गैस, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं को दूर करने में सहायक होती है.

4. सूजन और दर्द से राहत

काली मिर्च एक नेचुरल एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट है, जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करता है. वहीं, घी के साथ इसका सेवन करने से जोड़ों के दर्द और मांसपेशियों की अकड़न में भी राहत मिलती है. जिन लोगों को गठिया या जोड़ों के दर्द की समस्या है, वे घी और काली मिर्च को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें.

5. इम्यूनिटी को करता है मजबूत

अगर आप बार-बार बीमार पड़ते हैं, तो घी और काली मिर्च का सेवन आपकी इम्यूनिटी को मजबूत करने में मदद करेगा. काली मिर्च में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो शरीर को इंफेक्शन से बचाते हैं, वहीं घी शरीर में जरूरी पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है इससे सर्दी-खांसी, वायरल और अन्य मौसमी बीमारियों से बचाव होता है.

कैसे करें सेवन?

सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ एक चम्मच घी और चुटकी भर काली मिर्च का सेवन करें.इसे आप दूध या हल्दी वाले दूध में मिलाकर भी पी सकते हैं. चाहें तो इसे अपनी रोटी या दाल में मिलाकर भी खा सकते हैं.

हिंदू धर्म के नाम पर सांप्रदायिकता और अंधविश्वास फैलाने का राजनीतिक खेल

हिंदुओं की विचारधारा और प्रथाओं में बहुत विविधता है। उनमें प्रकृति पूजक, मूर्ति पूजक और बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो किसी भी दैवीय शक्ति में विश्वास नहीं करते हैं। लेकिन ये सभी कभी एक-दूसरे के विरोध में नहीं रहे, बल्कि सद्भाव से रहते थे। उन्होंने दूर-दूर से आने वाले लोगों के विचारों को भी आत्मसात किया और समय-समय पर खुद को समृद्ध किया।हमारे देश में जहां विभिन्न मान्यताएं और परंपराएं एक साथ विद्यमान हैं, वहां तर्कसंगत सोच और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है। अंधविश्वास, अंध-प्रथाएं और रीति-रिवाज विकास के मार्ग में बाधा हैं।

वैज्ञानिक सोच केवल विज्ञान का ज्ञान नहीं है, बल्कि यह घटनाओं का विश्लेषण करने का एक तर्कसंगत तरीका है और यह गहरी समझ की खोज है। इसलिए किसी भी समाज को प्रगति के लिए विज्ञान के प्रति जिज्ञासु, समावेशी और आत्मसात करने वाला होना जरूरी है। हमारे देश के संविधान में 1976 में 42वें संशोधन में मौलिक कर्तव्यों के अंतर्गत वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जोड़ा गया था, जिसमें कहा गया था कि %भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह अपने अंदर वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद और जांच-पड़ताल तथा सुधार की भावना विकसित करे।पिछले कुछ वर्षों में राज्य द्वारा एक ऐसा आख्यान गढ़ा जा रहा है, जिसमें सवाल करने या विश्लेषण करने की प्रवृत्ति नहीं, बल्कि अंधविश्वास में जीने की प्रवृत्ति विकसित की जा रही है। अगर आधिकारिक आंकड़ों पर विश्वास किया जाये, तो प्रयागराज में कुंभ मेले के दौरान 65 करोड़ से अधिक लोगों ने न केवल अत्यधिक प्रदूषित पानी में स्नान किया, बल्कि इसे पीया, बोतलों में भरा और दूसरों के लिए %चरणामृत% के रूप में अपने साथ ले गये और अपने घरों और पड़ोस में लोगों को पिलाया। यह सब तब हुआ, जब सरकारी निकायों, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने चेतावनी दी थी कि यह पानी अत्यधिक प्रदूषित है और पीने की बात तो दूर, नहाने के लिए भी उपयुक्त नहीं है।

बिहार प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने भी इसी तरह की रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें कहा गया था कि बिहार में गंगा नदी का पानी ज्यादातर जगहों पर नहाने के लिए अनुपयुकेत है। लेकिन इन चेतावनियों के बावजूद लोग आस्था और दिव्य लाभ के नाम पर मल-मूत्र से प्रदूषित जल को मजे से पीते रहे। इससे जहां गंगा की सफाई के सरकारी दावों की पोल खुल गयी, वहीं यह भी सामने आया कि सत्ता में बैठे लोगों द्वारा फैलाये गये मिथकीय और अवैज्ञानिक विचारों से हमारा समाज कितना प्रभावित है। यह चिंता का विषय है कि लोग इतने अविवेकी और मूर्ख कैसे हो सकते हैं।

यह जानना दिलचस्प है कि जब लोग कुंभ में डुबकी लगा रहे थे, तब महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे, जिनकी सामाजिक-राजनीतिक मान्यताएं जगजाहिर हैं, ने गंगा नदी की सफाई पर सवाल उठाये और नदी में डुबकी लगाने से इनकार कर दिया। ठाकरे ने लोगों से आग्रह किया, %अंधविश्वास से बाहर निकलो और अपने दिमाग का सही इस्तेमाल करो।% उन्होंने प्रयागराज में हाल ही में संपन्न महाकुंभ से अपनी पार्टी के नेता बाला नंदगांवकर द्वारा लाये गये पवित्र जल को पीने से इनकार कर दिया।मुझे कभी नहीं लगा कि हिंदू धर्म खतरे में है, क्योंकि यह सभी को शामिल करने वाला है और संवाद के जरिये आत्मसात करने के लिए तैयार है। लेकिन कुंभ मेले के बाद मुझे यह डर सताने लगा है कि हिंदू धर्म बहुत गहरे संकट में जा रहा है।

मानव सभ्यता जल निकायों के इर्द-गिर्द विकसित हुई है जो उनके लिए जीवन का स्रोत थे। इसलिए लोग कृतज्ञता की अभिव्यक्ति के रूप में विभिन्न स्थानों पर जल निकायों को अलग-अलग रूपों में नमन करते थे। कुंभ मूल रूप से विभिन्न धर्मों के लोगों के लिए करुणा और त्याग का केंद्र था। भले ही समुद्र मंथन से संबंधित कुंभ का पौराणिक वर्णन है, लेकिन यह राजा हर्षवर्धन ही थे जिन्होंने नियमित रूप से त्रिवेणी में स्नान की प्रथा का आयोजन किया था। चीनी यात्री ह्वेनत्सांग ने इन आयोजनों का दस्तावेजीकरण किया और हर्षवर्धन की उदारता और भक्ति का वर्णन किया, जिन्होंने 606 से 647 ई. के बीच त्रिवेणी संगम पर हर पांच साल में एक बड़ी धार्मिक सभा का आयोजन किया जिसमें विभिन्न विचारों और धर्मों के लोग भाग लेते थे। उन्होंने गरीबों और धार्मिक संस्थानों को कपड़े और गहने सहित अपनी निजी संपत्ति दान कर दी। इस प्रकार यह आयोजन त्याग और करुणा का प्रतिबिंब था।लेकिन इस बार राज्य द्वारा महाकुंभ का इस्तेमाल अन्य धार्मिक समूहों, खास तौर पर मुसलमानों के खिलाफ़ मिथक और नफ़रत फैलाने के लिए किया गया है। कई मुसलमानों को कुंभ के दौरान अपनी दुकानें बंद करने के लिए कहा गया, जबकि ऐसी रिपोर्टें हैं कि उनमें से कई ने हिंदू तीर्थयात्रियों को जगह देने के लिए मस्जिदें खोलीं। इस प्रकार हिंदू दर्शन का सार जो वसुधैव कुटुंबकम और वैश्विक शांति की बात करता है, झूठा साबित हुआ है।

हिंदू शब्द मूल रूप से प्राचीन काल में यूनानियों और फारसियों द्वारा सिंधु नदी (सिंधु नदी) के पार की भूमि और लोगों को संदर्भित करता था। ऐसा कहा जाता है कि फारसी लोग स का उच्चारण करने में असमर्थ थे, इसलिए उन्होंने इसे ह के रूप में बोला। इस प्रकार हिंदू शब्द सिंधु नदी के नाम सिंधु का फारसीकृत संस्करण है। हिंदू धर्म शब्द 19वीं शताब्दी में ही आम इस्तेमाल में आया, जिसका इस्तेमाल शुरू में बाहरी लोगों द्वारा हिंदुओं के वाद का वर्णन करने के लिए किया गया और अंततः हिंदुओं द्वारा खुद को मुसलमानों और अन्य लोगों से अलग करने के लिए किया गया। हिंदू धर्म का इस्तेमाल करने वाले पहले भारतीय राजा राम मोहन राय हो सकते हैं जिन्होंने 1816-17 में इस पद को ग्रहण किया था। 1830 के आसपास, कुछ भारतीयों ने खुद को हिंदू और हिंदू धर्म को अपना धर्म कहना शुरू कर दिया।

डॉ. रितु खोसला ने राजा राम मोहन राय पर अपने लेख में इस बात पर जोर दिया है कि राजा राम मोहन राय यह साबित करना चाहते थे कि अंधविश्वास और अंधविश्वासी मान्यताओं और प्रथाओं का मूल हिंदू धर्म में कोई आधार नहीं है। राय के अनुसार, बिगड़ते राजनीतिक और सामाजिक परिवेश के लिए जिम्मेदार एक और कारक भारतीय समाज का सामाजिक पतन था। वह एक नये भारतीय समाज का निर्माण करना चाहते थे, जहां सहिष्णुता, सहानुभूति, तर्क , स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के सिद्धांतों का सम्मान किया जायेगा।

हिंदुओं की विचारधारा और प्रथाओं में बहुत विविधता है। उनमें प्रकृति पूजक, मूर्ति पूजक और बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जो किसी भी दैवीय शक्ति में विश्वास नहीं करते हैं। लेकिन ये सभी कभी एक-दूसरे के विरोध में नहीं रहे, बल्कि सद्भाव से रहते थे। उन्होंने दूर-दूर से आने वाले लोगों के विचारों को भी आत्मसात किया और समय-समय पर खुद को समृद्ध किया। इस प्रकार हिंदू धर्म एक मजबूत धर्म के रूप में विकसित हुआ, जो प्रेम और करुणा का उपदेश देता है और समावेशी है। लेकिन इसकी एक कमजोरी यह भी है कि समाज को नीची और ऊंची जातियों में बांट दिया गया है। इस आधार पर लगभग एक चौथाई आबादी को दबाया गया और बुनियादी मानवाधिकारों से भी वंचित रखा गया। लेकिन इस सारे उत्पीड़न के बावजूद, यह 25प्रतिशत आबादी हिंदू धर्म को ही मानती है, हालांकि उनमें से कुछ ने इस्लाम, ईसाई या बौद्ध जैसे अन्य धर्मों को अपना लिया है। डॉ. अंबेडकर ने भी अपने अंतिम दिनों में बौद्ध धर्म अपनाया था। लेकिन उनके सभी अनुयायी उनके साथ नहीं जुड़े।सत्ता में बैठी सरकार द्वारा बार-बार अवैज्ञानिक आख्यान गढ़कर और उसे फैलाकर लोगों को मिथकों में उलझाये रखने का एक सूक्ष्म प्रयास किया जा रहा है। यह हिंदुओं की मानसिकता को मध्ययुगीन काल में धकेल देगा।इस प्रकार हिंदू धर्म किसी बाहरी ताकत से नहीं बल्कि अंदर से उन ताकतों से खतरे में है जो लगातार रूढ़िवादी विचारों को फैलाते रहते हैं। अब समय आ गया है कि हम उनके मंसूबों को समझें और वैचारिक संघर्ष की योजना बनायें। आरएसएस, भाजपा सरकार और उनके अन्य संगठन जल्दबाजी में ऐसे रूढ़िवादी विचारों को लोगों के दिमाग में बैठाने और उन्हें तार्किक रूप से सोचने और अपने दिमाग का इस्तेमाल न करने के लिए मजबूर करने का काम कर रहे हैं। आरएसएस जो प्रचार कर रहा है वह हिंदू धर्म नहीं बल्कि कट्टरवाद, सांप्रदायिकता, अंधविश्वास, रूढ़िवाद,हिंसा और नफरत है। यह हिंदू धर्म नहीं बल्कि उसके मूल्यों और लोकाचार का खंडन है। उनके प्रचार को चुनौती देनी होगी, अन्यथा सबसे बड़ा नुकसान हिंदुओं को होगा।

संपादकीय

सुनीता-विल्मोर की वापसी विज्ञान की जीत

भारतीय समयानुसार तड़के 3 बजकर 27 मिनट पर फ्लोरिडा के समंदर में लैंडिंग कर स्पेसक्राफ्ट ड्रेगन के कैप्सूल ने जब 4 अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षित लॉन्चिंग कराई, तो इतिहास रचा जा चुका था। कारण यह था कि इसमें दो यात्री ऐसे भी थे जो लगभग 9 माह पहले मिशन पर गये थे लेकिन कुछ तकनीकी कारणों से उनका 8 दिनों का मुकाम बढ़ता चला गया था। पृथ्वी से औसतन लगभग 400 किलोमीटर ऊपर नितांत निर्जन व निर्वात, शून्य गुरुत्वाकर्षण, करोड़ों किलोमीटर तक अंतरिक्ष में पृथ्वी व उसके चंद्रमा के बगैर माइनस 121 डिग्री सेल्सियस से लेकर माइनस 157 डिग्री सेल्स. तापमान में सुनीता विलियम्स व बुच विल्मोर ये यात्री थे, जिन्होंने नयी-नयी तकनीकी दिक्कतों को अपने साहस, धैर्य और ज्ञान से परास्त करते हुए पृथ्वी पर वापसी कर खगोल विज्ञान के इतिहास में अपने नाम के अलग अध्याय लिख दिये हैं। सुनीता के प्रति भारतीयों का लगाव स्वाभाविक है क्योंकि उनकी जड़ें इसी देश की हैं, परन्तु इस मायने में उनका नाम ऊपर लिखा जायेगा कि वे पहली ऐसी यात्री बन गयी हैं जिन्होंने अंतरिक्ष की तीन बार यात्राएं कीं। इसके साथ ही वे उस क्लब में शामिल हो गयी हैं जिन्होंने 600 से ज्यादा दिन घने काले अंतरिक्ष में बिताये हैं जो अनंत है, अपार है, अबूझ व अल्पज्ञात भी।ऐसा ब्रह्मांड जिसमें एक बार खो जाने पर मनुष्य तो क्या एक तिनके का भी कभी पता न चले, वहां सुनीता-विल्मोर की जोड़ी ने न धैर्य खोया न हिम्मत और न ही अपना मानसिक संतुलन। वे वहां विभिन्न तरह के प्रयोग करते रहे लेकिन वक्त पर बस या ट्रेन न मिलने से भी विचलित हो जाने वाले सामान्यजन को इस बात का कभी अंदाजा नहीं हो सकता कि बार-बार रद्द होती वापसी से कोई भी व्यक्ति कितना विचलित हो सकता है। वह भी ऐसी जगह पर बैठा व्यक्ति जो जानता है कि इस सतत फैलते और एक-दूसरे के गुरुत्वाकर्षण से बंधकर परिक्रमा करते अंतरिक्ष में कुछ भी निश्चित नहीं है। कब कौन सा यात्री थोड़ी गलती होने पर छिटककर प्रति सेकंड 16 हजार किलोमीटर की रफ्तार से फेंक दिया जायेगा या कब कौन सा उल्का पिंड आकर टकरा जाये अथवा किस क्षण कोई ग्रह उस यात्री व स्पेस स्टेशन तो क्या पूरी पृथ्वी को ही अपने में विलीन कर दे।हमारे ब्रह्मांड की उम्र 13.8 अरब वर्ष आंकी गयी है। लगभग 5 अरब साल पहले तैरती धूल और हीलियम व हाइड्रोजन गैसों से सूर्य बना और पृथ्वी तकरीबन 4.6 अरब साल पहले अस्तित्व में आई। हमारे सौरमंडल में ज्यादातर ग्रहों व क्षुद्र ग्रहों से बने असंख्य स्पेस ऑब्जेक्टस बने हैं जो परस्पर टकरावों का प्रतिफल हैं। कोई भी वस्तु कब किससे आकर टकरा जाये, कहा नहीं जा सकता- ऐसे खतरे के बीच यह मनुष्य का साहस व ज्ञान ही है जो उन्हें विपरीत परिस्थितियों में टिके रहने का संकल्प प्रदान करता है। वैज्ञानिकों के साहस, बलिदान और जिज्ञासा ने ही विज्ञान को आज यहां तक पहुंचाया है।भारत में पिछले कुछ समय से वैज्ञानिक और तकनीकी कौतूहल नाम का तत्व खत्म हो रहा है; या कहें कि खत्म किया गया है। ऐसे में ज्यादातर भारतीय दुनिया में हो रहे वैज्ञानिक व तकनीकी विकास से अनभिज्ञ हैं। सामान्य युवाओं और छात्रों को पूछिये कि सुनीता विलियम्स का क्या माजरा है, तो वे जवाब नहीं दे पाएंगे। न उन्हें शून्य गुरुत्वाकर्षण का पता है न अंतरिक्ष का रंग ज्ञात है। बिग बैंग थ्योरी और ब्लैक होल से अपरिचित वे यह भी नहीं जानते कि अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन क्या है और वह कितनी ऊंचाई पर कार्यरत है। उसका उद्देश्य क्या है और अब तक उसने क्या किया है। यही ज्ञान वैज्ञानिक तरक्की की दौड़ शुरू करने वाली वह रेखा है जिसमें तमाम विकसित देश एक-दूसरे के साथ होड़ लगा रहे हैं जबकि भारत ठीक विपरीत दिशा में भाग रहा है- अज्ञानता की तरफ़।भारतीय संविधान में जिस साइंटिफिक टेंपर यानी वैज्ञानिक चेतना की बात कही गयी थी और उसे विकसित करना सरकार का एक प्रमुख दायित्व तय किया गया था, वह आज पूर्णतः अनुल्लेखनीय व अवांछित नीति-तत्व बनकर रह गया है। सियासत यदि सत्ता बनाये रखने के लिये देश को मध्ययुग की ओर ले जाये तो वहां केवल राजनेताओं द्वारा छवि निर्माण और विश्वगुरु होने का भ्रम ही शेष रह जाता है।

मानवता ने जब धरती को छुआ

कल्पना, सुनीता ये नाम सुंदर हैं और आम भारतीय घरों में प्रचलित भी। इन सामान्य से लगने वाले वाले नामों की दो लड़कियों ने भारत सहित पूरी दुनिया पर अनूठी छाप छोड़ी है

ये दोनों अंतरिक्ष यात्री 9 महीने 14 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन आईएसएस में बिताने के बाद धरती पर वापस लौटे हैं। धरती पर कदम रखा इसलिए नहीं कह सकते कि इतना लंबा वक्त अंतरिक्ष में बिताने के बाद अभी उनके शरीर को धरती पर सामान्य तरीके चलने-फिरने का अभ्यस्त होने में वक्त लगेगा।

कल्पना, सुनीता ये नाम सुंदर हैं और आम भारतीय घरों में प्रचलित भी। इन सामान्य से लगने वाले वाले नामों की दो लड़कियों ने भारत सहित पूरी दुनिया पर अनूठी छाप छोड़ी है। कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स इन दोनों की अंतरिक्ष यात्राएं समूचे अंतरिक्ष विज्ञान के लिए याद, सबक और मिसाल बन गईं। इनकी यात्राओं पर चर्चा करुंगी, लेकिन नाम का जिक्र इसलिए याद आया क्योंकि इस सदी में अनूठेपन के नाम पर अब काफी नए-नए तरह के नाम सुनने मिलते हैं, लोग अब अपने बच्चों का नाम रखने के लिए गूगल की मदद भी लेते हैं और ज्योतिष की सलाह भी। हालांकि शेक्सपियर तो सदियों पहले कह गए हैं कि नाम में क्या रखा है। गुलाब, गुलाब ही रहेगा, चाहे उसे किसी भी नाम से पुकारो। लेकिन भारतीय इस मामले में शेक्सपियर की बिल्कुल नहीं सुनते।बच्चों के नामों में नयापन और इतिहास के नामों में धर्म के मुताबिक बदलाव, यही इस वक्त का चलन है। आश्चर्य होता है यह देखकर कि दुनिया में कितने तरह के काम, प्रयोग, शोध हो रहे हैं। विज्ञान, चिकित्सा, खेल, कला, व्यापार जीवन के हर पहलू में बड़ी तेजी से बदलाव हो रहे हैं। कारखानों, होटलों से लेकर आपरेशन थियेटर तक में रोबो से काम लिया जा रहा है। डीएनए का परीक्षण कर उसके बूते इंसान की आयु बढ़ाने, अपनी ही तरह का दूसरा इंसान पैदा करने, पैदा होने से पहले ही बीमारी का पता लगने पर इलाज करने जैसे कई आश्चर्यजनक काम किए जा रहे हैं। मानव अंगों के प्रत्यर्पण से एक इंसान की मौत के बाद उसे दूसरे इंसान में जिंदा रखा जा रहा है। छपी हुई मुद्रा के साथ आभासी मुद्रा का व्यापार हो रहा है। धरती, आकाश, पाताल हर जगह पहले इंसान की जिज्ञासा पहुंची, फिर इंसान ने खुद पहुंचने का रास्ता बना लिया। बुधवार सुबह ऐसे ही एक नए रास्ते को धरती के इंसानों ने देखा। जिसके दो राही खास थे बुच विल्मर और सुनीता विलियम्स।

ये दोनों अंतरिक्ष यात्री 9 महीने 14 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन आईएसएस में बिताने के बाद धरती पर वापस लौटे हैं। धरती पर कदम रखा इसलिए नहीं कह सकते कि इतना लंबा वक्त अंतरिक्ष में बिताने के बाद अभी उनके शरीर को धरती पर सामान्य तरीके चलने-फिरने का अभ्यस्त होने में वक्त लगेगा। जैसे 9 महीने मां की कोख में रहने के बाद जब बच्चा जन्म लेता है, तो धीरे-धीरे कदम संभालना सीखता है। अनोखा संयोग है कि सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर 9 महीने उस धरती से दूर रहे, जो इंसानी जीवन की जननी है। बुधवार सुबह भारतीय समय के मुताबिक 3 बजकर 27 मिनट पर जब इन दो अंतरिक्ष यात्रियों के साथ अमेरिका के निक हेग और रूस के अलेक्सांद्र गोरबुनोव, यानी कुल चार यात्रियों को लेकर अंतरिक्ष यान ने फ्लोरिडा के समुद्र में डुबकी लगाई तो विज्ञान और मानवता दोनों ने नयी प्राणवायु पाई।

पाठक जानते हैं कि केवल आठ दिनों के अंतरिक्ष सफर पर निकले सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर को तकनीकी खराबी के कारण 9 महीने से ज्यादा का वक्त अंतरिक्ष में बिताना पड़ा। इस दौरान उन्हें लाने की कोशिशें होती रहीं। आखिरकार उन्हें लेने एक दूसरा यान भेजा गया और फिर उनकी सकुशल वापसी हुई। भारत में इस दौरान सुनीता विलियम्स के रिश्तेदारों के घरों से लेकर देश में जगह-जगह पूजा पाठ हुए, उनकी सुरक्षित वापसी के लिए हवन किए गए। भारतीय मूल की होने के कारण इतना लगाव स्वाभाविक है। इसी तरह जब कल्पना चावला भी अंतरिक्ष में गई थीं, तो उनके अमेरिकी नागरिक होने के बावजूद भारतीय इस बात को गर्व से कहते थे कि वे हरियाणा की हैं, यहीं पली बढ़ी, हालांकि बाद में वे उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका गईं और फिर वहीं की नागरिक हो गईं। कल्पना चावला के अंतरिक्ष सफर का अंत दर्दनाक था, अंतिम क्षणों में उनका यान आग के गोले में तब्दील हो गया। हालांकि उनके असाधारण काम आज भी याद किए जाते हैं।

सुनीता और कल्पना, अगर केवल इन दो नामों का जिक्र करें तो अभी बेशक अंतरिक्ष यात्री की पोशाक में सज्जित दो महिलाओं की शक्ल हमारी आंखों के सामने आएगी, लेकिन इसके साथ एक कड़वी सच्चाई यह है कि इन दो नामों के साथ-साथ, ऐसी सैकड़ों, लाखों लड़कियां हैं, जो ऐसे ही असाधारण काम करके अपने नामों को हमेशा के लिए यादगार बना सकती हैं, लेकिन उनके सपनों की उड़ान के लिए कोई आकाश ही बचने नहीं दिया जाता। अगर किसी ने हिम्मत दिखाई भी तो सपने उसी तरह राख कर दिए जाते हैं, जैसे कल्पना चावला का यान राख बन गया था। सुनीता विलियम्स तो पहले से अमेरिका में थीं और कल्पना चावला बाद में वहां गईं, लेकिन भारत में रहकर क्या इन्हें ऐसे मौके मिल पाते, इस सवाल का जवाब सब जानते हैं।

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत में भी खूब काम हो रहा है, कई वैज्ञानिक इसरो में काम करती हैं, जिनके बारे में बताने के लिए अलग से महिला वैज्ञानिक लिखना पड़ता है। क्या कभी किसी पुरुष वैज्ञानिक का जिक्र हम इस तरह से करते हैं, यह भी सोचना चाहिए। बहरहाल, अलग-अलग क्षेत्रों में योग्यता और श्रेष्ठता के पैमाने पर बार-बार खुद को साबित करने के बावजूद महिलाओं को बड़ी मुश्किल से अवसर मिलते हैं और वह भी अपवाद के तौर पर। वर्ना समाज का आलम तो ऐसा है कि अब भी लड़की अपने पिता, भाई, पति या किसी पुरुष रिश्तेदार के साथ घर से बाहर निकले तभी सुरक्षित मानी जाती है। जो लड़कियां सारी चुनौतियों को पार करके घर से बाहर निकल चुकी हैं, अपना कार्यक्षेत्र तय कर चुकी हैं, वहां उन्हें कितने तरह के भेदभाव का सामना करना पड़ता है, इस पर लिखने बैठें तो अलग पोथी तैयार हो जाएगी।फिलहाल खुशी का दिन है कि सुनीता विलियम्स इतिहास रच कर वापस लौटीं, उन्हें लेने जो यात्री अंतरिक्ष में गए थे, उनमें रूस, जापान, अमेरिका के नागरिक थे। अपने अमेरिकी सहयोगी के साथ जब सुनीता लौटीं तो केवल भारत और अमेरिका नहीं पूरी दुनिया ने इस ऐतिहासिक क्षण की खुशियां मनाईं। धरती पर रहकर छोटी-छोटी बातों और स्वार्थों में इंसान उलझ कर पूरा जीवन व्यर्थ बिता देता है। उस वक्त ऐसी घटनाएं सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि कितना कुछ कर गुजरने की ताकत इंसान को हासिल है। जब अंतरिक्ष में इंसान पहुंचता है तो धरती की सीमाओं के साथ, उन बंधनों से भी मुक्त होता है, जो खुद इंसान ने अपने लिए बना लिए हैं। वहां पासपोर्ट की पहचान से परे सब केवल इंसान होते हैं, जो भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रयोग करते हैं, नयी संभावनाओं को खटखटाते हैं।

सुनीता विलियम्स और बुच विल्मर की सकुशल वापसी के लिए उन्हें लेने गए यात्रियों के अलावा एलन मस्क भी बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने इस काम में अपना खास योगदान दिया और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसमें उनका साथ दिया। हालांकि कुछ दिनों पहले जिस अंदाज में ट्रंप ने इन यात्रियों की वापसी का जिक्र किया था, उसकी काफी आलोचना हुई थी। खैर राजनीति से परे, यह काम उन्हें तारीफ का हकदार बनाता है। इधर भारत में भी तमाम दलों ने इस पर बधाई दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वापसी का स्वागत किया है। भाजपा के कुछ नेता भारत की बेटी सुनीता विलियम्स की वापसी पर खुशी जता रहे हैं। हालांकि कुछ दिनों पहले भारत की एक और बेटी रंजनी श्रीनिवासन खुद निर्वासित होकर अमेरिका से भारत लौट आईं। कोलंबिया विवि में पीएचडी कर रही रंजनी श्रीनिवासन का वीज़ा अमेरिका ने इसलिए रद्द कर दिया, क्योंकि उन्होंने फिलीस्तीन के हक में आवाज़ उठाई थी। क्या भाजपा सरकार कभी रंजनी जैसी किसी बेटी के हक में भी कोई बात कहेगी।

रूखे बालों में चमक लाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

जब हम अपने बालों को खोल कर ज्यादा धुल-मिटटी में जाते है तो ऐसे मे हमारे बाल रूखे और बेजान हो जाते है। ऐसे मे उनकी केयर करनी बहुत ही जरूरी होती है नही तो हमारे बोल टूट कर झड़ जाते है। कभी-कभी तो ज्यादा हेयर ड्रायर करने से, क्लोरीनेटर पानी से और स्टाइलिंग प्रोडक्ट भी हमारे बालों को बेजन बना देते हैं। ऐसे में रूखे बालों को कंघी करना बेहद मुश्किल काम हो जाता है। कंघी बालों में फंसती है और बाल टूट जाते हैं। आज हम आपके सामने रूखे और बेजान बालों की देखभाल करने के लिए ऐसे ही कुछ घरेलू उपाय लेकर आए हैं जिनहे अपनाकर आप अपने बालों में चमक ला सकती है।

1. दूध रूखे बालों को मुलायम करने के लिए एक कटोरी में कच्चा दूध लेकर रुई के फाहे से बालों की जड़ों और बालों में लगाएं और एक घंटे बाद सिर धो दें। 2. सीसम ऑइल

आप घर में सीसम ऑइल में नींबू का रस मिलाकर बालों और स्कैल्प पर आधा घंटा लगा कर रखें। बाद में गर्म पानी में एक टॉवेल को भिगो कर इसमें अपने बालो को लपेट लें और आधे घंटे बाद बालों को धो लें।

3. कद्दू बालों में चमच पाना चाहते है तो कद्दू के टुकड़ों को बॉयल कने के बाद ठंड़ा होने पर दही में मिलाकर 20 मिनट के लिए लगाएं।

4. कोका पाउडर दही में शहद, विनेगर, कोका पाउडर को मिला कर स्कैल्प और बालों में लगाएं

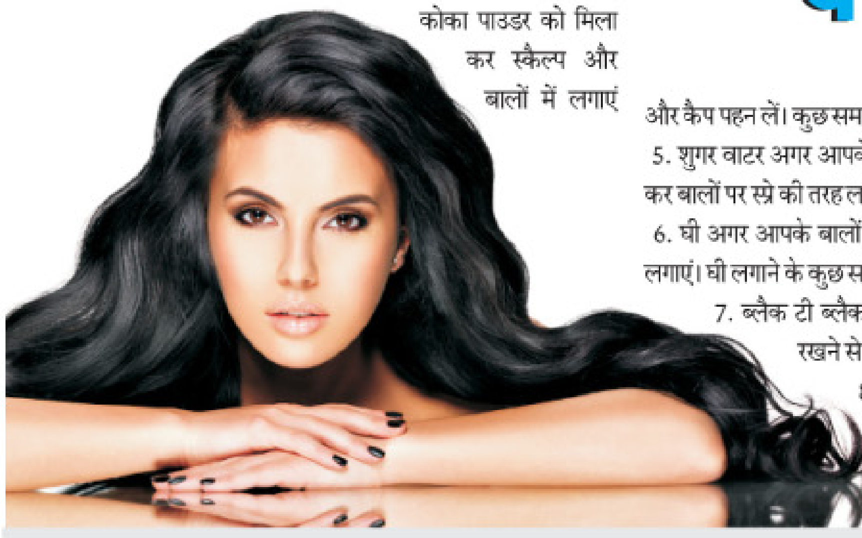

और कैप पहन लें। कुछ समय बाद में इनहे धो लें।

5. शुगर वाटर अगर आपके बाल झड रहें है तो पानी में एक चम्मच चीनी मिला कर बालों पर स्प्रे की तरह लगाएं। बाद में सूख जाने पर पनी से धो लें।

6. घी अगर आपके बालों में चमक नहीं है और रूखापन ज्यादा है तो देसी घी लगाएं। घी लगाने के कुछ समय बाद ही बालों को सैपू से धो लें।

7. ब्लैक टी ब्लैक टी बनाकर हफ्ते में एक बार आधा घंटा लगा कर रखने से बालों में चमक आती है।

8.टी ट्री ऑयल टी ट्री ऑयल में शैंपू मिलाकर लगाने से बालों में चमक आती है क्योंकि इसमें एंटी फंगल और एंटी बेक्टेरिअल गुण होते है जो बालो को मजबार बनाए रखता है।

1 मिनट में चमकेगा चेहरा, बस अपनाएं ये बेस्ट तरीका !

लड़का हो या लड़की आजकल हर कोई गोरा और चमकदार चेहरा पाना चाहता है, जिस पर न तो पिंपल के दाग-धब्बे हो न ही झुर्रियां। वैसे तो जैसा हमारा खाना-पीना होगा, वैसे ही हमारे फेस और बालों की ग्रोथ होगी। अगर हमारा आहार पौष्टिक तत्वों से भरपूर नहीं है तो उसका असर हमारे चेहरे और बालों पर पड़ता है लेकिन खाने के साथ-साथ चेहरे और बालों की अलग से केयर करने की भी जरूरत होती है। इसके लिए आज के यंगस्टर्स महंगे से महंगे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं लेकिन अगर कास्मेटिक की बजाए अगर घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल किया जाए तो बेहतर है क्योंकि इनका न तो कोई साइड इफैक्ट होता है और न ही पैसे की बर्बादी होती है। उबले हुए चावल का पानी जिसे हम मांड कहते हैं, सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होती है लेकिन शायद आप यह नहीं जानते होंगे कि यह पानी सेहत के साथ साथ स्किन के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद है। इससे आपकी खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे। हफ्ते में एक बार इस घरेलू तरीके को अपना कर आप सौंदर्य सबंधी कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

स्किन के लिए चावल का पानी

चावल का पानी क्लींजर का काम करता है। चावल के पानी में प्रोटीन, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा के कारण त्वचा में नमी बनी रहती है। साथ ही त्वचा की रंगत में निखार आता है और दाग धब्बे, झुर्रिया दूर होती है। अगर आपके चेहरे की स्किन ढीली ढाली हो गई है तो चावल के पानी से कसावट और पोर्स टाइट होंगे।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कप चावल को पानी में अच्छी तरह से भिगो लें। आधे घंटे के बाद उसे गैस पर पकने दें। चावल पकने के बाद उसका माड़ निकाल लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें। फिर उस पानी से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। मसाज करने के 10 मिनट बाद चावल के पानी से ही चेहरा धोएं और सूखे कपड़े से पोंछे। आपको तुरंत ही अपनी त्वचा में बदलाव नजर आने लगेगा। बालों के लिए

फायदेमंद

त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी चावल का पानी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आपके बाल पतले या बेजान हैं तो चावलों के पानी से बालों को धोएं फिर शैम्पू और कंडीशनर करें लेकिन इन तरीकों को अपनाने से पहले डाक्टरी सलाह जरूर लें।

फटी एड़ियों से हैं परेशान तो इस तरह घर पर करें इलाज

ज्यादातर महिलाएं अपने पैरों की फटी एड़ियों से बहुत परेशान होती है। ऐसे में जब पैरों में हलकी सी भी दरार आ जाती है तो चलते समय पैरों में दर्द होता रहता है। यह सब आपकी लापरवाही के कारण होता है। फटी एड़ियों से इंफेक्शन भी हो जाती हैं। आज हम आपको इनकी दर्द से छुटकारा पाने के घरेलू उपायों के बारें में बताएगें। जिनसे आपके पैरों का दर्द गायब हो जाएगी और पैर कोमल और खूहसूरत दिखाई देगे। - बेकिंग सोडा और दूध का घोल अगर आप अपने पैरों की तकलीफ को कम करना चाहते है तो बेकिंग सोडा और दूध का घोल घर पर तैयार करके अपनाना चाहिए। दूध एक प्राकृतिक मॉइस्चाराइज़र है जिसमें लैक?टिक एसिड होता है जो कि आपकी त्वचा को मुलायम और कामल बनाता है।

- इस तरह से तैयार करें घोल

1. सबसे पहले एक टब लें और उसमें 1 कप दूध और थोड़ा सा बेकिंग पावडर मिक्स कर लें।

2. अब इस घोल में अपने पौरों को डुबोएं। 3. अगर दूध न हो तो आप टब में 2 कप मिल्क पावडर भी डाल सकते हैं।

4. असके बाद में अपने पैरों की फटी एड़ियों को अच्छे से रगंड़े।

5. बाद में पैरों को इसमें से निकाल कर तौलिए से साफ कर लें।

6. इस विधि को रोज़ाना करने पर ही आपको दर्द से फायदा मिलेगा।

बढ़ती उम्र को थामनें में मददगार साबित होते है ये 5 एंटी एजिंग तेल

आजकल हर कोई चाहता है कि उनका चेहरा खिला और चमकता रहें, फिर चाहे वह महिला हो या पुरुष। ऐसे में आपकी बढ़ती उम्र आपके चाहरे पर झुर्रियां, त्वचा में रुखापन अदि छोड़ जाती है जिससे आपकी उम्र ज्यादा लगने लगती है। पर यह सब आपके खानपान से भी हो सकता है। आजकल बाजार में बहुत से ऐसे प्रोडक्ट्स आ रहे है जिनहें अपनाकर आप इन सब प्रोब्लेम्स को दूर कर सकते है और बढ़ती उम्र को भी रोकते है। पर जरूरी नहीं है कि यह उत्पाद हमारी त्वचा को ठीक हो। कभी-कभी इनसे नुकसान भी पहुंच सकता है।

आज हम आपको कुछ ऐसे एंटी-एजिंग तेलों के बारे में बताएगें जिनहे आप मार्केट में आसानी से खरीद सकती है। यह तेल आपकी बढ़ती उम्र को थामने में आपकी मदद करेगे। इनहे अपनाने से अपको बहुत से सौंदर्य लाभ हो सकते है। तो आइए जानते यह कौन से तेल है।

1. खुबानी की गिरी खुबानी की गिरी से बने हुए तेल में भरपूर मात्रा में लिनोलेनिक एसिड होता है जिसें लगाने से आपकी त्वचा अंदर कोमल, कोशिकाएं और कोलेजन उत्पादन अच्छा होता है। इसे लगाने से झुर्रियां भी ठीक हो जाती है।

2. बादाम तेल बादाम के तेल में विटामिन ई और विटामिन के पाया जाता है जिससे लगाने से त्वचा को चमकदार बनाई रखता है।

3. गरी का तेल गरी के तेल से चाहरे की मालिश करने से रूखापन दूर हो जाता है और पोषक तत्व भी मिल जाते है क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन ई होता है

4. एवोकैडो तेल इस तेल में विटामिन ई और ए पाए जाते है। इसे लगाने से बढ़ती उम्र को रोका जा सकता है क्योंकि यह सबसे अच्छा स्वास्थ्यवर्धक तेल है।

5. आर्गन तेल अगर आपके चेहरे पर झुर्रियां पड़ गई है तो इसे लगाने से वह दूर हो जाती है और त्वचा को नमी व चमक आती है।

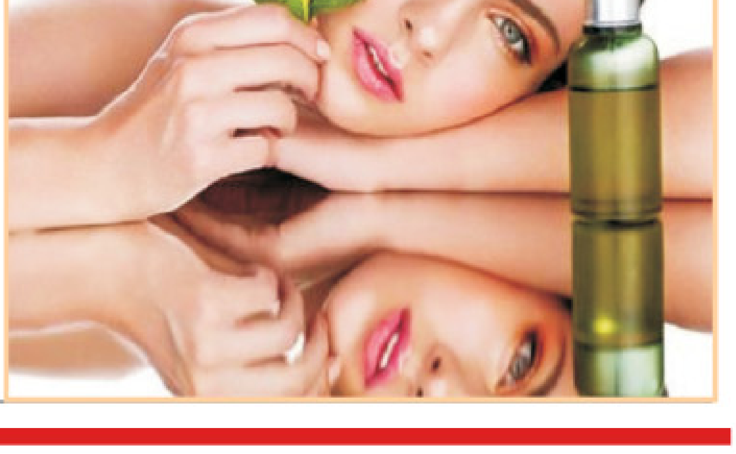

हेल्थ प्लस

उपवास शक्ति सिद्धि योगा

योग में अष्टसिद्धियों के अलावा अन्य कई प्रकार की सिद्धियों का वर्णन किया गया है उनमें से एक है- उपवास शक्ति सिद्धि योग। उपवास को हम यहां अनाहार के अर्थ में लेते हैं। उपवास शक्ति सिद्धि योग से व्यक्ति कई-कई महीनों तक भूख और प्यास से मुक्त रह सकता है।

उपवास योगा की विधी : कंठ के कूप में संयम करने पर भूख और प्यास की निवृत्ति हो जाती है। यह उपवास योगा का महत्वपूर्ण सूत्र है। कंठ की कूर्मनाड़ी में संयम करने पर स्थिरता व अनाहार सिद्धि होती है। कंठ कूप में कच्छप आकृति की एक नाड़ी है। उसको कूर्मनाड़ी कहते हैं। कंठ के छिद्र जिसके माध्यम से पेट में वायु और आहार आदि जाते हैं उसे कंठकूप कहते हैं। कंठ के इस कूप और नाड़ी के कारण ही भूख और प्यास का अहसास होता है।

इस कंठ के कूप में संयम प्राप्त करने के लिए शुरुआत में प्रतिदिन प्राणायाम और भौतिक उपवास का अभ्यास करना जरूरी है। इसके लिए निम्निलिखित उपवास के बारे में जानें और प्राणायाम के संबंध में पिछले आलेखों को पढ़ें।

उपवास के प्रकार- 1.प्रात: उपवास 2.अद्धोपवास 3.एकाहारोपवास 4.रसोपवास 5.फलोपवास 6.दुग्धोपवास 7.तक्रोपवास 8.पूर्णोपवास 9.साप्ताहिक उपवास 10.लघु उपवास 11.कठोर उपवास 12.टूटे उपवास 13. दीर्घ उपवास।

प्रत: उपवास- इस उपवास में सिर्फसुबह का नाश्ता नहीं करना होता है और पूरे दिन और रात में सिर्फ2 बार ही भोजन करना होता है।

अद्धोपवास- इस उपवास को शाम का उपवास भी कहा जाता है और इस उपवास में सिर्फ पूरे दिन में एक ही बार भोजन करना होता है। इस उपवास के दौरान रात का भोजन नहीं खाया जाता।

एकाहारोपवास- एकाहारोपवास में एक के भोजन में सिर्फएक ही चीज खाई जाती है जैसे- सुबह के समय अगर रोटी खाई जाए तो शाम को सिर्फ सब्जी खाई जाती है। दूसरे दिन सुबह को एक तरह का कोई फल और शाम को सिर्फ दूध आदि।

रसोपवास- इस उपवास में अन्न तथा फल जैसे ज्यादा भारी पदार्थ नहीं खाए जाते। सिर्फ रसदार फलों के रस अथवा साग-सब्जियों के जूस पर ही रहा जाता है। दूध पीना भी मना होता है, क्योंकि दूध की गणना भी ठोस पदार्थों में की जा सकती हैं।

फलोपवास- कुछ दिनों तक सिर्फ रसदार फलों या भाजी आदि पर रहना फलोपवास कहलाता है। अगर फल बिल्कुल ही अनुकूल ना पड़ते हो तो सिर्फपकी हुई साग-सब्जियाँ खानी चाहिए।

दुग्धोपवास- दुग्धोपवास को 'दुग्धकल्प' के नाम से भी जाना जाता है। इस उपवास में सिर्फकुछ दिनों तक दिन में 4-5 बार सिर्फ दूध ही पीना होता है।

तक्रोपवास- तक्रोपवास को 'मठाकल्प' भी कहा जाता है। इस उपवास में जो मठा लिया जाए, उसमें घी कम होना चाहिए और वो खट्टा भी कम ही होना चाहिए। इस उपवास को कम से कम 2 महीने तक आराम से किया जा सकता है।

पूर्णोपवास- बिल्कुल साफ-सुथरे ताजे पानी के अलावा किसी और चीज को बिल्कुल ना खाना पूर्णोपवास कहलाता है। इस उपवास में उपवास से सम्बंधित बहुत सारे नियमों का पालन करना होता है।

साप्ताहिक उपवास- पूरे सप्ताह में सिर्फ एक पूर्णोपवास नियम से करना साप्ताहिक उपवास कहलाता है।

लघु उपवास- 3 दिन से लेकर 7 दिनों तक के पूर्णोपवास को लघु उपवास कहते हैं।

कठोर उपवास- जिन लोगों को बहुत भयानक रोग होते हैं ये उपवास उनके लिए बहुत लाभकारी होता है। इस उपवास में पूर्णपवास के सारे नियमों को सख्ती से निभाना पड़ता है।

टूटे उपवास- इस उपवास में 2 से 7 दिनों तक पूर्णोपवास करने के बाद कुछ दिनों तक हल्के प्राकृतिक भोजन पर रहकर दोबारा उतने ही दिनों का उपवास करना होता है। उपवास रखने का और हल्का भोजन करने का ये क्रम तब तक चलता रहता है, जब तक कि इस उपवास को करने का मकसद पूरा न हो जाए।

दीर्घ उपवास- दीर्घ उपवास में पूर्णोपवास बहुत दिनों तक करना होता है, जिसके लिए कोई निश्चित समय पहले से ही निर्धारित नही होता। इसमे 21 से लेकर 50-60 दिन भी लग सकते हैं। अक्सर ये उपवास तभी तोड़ा जाता है, जब स्वाभाविक भूख लगने लगती है अथवा शरीर के सारे जहरीले पदार्थ पचने के बाद जब शरीर के जरूरी अवयवों के पचने की नौबत आ जाने की संभावना हो जाती है।

सावधानी : उक्त सभी उपवास का लक्ष्य शरीर के अलग-अलग भागों में इकट्ठे हुए जहरीले पदार्थों को बाहर निकाल कर मन और शरीर को मजबूत करने से है। कुछ लोग उपवास किसी सिद्धि को प्राप्त करने के लिए करते हैं तो कुछ लोग कठित तप, साधना और मोक्ष के लिए करते हैं।

प्रत्येक उपवास अलग-अलग मकसद के लिए किया जाता है और सभी के लाभ भी अलग-अलग होते हैं। आम जनता को उपवास के महत्व और मकसद को समझकर ही उपवास करना चाहिए। बिना तैयारी किए तथा बिना उपवास के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त किए उक्त उपवास नहीं करना चाहिए।

उपवास योगा का लाभ : किसी भी प्रकार का गंभीर रोग इस योग द्वारा समाप्त किया जा सकता है। शरीर सहित मन और मस्तिष्क को हमेशा संतुलित और स्वस्थ बनाए रखा जा सकता है। इससे व्यक्ति की आयु बढ़ती है तथा व्यक्ति जीतेंद्रिय कहलाता है।

खुद को रखें खुश

- व्यायाम, काम और आराम में तालमेल बैठाएँ।
- जीवन ईश्वर का दिया एक अनुपम उपहार है। सुबह ईश्वर को इस वरदान के लिए धन्यवाद देना चाहिए।
- सकारात्मक सोच से जीवन में चमत्कार हो सकता है। खुश रहना आपका जन्मसिद्ध अधिकार है।
- डे ड्रीमिंग यानी दिवास्वप्न आत्मविश्वास में इजाफा करते हैं। सो, बिंदास सपने देखे।
- संगीत का जादू मन का मौसम बदल देता है।
- रोना भी एक टॉनिक है। इसलिए कभी-कभी दिल भर आए तो रो लीजिए।
- स्पोर्ट्स, पेंटिंग्स, गार्डनिंग, टूरिज्म, म्यूजिक या रीडिंग हैबिट्स व हॉबीज विकसित करें।
- 'क्षमा करो भूल जाओ' यानी 'फॉरगिव एंड फॉरगेट' का सिद्धांत अपनाएँ।
- क्रिएटिव राइटिंग से नकारात्मक सोच कम होती है। मिल-जुलकर रहें और खुश रहें।
- इंटेलिजेंस, इमोशन्स और स्प्रिच्युएलिज्म में सही तालमेल बिठाएँ।
- प्रिकॉशन्स इज बैटर देन क्योर यानी उपचार से रोकथाम बेहतर है। समय, प्रयास और धन की दृष्टि से यह फंडा कारगर है।
- राष्ट्र की खुशहाली व उन्नति युवाओं की सेहत पर निर्भर करती है। अत: देश के युवाओं का दायित्व है कि वह हेल्थ और फिटनेस पर ध्यान दें।

क्या, कब और कैसे खाएं

- प्रात: बिना स्नान किए भोजन नहीं करना चाहिए।
- भोजन को धीरे-धीरे चबाकर खाना चाहिए।
- भोजन को कभी भी ठूंस-ठूंसकर नहीं खाना चाहिए। इससे कई रोग हो सकते हैं।
- भोजन तीन-चौथाई पेट ही करना चाहिए।
- भूख लगने पर पानी और प्यास लगने पर भोजन नहीं करना चाहिए, अन्यथा स्वास्थ्य को हानि पहुँचती है।
- जैसे खाने की आवश्यकता महसूस होने पर उसे पानी पीकर समाप्त करने की कोशिश या प्यास लगने पर कुछ भी खाकर प्यास को टाल देना।
- भोजन के बीच में प्यास लगने पर थोड़ा-थोड़ा करके पानी पीना चाहिए।
- भोजन के तुरंत पहले या अंत में तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए।
- हजार काम छोड़कर नियमित समय पर भोजन करें।
- बासी, ठंडा, कच्चा अथवा जला हुआ और दोबारा गर्म किया हुआ भोजन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी नहीं होता।
- भोजन पच जाने पर ही दूसरी बार भोजन करना चाहिए।
- प्रात: भोजन के बाद शाम को यदि अजीर्ण मालूम हो तो कुछ नर्म भोजन लिया जा सकता है।
- परंतु रात्रि को भोजन के बाद प्रात: अजीर्ण हो तो बिल्कुल भोजन नहीं करना चाहिए। भोजन के तुरंत बाद सोना नहीं चाहिए।

गुणों से भरपूर है गन्ना

आयरन व कार्बोहाइड्रेट की प्रचुर मात्रा होने के कारण गन्नो का रस तुरंत शक्ति व स्फूर्ति प्रदान करता है। इसमें ढ़ेर सारे खनिज तत्व व ऑर्गेनिक एसिड होने के कारण इसका औषधीय महत्व भी है। गन्नो का रस पेट, दिल, दिमाग, गुर्दे व आँखों के लिए विशेष लाभदायक है। गन्नो का रस हमेशा ताजा व छना हुआ ही पीना चाहिए।

- बुखार होने पर इसका सेवन करने से बुखार जल्दी उतर जाता है।
- एसीडिटी के कारण होने वाली जलन में भी गन्ने का रस लाभदायक होता है।
- गन्ने के रस का सेवन यदि नीबू के रस के साथ किया जाए तो पीलिया जल्दी ठीक हो जाता है।
- दुबले लोगों को भी गन्ने का रस काफी फायदा करता है।
- गन्ने को दाँतों से चूसकर खाने से कमजोर दाँत मजबूत होते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्य सार्धक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2026

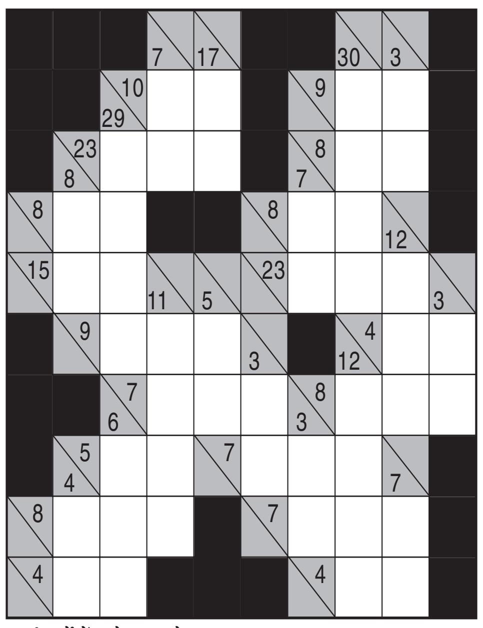

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

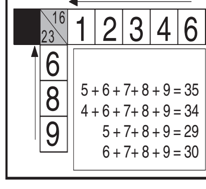

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 2025 का हल

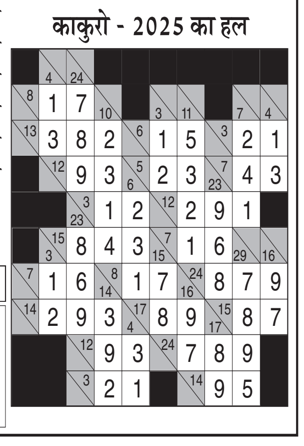

लॉफिंग जोन

रमन (नरेश से)- तुम्हारी पत्नी रोजाना घर में इतनी? खिटपिट करती रहती है। तुम इतना तनावपूर्ण वातावरण को कैसे सह लेते हो?

नरेश (बड़े इत्मीनान से बोला)- दोस्त! ऑफिस एक ऐसा स्थान है, जहाँ आप घर के तनावों से मुक्ति पाकर विश्राम कर सकते हैं। और रोजाना मैं भी वही करता हूँ।

□ □ □

रमन-चमन आपस मे बातें कर रहे थे।

रमन (चमन से)- मेरी पत्नी दूसरी मंजिल से गिर गई।

चमन- क्या वह मर गई?

रमन- नहीं यार, यह तो अच्छा हुआ कि वह बाल-बाल बच गई।

चमन- अरे यार, तुम केवल बालों का क्या करोगे।

□ □ □

रमन (मित्र से)- 'यार तेरा हाथ कैसे फ्रैक्चर हो गया?'

चमन- 'कल मैं तेज मोटरसाइकल चलाकर घर आ रहा था, तभी सामने से एक ट्रक आ गया। मैंने ब्रेक मारा और...।'

रमन- 'उसने तुझे टक्कर मार दी।'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2026

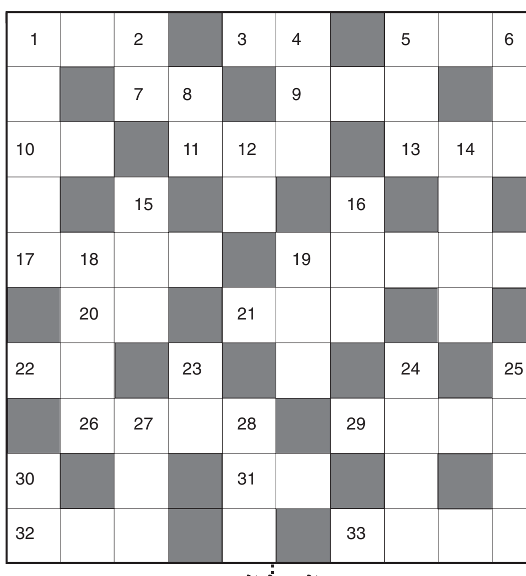

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2025

फा		द	ह	क		श	जू	चा	चा
गु	ला	म		री	ना		ही		ल
न		न	सी	ब		दा		जे	बा
	रॉ		मा		जु	ग	नू		ज
फ	की	र		क	र्मा		त	ब्बू	
र्ज		ज	ख्मी		ना	दा	न		ती
	बा	पू		शू		दा		द	स
म		त	ह	ल	का		द		र
क	र्ज		म		जो	शी	ला		कौ
ड़ी		मा	ला	मा	ल		ल	गा	न

सूडोकु -2026

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2025 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 2026

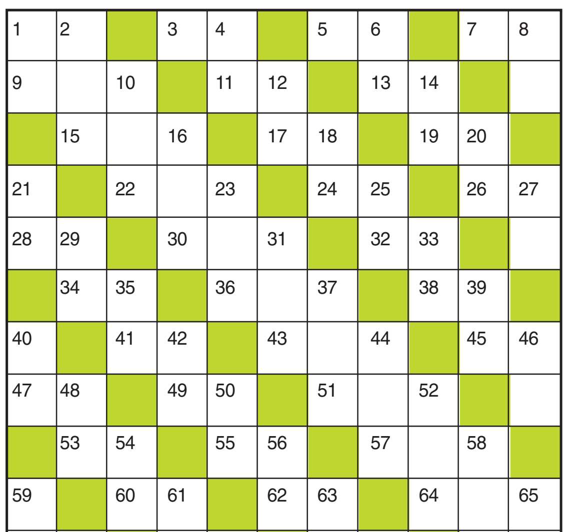

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -2025 का हल

	स	र	ग	ना		आ	म	रा	य	
फि		न	ज	ला		फि	क	र		त
त	ल		ल	य		स	र		ला	ल
र	ह	ना		क	हा	र		ज	ल	वा
त	र	सा	ना		ति		ज	ल	च	र
			र	ह	म	दि	ल			
ब	ग	दा	द		ता		न	ज	रा	ना
र	म	ल		स	ई	स		प	ह	रा
ग	ला		स	दा		ल	स		त	य
द		ग	ली	चा		वा	न	र		ण
	का	श्त	का	र		र	म	जा	न	

गुवाहाटी में रात 2 बजे तक खुली रहेंगी शराब की दुकानें: कैबिनेट का फैसला

एजेंसी

डिब्रूगढ़ (असम)। असम सरकार के मंत्रिमंडल की बैठक डिब्रूगढ़ में संपन्न हुई, जिसमें कई अहम फैसले लिए गए। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। कैबिनेट में शराब की दुकानों को लेकर बड़ा निर्णय लिया गया। अब गुवाहाटी में रात 2 बजे तक और अन्य स्थानों पर रात 12 बजे तक शराब की दुकानें खुली रहेंगी। नामरूप में यूरिया-अमोनिया परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया गया। इसमें भारत सरकार की 60 फीसदी और असम सरकार की 40 फीसदी हिस्सेदारी होगी। भारत सरकार की चार एजेंसियां इसमें भाग लेंगी। कैबिनेट में मोरान समुदाय के लिए विशेष निर्णय लिया गया। अरुणाचल प्रदेश में बसे मोरान समुदाय के लोगों को वहां स्थायी नागरिकता नहीं मिल रही है। इस मुद्दे के समाधान तक असम सरकार उन्हें पीआरसी (परमानेंट रेजिडेंट सर्टिफिकेट) नहीं देगी। स्वास्थ्य व शिक्षा क्षेत्र में सुधार को लेकर भी कैबिनेट में बड़े निर्णय लिए गए। मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में कई सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। अरुणाचल में बसे मोरान समुदाय को असम में आरक्षण का लाभ भी मिलेगा। एनएचएम कर्मचारियों व नर्सों के लिए विशेष फैसला कैबिनेट में लिया गया। सरकारी नियुक्तियों में आयु सीमा खत्म होगी, जिससे एनएचएम के कर्मचारी भी स्वास्थ्य विभाग की परीक्षाओं में बैठ सकेंगे।

पटना में राबड़ी देवी के आवास के बाहर लगे पोस्टर, नीतीश सरकार पर गंभीर आरोप

पटना । बिहार में राजद ने नीतीश कुमार की सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पटना में राबड़ी देवी के आवास के बाहर पोस्टर लगाए गए हैं, जिसमें नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की तीखी आलोचना की गई है। पोस्टर में लिखा गया है- यह सरकार 'धृतराष्ट्र की सरकार' है। पोस्टर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 'कुर्सी कुमार' के रूप में संबोधित किया गया है। राजद ने आरोप लगाया कि बिहार में अपराधियों का मनोबल बढ़ा है और यह स्थिति 18 वर्षों से सत्ता में काबिज एनडीए सरकार के कारण बनी है। पोस्टर में महिलाओं के खिलाफ हो रहे जघन्य अपराधों का भी जिक्र किया गया है, जिसमें विशेष रूप से नालंदा में एक महिला के पैरों में छह कील ठोकने जैसी क्रूर घटनाओं का उल्लेख है। इसके अलावा, राजद ने नीतीश कुमार की सरकार को '20 साल पुरानी खटारा सरकार' और 'निकम्मी भाजपा-जदयू सरकार' बताया है। आंकड़ों का हवाला देते हुए, राजद ने दावा किया कि नीतीश सरकार के तहत बिहार में 60,000 हत्याएं और 25,000 बलात्कार की घटनाएं हुई हैं। इससे पहले बिहार विधान परिषद में प्रदेश की कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति का आरोप लगाते हुए विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी सदन में ही मौजूद थे। विपक्ष ने सरकार के विरोध में नारेबाजी भी की।

नीतीश कुमार का भाजपा विधायक पवन जायसवाल ने किया बचाव, बोले राजद को ही राष्ट्रगान का नहीं ज्ञान

पटना । भाजपा विधायक पवन जायसवाल ने राष्ट्रगान के अपमान को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का बचाव किया और राजद पर भी जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि राजद को राष्ट्रगान का बिल्कुल भी ज्ञान नहीं है। इन लोगों को संघ से प्रशिक्षण लेने की जरूरत है, तब जाकर यह लोग राष्ट्रवाद की असली परिभाषा के बारे में जान पाएंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान चल रहा था, तब नीतीश कुमार जी को लगा कि उन्हें दीपक जी से कुछ पूछना है, तो उन्होंने पूछ दिया या सामने से किसी ने प्रणाम किया, तो उन्होंने इसका अभिवादन कर दिया। इसे आप राष्ट्रगान का अपमान मत कहिए। उन्होंने कहा कि जैसे ही नीतीश कुमार को एहसास हुआ कि राष्ट्रगान चल रहा है, तो वे फौरन राष्ट्रगान की मुद्रा में आ गए। उन्होंने कहा कि राजद के सभी नेताओं की मानसिक जांच कराकर एक हेल्थ बुलेटिन जारी किया जाना चाहिए, ताकि यह साफ हो सके कि किसकी मानसिक स्थिति कैसी है। विधायक ने कहा, यह घटना किसी गलती से हुई थी, लेकिन इसे राष्ट्रगान का अपमान कहना गलत है। नीतीश कुमार कई दशकों से बिहार के मुख्यमंत्री हैं और इस तरह की छोटी-मोटी घटनाएं कभी-कभी हो जाती हैं।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस विधायकों से भेदभाव, विकास निधि सिर्फ भाजपा विधायकों को दी जा रही : जीतू पटवारी

भोपाल। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य सरकार पर कांग्रेस विधायकों को विकास निधि दिए जाने में भेदभाव बरतने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखा है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष पटवारी ने मुख्यमंत्री यादव को पत्र लिखते हुए कहा, राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में विकास निधि के आवंटन में गंभीर भेदभाव किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी के विधायकों को विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए 15 करोड़ रुपये की निधि प्रदान की जा रही है, जबकि कांग्रेस पार्टी के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के क्षेत्रों को इस विकास निधि से वंचित रखा जा रहा है। यह न केवल जनप्रतिनिधियों के साथ अन्याय है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मर्यादाओं का भी खुला उल्लंघन है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने अपने पत्र में कहा है कि सरकार पक्षपातपूर्ण संकीर्ण राजनीति कर रही है।

भाषा को लेकर विभाजन के खिलाफ सामाजिक संगठनों को आगे आना चाहिए : संघ

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि भाषा के नाम पर देश में चल रही विभाजन की राजनीति को काटने के लिए सामाजिक संगठनों को आगे आना चाहिए। वहीं परिसीमन के मुद्दे पर उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत के विषय पर संघ ने कहा है कि गृहमंत्री इस संबंध में आश्वासन दे चुके हैं कि लोकसभा सीटों का अनुपात पहले के समान ही रहेगा। संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की आज से कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में शुरू तीन दिवसीय बैठक में संघ के कार्य विस्तार और दृढ़ीकरण का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। बैठक (21-23 मार्च) का शुभारम्भ आज प्रातः 9:00 बजे सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भारत माता के चित्र पर पुष्पार्चन कर किया। बैठक में लगभग 1450 प्रतिनिधि उपस्थित

हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह सीआर मुकुंद ने बेंगलुरु में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि संघ मणिपुर में मैतई और कुकी दोनों समुदायों के बीच कई गतिविधियां चलाता है और इनके माध्यम से दोनों जनजातीय समूह में शांति के प्रयास के लिए कार्यरत है। उन्होंने कहा कि मणिपुर की स्थिति में सुधार हो रहा है लेकिन अभी भी काफी समय लगेगा। भाषा के नाम पर हो रही राजनीति और नई शिक्षा नीति में तीन भाषा फार्मूले पर संघ ने कहा कि संघ मातृ भाषा को बढ़ावा देने और उसमें शिक्षा दिए जाने का पक्षधर है। साथ ही वह स्वयंसेवकों और समाज को अन्य भारतीय भाषाओं को भी सीखने के लिए प्रेरित करता है। संघ संगठन क्षमता की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि देशभर में एक करोड़ से अधिक स्वयंसेवक हैं और इनमें से करीब 6 लाख प्रतिदिन शाखा जाते हैं। इसके अतिरिक्त भी कई स्वयंसेवक विविध क्षेत्रों में संघ प्रेरित संगठनों में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में देश भर के 73,646 स्थान पर संघ की गतिविधियां चल रही हैं। इनमें से 51,710 स्थान पर दैनिक गतिविधियां और 21,936 स्थान पर साप्ताहिक गतिविधियां चल रही हैं। 83,139 शाखाएं देश भर में चल रही हैं। पिछले साल के मुकाबले लगभग 10 हजार शाखाएं बढ़ी हैं।

उत्तराखंड में 110 मदरसों पर लगा ताला

एजेंसी

देहरादून। धामी सरकार का उत्तराखंड में अवैध मदरसों के खिलाफ एक्शन लगातार जारी है। अब तक पूरे राज्य में 110 मदरसों को सील किया जा चुका है। उधम सिंह नगर जनपद में 16 और हरिद्वार में दो अवैध मदरसों को सील कर दिया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का संदेश साफ है कि प्रदेश के मूल स्वरूप के साथ किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो भी धर्म की आड़ में अवैध गतिविधियों में संलिप्त होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पिछले एक माह से उत्तराखंड प्रशासन अवैध मदरसों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रहा है। यह मदरसे बिना सरकार की अनुमति के संचालित किया जा रहे थे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस पर कड़ा रुख अपनाया है। इसका व्यापक असर भी देखने को मिल रहा है। पूरे प्रदेश में अवैध मदरसों के खिलाफ व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन ने इस बात की भी जांच शुरू कर दी है कि इतने बड़े पैमाने पर संचालित हो रहे इन अवैध मदरसों के

पीछे किसका हाथ है और यहां पर छात्रों को किस प्रकार की तालीम दी जा रही थी। रुद्रपुर में 4, किच्छा में 8, बाजपुर में तीन, जसपुर में एक और हरिद्वार में दो मदरसों को सील किया गया है। इससे पहले देहरादून, पौड़ी में भी बड़े स्तर पर अवैध मदरसों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 92 मदरसों को सील किया जा चुका है।

मणिपुर में बड़ी संख्या में हथियार और विस्फोटक बरामद

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के विभिन्न जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने व्यापक अभियान चला कर बड़ी संख्या में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किया है। मणिपुर पुलिस के प्रवक्ता ने आज यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, लमसांग थाना क्षेत्र (इंफाल पश्चिम) के अपुनलोक कैनाल (कांगचुप और सिंगदा कडंगबंद के बीच) में तलाशी के दौरान एक एसएलआर रायफल (मैगजीन सहित), एक पिस्तौल (मैगजीन सहित), 10 कारतूस, दो एचई ग्रेनेड (इग्नाइटर सेट के बिना), दो मिलिट्री हेलमेट, दो बुलेटप्रूफ जैकेट, चार स्थानीय निर्मित आयरन बुलेटप्रूफ प्लेट, दो बाओफेंग वायरलेस हैंडसेट (बिना बैटरी) बरामद किए गए। इसके अलावा थौबल जिले के याइरिपोक ग्वारोक क्षेत्र (याइरिपोक थाना) में दो एसएलआर (मैगजीन सहित) और 20 कारतूस (.303 बोर) बरामद किए गए। कांगपोकपी जिले के कांगचुप थाना क्षेत्र के के. गेलजांग और के. पाटबुंग गांव में दो रायफल (7.62 मिमी, मैगजीन सहित), तीन कारतूस (7.62 मिमी), एक रायफल (.303 बोर,

मैगजीन सहित), एक स्थानीय निर्मित पिस्तौल (.315 बोर, मैगजीन सहित), एक एयर पिस्तौल (.22 बोर, एक खाली केस के साथ), एक पोम्पी गन, 09 कारतूस (12 बोर), पांच बाओफेंग रेडियो सेट, तीन रेडियो सेट चार्जर बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि जिरीबाम जिले के उचाथोल मयाई लीकाई (जिरीबाम थाना) में तलाशी के दौरान 100 स्टारडाइन-901 विस्फोटक छड़ें (12.5 किलोग्राम), 20 कारतूस (5.56 मिमी) और दो प्लास्टिक बैग मिले है। मौलजॉल और बिन्सेलू रबर प्लांटेशन क्षेत्र (जिरीबाम जिला) में पांच देसी सिंगल बैरल गन, एक देसी 12 बोर गन, एक देसी पिस्तौल, दो पोम्पी गन, छह पोम्पी बम, एक आईईडी (रिमोट और इलेक्ट्रिकली इनिशिएटेड) और दो जिलेटिन स्टिक बरामद की गई।

जबलपुर से इंदौर का सफर पांच घंटे में होगा पूरा, इटारसी-बुदनी-खातेगांव होकर बनाई जा रही नई रेल लाइन

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के जबलपुर से इंदौर का रेल सफर आने वाले समय में पांच घंटे में पूरा होगा। ऐसा इटारसी-बुदनी-खातेगांव होकर बनाई जा रही नई रेल लाइन से संभव होगा। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी देवेन्द्र ओगारे ने दी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि जबलपुर से इंदौर के बीच नई रेल लाइन गाडवारा-बुदनी होकर नहीं इटारसी-बुदनी-खातेगांव होकर बनाई जा रही है। यह लाइन इंदौर-देवास रेल लाइन में मांगलिया गांव के पास जुड़ेगी। इस रास्ते में भोपाल नहीं पड़ेगा। इस नई लाइन के बनने के बाद जबलपुर से इंदौर के बीच सफर आसान हो जाएगा। इससे जबलपुर और इंदौर के बीच की दूरी 150 किलोमीटर तक कम हो जाएगी और जबलपुर से इंदौर आने-जाने में दो घंटे का समय बचेगा। उन्होंने बताया कि रेल अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में नर्मदापुरम के सांसद दर्शन सिंह चौधरी द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में जबलपुर से इंदौर (वाया गाडरवारा एवं बुधनी) तक बनने वाली 342 किलोमीटर लंबी रेल लाइन परियोजना की वर्तमान स्थिति और प्रगति के बारे में जानकारी दी। रेल मंत्री वैष्णव ने बताया कि इंदौर (मांगलियागांव) और बुदनी के बीच (205 किलोमीटर) नई रेल लाइन के लिए 3261.82 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। मार्च-2024 तक इस परियोजना के लिए 948.37 करोड़ रुपये व्यय किए जा चुके हैं तथा वर्ष 2024-25 के लिए इस परियोजना के लिए 1107.25 करोड़ रुपये का परिव्यय आवंटित किया गया है। गाडरवारा और बुधनी के बीच (137 किमी) काम आगे नहीं बढ़ाया जाना तर्क संगत नहीं हैं, क्योंकि गाडरवारा से बुधनी दोनों पहले से ही मौजूदा नेटवर्क के माध्यम से वाया इटारसी से जुड़े हुए हैं और दोनों स्थानों के बीच दूरी में कोई महत्वपूर्ण कमी नहीं है। इसलिए केवल इंदौर (मांगलियागांव) और बुदनी के बीच नई रेल लाइन परियोजना पर कार्य प्रगति पर हैं।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना से इंदौर से मुंबई और दक्षिण भारत के यात्रा समय में कमी आएगी। भोपाल और इटारसी के व्यस्त मार्ग (घाट सेक्शन – बुधनी से बरखेड़ा) को बायपास कर बुधनी को इंदौर से सीधे जोड़ा जाएगा। यह रेल लाइन बुधनी के मौजूदा यार्ड से शुरू होकर इंदौर के पास पश्चिम रेलवे के मांगलियागांव स्टेशन से जुड़ेगी। रेल लाइन सीहोर, देवास एवं इंदौर जिलों को जोड़ेगी। यह रेललाइन भैरूंदा, खातेगांव और कन्नौद जैसे कस्बों/गांवों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी, जहां वर्तमान में कोई रेल संपर्क नहीं हैं। इस परियोजना से औद्योगिक विकास, सामाजिक-आर्थिक, रोजगार सृजन और बेहतर परिवहन सुविधाओं के माध्यम से इस क्षेत्र का समग्र विकास होगा।

बिहार के बेगूसराय में अपराधियों ने केंद्रीय राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी के मामा को मारी गोली

एजेंसी

पटना। बिहार के बेगूसराय में अपराधियों ने केंद्रीय राज्य मंत्री और मुजफ्फरपुर के सांसद डॉ. राजभूषण चौधरी के मामा मलिक सहनी को गुरुवार देररात गोली मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सदर अस्पताल बेगूसराय में भर्ती कराया गया है। यह घटना चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी गांव स्थित भगवती स्थान चौक की है। मलिक सहनी अपनी दुकान बंद कर रहे थे, तभी फायरिंग हुई और गोली उन्हें लग गई। पुलिस के मुताबिक, मलिक सहनी दुकान बंद कर लौट रहे थे तभी हथियारबंद अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस दौरान एक गोली सहनी के पैर में लग गई और वह बेहोश होकर वहीं गिर गए। इसके बाद अपराधी हथियार लहराते हुए फरार हो गए। सहनी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि मलिक सहनी केन्द्रीय राज्यमंत्री डॉ. राज भूषण चौधरी के चचेरे मामा हैं। पीड़ित ने पुलिस को बताया है कि पिछले दिन उनके पुत्र के साथ किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद के कारण अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया है। सहनी के पुत्र विशाल कुमार ने बताया कि एक दिन पहले ही गांव के रहने वाले अपराधी ने रंगदारी मांगी थी। रंगदारी न देने पर उसने गालियां दी और मारपीट की। बीती रात तीन अपराधी एक बाइक से आए और अंधाधुंध फायरिंग की। एक गोली उनके पिता को लग गई। एसपी मनीष ने आज बताया कि तीन बदमाशों को हथियार के साथ गिरफ्तार कर लिया गया गया। एक बाइक जब्त कर ली गई।

हर की पौड़ी पर गूंजा वेदों का मंगलस्वर: 62वें अखिल भारतीय शास्त्रोत्सव ने रचा नया इतिहास

एजेंसी

हरिद्वारद्ध केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,नई दिल्ली द्वारा आयोजित 62वें अखिल भारतीय शास्त्रोत्सव के अंतर्गत, पतंजलि विश्वविद्यालय की मेजबानी में विश्वप्रसिद्ध हर की पौड़ी पर भव्य आयोजन में सामूहिक रूप से शास्त्रों के श्रावण के बीच हुई भव्य गंगा आरती ने एक विश्व कीर्तिमान रच दिया। संध्याकाल में सम्पन्न यह केवल एक साधारण आध्यात्मिक आयोजन नहीं था, बल्कि एक ऐतिहासिक क्षण था, जब देश के कोने-कोने से पहुंचे हजारों विद्वानों और श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से शास्त्रों का श्रावण किया और एक साथ गंगा आरती में भाग लेकर एक विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की ऋचाएँ, उपनिषदों के श्लोक, भगवद्गीता के

संदेश और योगसूत्रों के गूढ़ वचन— यह सब मिलकर एक ऐसा दिव्य महासंगीत प्रस्तुत कर रहे थे, जिसमें अध्यात्म, दर्शन और भक्ति की त्रिवेणी का संगम स्पष्ट झलक रहा था। शास्त्र श्रावण के उपरांत, जैसे ही गंगा आरती का शुभारंभ हुआ, पूरा वातावरण मंत्रमुग्ध हो गया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं गंगा माता अपने भक्तों की श्रद्धा को स्वीकार कर रहीं हों। यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी जड़ों की ओर लौटने का एक प्रयास था। इससे यह सिद्ध हुआ कि भारतीय सभ्यता आज भी वेदों की ऋचाओं, योग की साधना, और आयुर्वेद के ज्ञान के साथ विश्व को मार्गदर्शन दे सकती है। इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव ने कहा कि शास्त्र केवल शब्द नहीं, यह अमृत ज्ञान है। जब तक भारत अपनी संस्कृति और सनातन परंपरा को अपनाएगा, तब तक विश्व में आध्यात्मिकता और शांति का प्रवाह बना रहेगा। इसके साथ ही उन्होंने सनातन का उदघोष करते हुए समर्थ और संगठन होकर विकसित भारत बनाने की बात कही। पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति और आचार्य बालकृष्ण ने संध्या आरती और शास्त्र श्रावण को विशेष बताते हुए सनातन धर्म को जीवन में उतारने की बात कही।

भारत को विकसित बनाने का पहला पड़ाव गांवों को विकसित बनाना है : नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

भावनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भावनगर जिले के बावलियाली गांव में संत श्री नगालखा बापा-ठाकर धाम के पुनः प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में वीडियो संदेश से श्रद्धालुओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भरवाड समाज की गौसेवा और प्रकृति प्रेम की सराहना की। प्रधानमंत्री ने समाज के लोगों से विकसित भारत बनाने में योगदान देने की अपील की। मोदी ने कहा कि भारत को विकसित बनाने का पहला पड़ाव गांव को विकसित बनाने का है। आज प्रकृति और पशुधन सेवा हमारा सहज धर्म है। मोदी ने कहा कि 25 वर्ष में विकसित भारत बनाना है। इसके लिए समाज की मदद जरूरी है। प्रधानमंत्री ने केन्द्र सरकार की योजना का जिक्र करते हुए कहा कि फुट एंड माउथ डिजिज

में पशुओं को लगातार वैक्सीन लेना रहता है। यह करुणा का काम है, इसे जरूर कराएं। दूसरी योजना का जिक्र कर मोदी ने कहा कि किसानों के बाद अब पशुपालकों को भी क्रेडिट कार्ड दिया जाएगा। इससे पशुपालकों को कम ब्याज पर बैंक से रुपये मिलेंगे। गाय के देशी नस्ल को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन का संचालन किया जा रहा है। उन्होंने पशुपालकों को इन योजनाओं का लाभ लेने को कहा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाने, प्रकृति खेती अपनाने आदि संबंध में भी बात की। इससे पूर्व प्रधानमंत्री ने प्रयागराज में हुए महाकुंभ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक महाकुंभ के पुण्य अवसर पर महंत रामबापु को महामंडलेश्वर की पदवी मिलना हम सभी के लिए गौरव की बात है। पिछले एक सप्ताह से भावनगर की यह धरती मानो भगवान श्रीकृष्ण की वृंदावन बन गई है। भाईजी की भागवत कथा ने इसमें सोना में सुगंध पैदा कर दिया। पूरा वातावरण भगवान श्रीकृष्ण के रस से सराबोर हो गया। बावलिया का धाम एक धार्मिक स्थान नहीं है बल्कि भरवाड समाज समेत अनेकों के लिए यह आस्था, संस्कृति और एकता की प्रतीक भूमि भी है। नगा लाखा ठाकर की कृपा से यह पवित्र स्थान हमेशा सच्ची दिशा, उत्तम प्रेरणा का विरासत मिला है। इस धाम में नगा लाखा ठाकर की पुनःप्राण प्रतिष्ठा अनमोल अवसर पैदा करता है। प्रधानमंत्री ने धंधुका आदि क्षेत्रों में पानी की कमी का उल्लेख कर इसु बापु के सेवा कार्य का उल्लेख किया।

पिछले एक माह में चुनाव प्रक्रिया को मजबूत बनाने को हुए साहसी प्रयास : चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के 26वें मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के रूप में कार्यभार संभाले हुए ज्ञानेश कुमार को आज एक माह पूरा हो गया। इस संबंध में आयोग ने उनके नेतृत्व में एक माह में चुनाव प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए हुए प्रयासों का ब्यौरा दिया है। आयोग का कहना है कि एक महीने के भीतर कुमार ने चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ मिलकर चुनाव प्रणाली को बीएलओ स्तर तक एक मजबूत दिशा में काम किया है। इसका उद्देश्य सभी मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करना और मतदान केंद्रों पर उनके अनुभव को सुखद बनाना है।आयोग ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि प्रमुख हितधारक होने के नाते राजनीतिक दलों को भी जमीनी स्तर पर

शामिल किया जा रहा है। आयोग का कहना है कि यह इस बात की पुष्टि की है कि लगभग 100 करोड़ मतदाता हमेशा लोकतंत्र के स्तंभ के रूप में खड़े हैं। यूआईडीएआई और ईसीआई के विशेषज्ञों के बीच तकनीकी परामर्श जल्द ही शुरू होने वाला है। हालांकि एक मतदाता केवल निर्दिष्ट मतदान केंद्र में ही मतदान कर सकता है और कहीं और नहीं, आयोग ने ईपीआईसी नंबरों में देश भर में डुप्लिकेट को हटाने और 3 महीने के भीतर दशकों से चली आ रही समस्या को समाप्त करने का संकल्प लिया है। मतदाता सूची को नियमित रूप से अपडेट करने के लिए जन्म और मृत्यु पंजीकरण अधिकारियों के साथ समन्वय को मजबूत किया जाएगा। आयोग की राजनीतिक दलों के साथ बातचीत में यह स्पष्ट किया गया कि ड्राफ्ट निर्वाचक सूची में किसी भी समावेश या विलोपन को दावे और आपत्तियों के कानूनी प्रावधानों के तहत तय किया जाता है, जो 1950 के प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत सभी राजनीतिक दलों के लिए उपलब्ध हैं। ऐसी अपीलों के अभाव में, ईआरओ द्वारा तैयार की गई सूची ही लागू मानी जाएगी। उल्लेखनीय है कि 7 मार्च, 2025 को चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया था कि 6-10 जनवरी, 2025 तक विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) अभ्यास पूरा होने के बाद केवल 89 प्रथम अपील और केवल एकमात्र द्वितीय अपील दायर की गई थी।

रामनवमी से पहले तैयारियों का जायजा लेंगे मुख्यमंत्री

एजेंसी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एकदिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचेंगे। वह तकरीबन पांच घंटे तक रामनगरी में रहेंगे। दर्शन-पूजन के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे और अयोध्या के विकास के साथ-साथ रामनवमी की तैयारियों को लेकर अफसरों के साथ मंथन करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सुबह करीब साढ़े नौ बजे अयोध्या पहुंचेंगे। वे सबसे पहले हनुमानगढ़ी, फिर श्रीरामलला के दर्शन पूजन करेंगे। इसके उपरांत राजसदन में लिटरेचर फेस्टिवल में शामिल होंगे। इसके बाद रामकथा पार्क में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत संयुक्त क्रेडिट कार्ड कैम्प में शामिल होकर प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। यहां से आयुक्त कार्यालय सभागार पहुंचकर समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद प्रयागराज मार्ग स्थित लधानी ग्रुप ऑफ कम्पनीज के बॉटलिंग प्लांट का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से लखनऊ प्रस्थान कर जाएंगे।

1100 से अधिक को देंगे ब्याज मुक्त ऋण

सीएम योगी मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत रामकथा पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अयोध्या मंडल के 11 सौ से अधिक पात्रों को लगभग 50 करोड़ का ब्याज मुक्त ऋण प्रदान करेंगे। दरअसल युवाओं को उद्यम की तरफ उन्मुख कर उन्हें स्वावलंबी और रोजगार प्रदाता बनाने की सीएम की यह दूरदर्शी व महत्वाकांक्षी योजना है। यह योजना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकता में भी है। इसे 24 जनवरी को लांच किया गया था।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर और कांकेर मुठभेड़ में अब तक 30 नक्सली ढेर

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर के अंड्री जंगल और कांकेर जिले के नारायणपुर सरहदी क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 30 नक्सली ढेर हो गए जबकि एक जवान बलिदानी हो गया। बीजापुर जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र अंतर्गत नक्सलियों के कोर सरहदी इलाके बीजापुर-दंतेवाड़ा सीमा पर अंड्री के जंगल में आज सुबह 7 बजे से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच चल रही मुठभेड़ में अभी तक 26 नक्सली मारे गए हैं जबकि डीआरजी के एक जवान का बलिदान हो गया। इस मुठभेड़ में

नक्सलियों के बड़े कैडर्स के मारे जाने की संभावना जताई गई है। वहीं कांकेर-नारायणपुर के सरहदी इलाके में नक्सलियों की उपस्थिति की पर सर्चिंग अभियान पर संयुक्त पुलिस बल रवाना हुई थी। इस इलाके में भी आज सुबह से डीआरजी और बीएसएफ की संयुक्त पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुए में अभी तक 4 नक्सलियों के शव और आटोमैटिक हथियार सहित अन्य नक्सल सामग्री बरामद की गयी है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बीजापुर एवं कांकेर जिले में जारी मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि बीजापुर से 26 नक्सललियों के शव और कांकेर जिले से 4 नक्सलियों के शव सहित मुठभेड़ स्थल से बड़ी मात्रा में हथियार और गोला बारुद के साथ अब तक 30 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गये हैं। क्षेत्र में मुठभेड़ के साथ ही सर्चिंग अभियान जारी है, विस्तृत जानकारी पृथक से दी जाएगी।

हेल्दी स्किन चाहते हैं खाने की इन चीजों से करें परहेज

कौन नहीं चाहता है कि उसका स्किन हेल्दी और चमकदार हो? हां, हम सभी स्किन को स्वस्थ्य रखना चाहते हैं लेकिन इसके लिए हमें उचित भोजन करने की आवश्यकता है। हमारा स्किन हमारे शरीर का सबसे सेंसेटिव पार्ट है। अगर हम कुछ वैसा खाते है जो हमारे शरीर के लिए फिट नहीं है तो इसका असर तुरंत हमारे स्किन पर दिखाई देने लगता है। हेल्दी स्किन के लिए गुड डाइट और उचित भोजन की आदत बहुत महत्वपूर्ण है। पुअर डाइट से ड्राय स्किन और मुंहासा हो सकता है। नीचे कुछ फूड आइटम्स दिये गये हैं जो स्किन के लिए हानिकारक है-

कैंडी

अगर आप अपने स्किन को हेल्दी रखना चाहते हैं तो ज्यादा कैंडी नहीं खाएं। क्योंकि इसमें सुगर ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। सुगर ज्यादा खाने से हमारा स्किन डल और झुर्रीदार हो सकता है।

साल्ट

अगर आप हेल्दी स्किन चाहते हैं तो ज्यादा नमक और नमकीन फूट आइटम खाना बंद करें। क्योंकि यह हानिकारक है। इससे शरीर में तरल पदार्थ की मात्रा बढ़ जाती है और बॉडी में स्वेलिंग होने का खतरा रहता है औ र सूजा हुआ दिखने लगता है। यह स्किन की बनावट को खराब कर देता है।

कैफीन

अगर आप हेल्दी स्किन चाहते हैं को कॉफी, चाय और कोला इत्यादि का सेवन कम करें क्योंकि इसमें कैफीन पाया जाता है। कैफीन शरीर में कॉर्टिसॉल का प्रोडक्शन करता है और इस प्रकार यह स्किन को पतला करके उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को बढ़ता है। साथ ही कैफीन स्किन में पाये जाने वाले पानी को कम कर देता है जिससे झुर्री होने की संभानवा बढ़ जाती है।

प्रोसेस्ड फूड

प्रोसेस्ड फूड को नजरंदाज करना चाहिए क्योंकि इसमें अध्यधिक मात्रा में नमक और सोडियम पाया जाता है जो हमारे स्किन के लिए अच्छा नहीं है। प्रोसेस्ड फूड में पानी कम मात्रा में पाया जाता है।

दूध

हम सभी जानते है कि दूध हमारे स्वास्थ्य के लिए अच्छा है। लेकिन यह हमारे स्किन के लिए लाभदायक नहीं होता है। अत्यधिक दूध पीने से मुंहासा हो सकता है। क्योंकि दूध में ग्रोथ हार्मोस और इन्फ्लैमेटरी पदार्थ पाया जाता है। जो स्किन के छिद्र को बंद कर देता है।

शेल्फिश

भोजन में झींगा, केकड़ा, झींगा मछली का ज्यादा सेवन ना करें क्योंकि इनमें अधिक मात्रा में आयोडीन पाया जाता है। भोजन में इनके ज्यादा इस्तेमाल से मुंहासा हो सकता है।

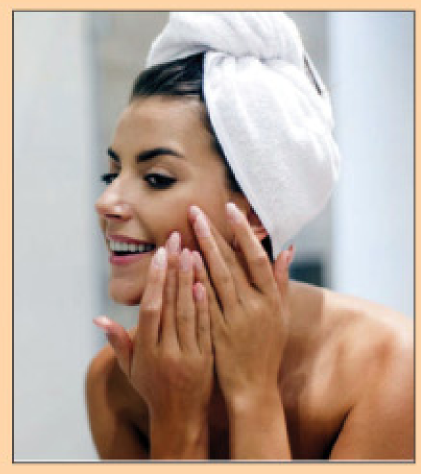

मुहांसों से मुक्ति दिलाए ये 5 घरेलू उपाय

अगर आप मुहांसों की समस्या से परेशान हैं तो घरेलू उपाय इसके लिए बेहद कारगर होते हैं। पेश है पांच घरेलू उपाय जिन्हें अपनाकर आप मुहांसों से छुटकारा पा सकते हैं।

चंदन : चंदन मुहांसों के लिए रामबाण की तरह काम करता है। चंदन मुहांसो को शीतलता प्रदान करता है जिससे जल्द ठीक होने में मदद मिलती है। इसलिए मुहांसों को ठीक करने के लिए चंदन का उपाय बेहतरीन उपायों में से एक है।

संतरे का छिलका : संतरे का छिलका मुहासों को ठीक करने के लिए बेहतर माना जाता है। इसमें विटामिन सी होता है जिससे त्वचा के कई रोग मुहांसों आदि को ठीक करने में मदद मिलती है। इससे मुहासों से मुक्ति के अलावा त्वचा की चमक भी बनी रहती है।

मुल्तानी मिट्टी : मुल्तानी मिट्टी का उपयोग कर भी आप मुहासों से छुटकारा पा सकते है। तैलीय त्वचा के लिए मुल्तानी मिट्टी के इस्तेमाल से मुहांसे जल्द ठीक होते हैं। इससे त्वचा के रोमछिद्र भी खुल जाते हैं।

नींबू : अगर आप मुहांसों की समस्या से परेशान हैं तो इससे छुटकारा पाने के लिए नींबू बेहद कारगर है। नींबू के रस में विटामिन सी होता है जिससे मुहांसों से जल्द मुक्ति मिलती है।

एलोवेरा : एलोवेरा त्वचा के लिए बेहतर माना जाता है और इससे भी मुहांसों को ठीक करने में मदद मिलती है।

रिफाइंड से बेहतर है पारंपरिक भारतीय खाद्य तेल, जानिये क्यों

विशेषज्ञों ने कहा है कि घी, नारियल तेल और सरसों तेल जैसे खाना पकाने के पारंपरिक भारतीय तेल आधुनिक समय के 'रिफाइंड' या जैतून के तेल से ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक हैं। गंगा राम अस्पताल के हृदय रोग विभाग के डॉ एससी मनचंदा ने बताया, 'खाना पकाने का तेल भारतीय आहार का एक अभिन्न हिस्सा है।'

लोगों को आमतौर पर बाजार में उपलब्ध कई तरह के खाद्य तेलों से स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि खाना पकाने की भारतीय विधियों (जिनमें तलना शामिल है) में घी, नारियल तेल और सरसों तेल जैसे हमारे परंपरागत तेल स्वास्थ्य लाभों के मामले में 'रिफाइंड' और अन्य तेलों से बेहतर हैं।

यह अवलोकन इंडियन हर्ट जर्नल में एक संपादकीय में किया गया है। जन स्वास्थ्य पोषण कंसलटेंट संतोष जैन पास्सी ने बताया कि रिफाइंड तेलों से दूर रहने की सलाह दी जाती है क्योंकि रिफाइनिंग की प्रक्रिया में तेल को अत्यधिक तापमान पर गर्म किया जाता है जिससे उनका क्षरण होता है और जहरीले पदार्थ पैदा होते हैं।

उन्होंने बताया, 'रिफाइंड तेल तेजी से खराब हो जाते हैं और इसलिए उन्हें तलने से बचना चाहिए। इसके उलट संतृप्त वसाओं (जैसे घी, नारियल तेल) को भारतीय व्यंजन पकाने में इस्तेमाल किया जा सकता है क्योंकि वे तलने के दौरान तुलनात्मक रूप से स्थिर रहते हैं।'

अपने दिमाग को मजबूत बनाने के लिए खाएं ये सुपरफूड्स!

हरी फूलगोभी- मस्तिष्क के फंक्शन के लिए ब्राकली काफी फायदेमंद माना जाता है। इसमें कोलीन की ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। कोलीन मस्तिष्क में नए सेल्स बनाता है।

बादाम - हर किसी को रोजाना मुट्ठी भर बादाम, मूंगफली, अखरोट और काजू खाना चाहिए। इनमें विटामिन ई पाया जाता है जो मस्तिष्क के फंक्शन को बेहतर बनाता है।

अंडे- हम सभी को पाता है अंडा सेहत के लिए फायदेमंद होता है लेकिन यह मस्तिष्क के लिए भी काफी उपयोगी है। अंडे में कोलीन भी पाया जाता है जो शॉर्ट टर्म मेमोरी फंक्शन में काफी जरूरी है।

मछली- मस्तिष्क के विकास के लिए मछली का सेवन महत्वपूर्ण माना जाता है। मछली के वसा में ओमेगा 2 एसिड मिलता है जो मस्तिष्क के विकास और उसके फंक्शन में काफी मददगार साबित होता है।

अगर आप माइग्रेन से हैं परेशान तो 'विटामिन' को ना करें नज़रअंदाज़!

माइग्रेन एक ऐसी समस्या है जिससे जूझने वाला ही इसकी तकलीफ को बता सकता है, अगर आपमें माइग्रेन के लक्षण दिखे, तो विटामिन की जांच करा लें, क्योंकि नए शोध के मुताबिक कुछ विटामिन की कमी से भी बच्चों, किशोरों व वयस्कों में माइग्रेन रोग हो सकता है। शोधकर्ताओं के निष्कर्ष में इस बात का खुलासा हुआ है कि माइग्रेन से पीड़ित अधिकांश किशोरों व वयस्कों में विटामिन डी, राइबोफ्लेबिन तथा कोइंजाम क्यू10 की कमी पाई गई। लड़कों की तुलना में लड़कियों में कोइंजाइम क्यू10 की कमी की संभावना होती हैं, जबकि पुरुषों में विटामिन डी की कमी की संभावना अधिक होती है।

अमेरिका स्थित सिनसिनाती चिल्ड्रेन्स हॉस्पिटल मेडिकल सेंटर में मुख्य शोधकर्ता सुजेन हगलर ने कहा, 'इस बात पर अभी और अध्ययन करने की जरूरत है कि माइग्रेन की अवस्था में विटामिन के सेवन से आराम पहुंचता है या नहीं।'

इससे पहले के अध्ययन में यह साबित हो चुका है कि शरीर में कुछ विटामिनों की कमी से माइग्रेन रोग हो सकता है। निष्कर्ष अमेरिका के सैन डिएगो में हाल में अमेरिकन हेडेक सोसायटी के वैज्ञानिकों की सालाना 58वीं बैठक के दौरान प्रस्तुत किया गया।

बहुत तकलीफदेह होता है माइग्रेन

इसका शिकार होने पर सिर के आधे हिस्से में दर्द रहता है। जबकि आधा दर्द से मुक्त होता है। जिस हिस्से में दर्द होता है, उसकी भयावह चुभन भरी पीड़ा से आदमी ऐसा त्रस्त होता है कि सिर क्या बाकी शरीर का होना भी भूल जाता है।

माइग्रेन मूल रूप से तो न्यूरोलॉजिकल समस्या है। इसमें रह-रह कर सिर में एक तरफ बहुत ही चुभन भरा दर्द होता है। ये कुछ घंटों से लेकर तीन दिन तक बना रहता है। इसमें सिरदर्द के साथ-साथ गैस्टिक, जी मिचलाने, उल्टी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। पर्याप्त नींद न लेना, भूखे पेट रहना और पर्याप्त मात्रा में पानी न पीना जैसे कुछ छोटे-छोटे कारणों से भी आपको माइग्रेन की शिकायत हो सकती है।

घर पर बनाइये ड्रिंक और दर्द दूर भगाइये

सामान्य तौर पर पोषक तत्वों की कमी, तनाव, एलर्जी और अल्कोहल का सेवन माइग्रेन पैदा करने में सहायक होता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन और डिहाइड्रेशन भी माइग्रेन के लिए सामान्य आधारभूत घटक हैं। सही मात्रा में पानी और तरल पदार्थों का सेवन न करना माइग्रेन का कारण बन सकता है।

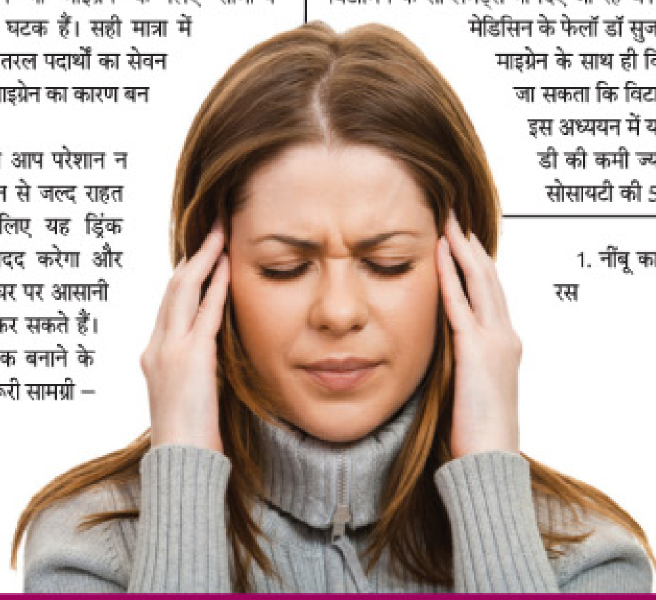

लेकिन आप परेशान न हों, माइग्रेन से जल्द राहत पाने के लिए यह ड्रिंक आपकी मदद करेगा और आप इसे घर पर आसानी से तैयार कर सकते हैं। जानिए ड्रिंक बनाने के लिए जरूरी सामग्री –

1. नींबू का रस
2. दो छोटे चम्मच समुद्री नमक
3. एक कप ठंडा पानी

यदि आपको सामान्य कारणों से माइग्रेन की समस्या हो रही है, तो आप पानी में नींबू का रस और समुद्री नमक मिलाकर पिएं। इससे आप दर्द से राहत महसूस कर सकते हैं। लेकिन अगर आपका दर्द कम नहीं हो रहा है, तो एक बाद डॉक्टर को जरूर दिखाएं, क्योंकि यह इलेक्ट्रोलाइट के असंतुलन के कारण भी हो सकता है।

धूप की कमी बढ़ा सकती है आपका माइग्रेन

यदि आप बार-बार हो रहे माइग्रेन के दर्द से परेशान हैं तो हो सकता है आपके इस दर्द की वजह आपकी धूप से दूरी हो। एक अध्ययन में सामने आया है कि माइग्रेन से जूझ रहे अधिकांश लोगों में विटामिन डी और विटामिन बी2 की कमी पाई गई है। सिनसिनाटी चिल्ड्रन हॉस्पिटल मेडिकल सेंटर के रिसर्चर्स का कहना है कि हो सकता है कि इन विटामिनों की कमी ही माइग्रेन का दर्द बढ़ाने के लिए जिम्मेदार हो, लेकिन इसे प्रमाणित करने के लिए हमें और भी अध्ययन करने होंगे। जब हमारे शरीर की त्वचा सूरज की रोशनी के संपर्क में आती है तो विटामिन डी हमारे शरीर में ही बनता है। इस अध्ययन में माइग्रेन से जूझ रहे मरीजों के ब्लड टेस्ट के रिकॉर्ड की जांच कर विटामिन डी, रिबोफलेविन, सीओक्यू10 और फॉलाटे की जांच की गई। इनमें से ऐसे कई मरीज थे जिन्हें माइग्रेन रोकने के लिए प्रिवेंटिव मेडिसिन दी जा रही थी साथ ही उन्हें विटामिन के सप्लिमेंट्स भी दिए जा रहे थे। इस रिसर्च के बारे में प्रमुख रिसर्चर और हेडऐक मेडिसिन के फेलॉ डॉ सुजाने हागलेर का कहना है कि क्योंकि कुछ लोगों को माइग्रेन के साथ ही विटामिन भी दिया गया इसलिए यह तय नहीं किया जा सकता कि विटामिन की कमी माइग्रेन के दर्दमें बढ़ोतरी करती है। इस अध्ययन में यह भी पाया गया कि लड़कों और पुरुषों में विटामिन डी की कमी ज्यादा पाई गई है। यह अध्ययन अमेरिकन हेडएक सोसायटी की 58वीं वार्षिक बैठक में प्रस्तुत किया गया है।

डिमेंशिया के खतरे को कम करता है नियमित कसरत

नियमित रूप से कसरत करने के कई फायदे होते हैं। इससे शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने में मदद तो मिलती ही है। एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में भी यह योगदान करता है। नियमित रूप से कसरत करने से न केवल हमारा मस्तिष्क सक्रिय रहता है बल्कि डिमेंशिया जैसी भूलने वाली बीमारी का खतरा भी कम हो जाता है।

चूहे पर किए गए एक नए अध्ययन में पाया गया कि कसरत शरीर में एक महत्वपूर्ण प्रोटीन की उत्पादकता बढ़ा सकता है। यह प्रोटीन मस्तिष्क को सक्रिय करने के साथ ही (न्यूरो) तंत्रिका से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम करता है।

अध्ययन में पाया गया कि चूहे के नियमित कसरत के दौरान कुछ रसायन स्वतः मस्तिष्क में जमा हुए और मस्तिष्क के लिए बीडीएनएफ (मिरेकल-ग्रो) का उत्पादन करने लगे। बीडीएनएफ याददाश्त बढ़ाने और तंत्रिका कोशिकाओं की वृद्धि में सहायक होता है। न्यूयार्क यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मोसेस चाओ के मुताबिक, 'हमारा मानना है कि स्तनधारियों में कसरत से बढ़ने वाले बीडीएनएफ के पीछे होने वाली जैविक प्रकिया को हमारा यह अध्ययन दर्शाता है।'

रॉयल और सुदेवा का विजय अभियान आगे बढ़ा

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्लेयर ऑफ द मैच हिमांशु राय और यमन सिंह के गोलों से रॉयल रेंजर्स ने दिल्ली एफसी को 2- 0 से हटा कर डीएसए प्रीमियर लीग में महत्वपूर्ण जीत के साथ अंतिम चार की दौड़ में स्थान बनाए रखा है।वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में सुदेवा दिल्ली एफसी ने एजाज अहमद की शानदार हैट्रिक से हिंदुस्तान फुटबाल क्लब को 6-1 से रौंद डाला। सुदेवा के लिए जाजो, कमगीनसेल और मोहम्मद सामी ने एक एक गोल बांटे। आज की जीत से रॉयल रेंजर्स ने 21 मैचों में 41, सुदेवा ने 20 में 39 और डीएफसी ने 21 मैचों में 38 अंक जुटा लिए हैं। विजेता के लिए मोहम्मद एजाज अहमद की हैट्रिक के अलावा जाजो प्रशान, कामगीनसे और मोहम्मद सामी ने एक एक गोल जमाए। पराजित टीम का गोल लालरोशंगा ने किया। आज के नतीजों से प्रीमियर लीग के बाकी चार मैचों का रोमांच बढ़ गया है। अंक तालिका में पहले स्थान पर चल रहे सी आई एस एफ, गढ़वाल हीरोज और सुदेवा बेहतर स्थिति में हैं जबकि लगातार दो मैचों में हारने के बाद दिल्ली एफसी के जीत की सम्भावना किसी बड़े उलट फेर पर निर्भर है।

ईसीबी ने शाकिब की गेंदबाजी पर लगाये निलंबन को किया समाप्त

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बंगलादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की गेंदबाजी पर लगाये गये निलंबन को समाप्त कर दिया है। इसी के साथ उन्हें सभी प्रतियोगिताओं और द हंड्रेड में फिर से गेंदबाजी करने की अनुमति मिल गई है। बंगलादेश के शाकिब पर सितंबर 2024 में काउंटी चैंपियनशिप में सरे के लिए खेले गये एक मैच में अंपायरों ने उनकी गेंदबाजी एक्शन को लेकर शिकायत की थी। दिसंबर में एक स्वतंत्र मूल्यांकन में पाया गया कि उनकी गेंदबाजी एक्शन ईसीबी नियमों द्वारा अनुमत 15 डिग्री सीमा से अधिक था जिसके बाद उन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। एक महीने बाद भारत में उनकी गेंदबाजी एक्शन की फिर से जांच की गई। इस रिपोर्ट के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी करने से प्रतिबंधित कर दिया गया और हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उन्हें बंगलादेश की टीम में शामिल नहीं किया गया। ईसीबी ने इस बात की पुष्टि की कि इस महीने की शुरुआत में लॉफ्बोरो विश्वविद्यालय में उनके एक्शन की एक बार फिर से की गई जांच से पता चला कि उन्होंने अपने एक्शन में पर्याप्त सुधार किया है। इसके बाद उन पर लगाये गये प्रतिबंध को समाप्त कर दिया गया।

युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा का हुआ तलाक

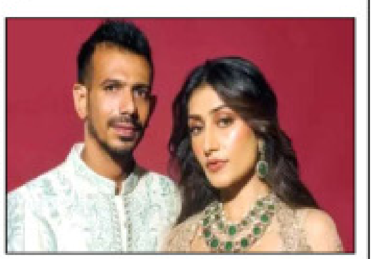

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा का तलाक हो गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर बांद्रा फैमिली कोर्ट में युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक का फैसला सुनाया गया है। युजवेंद्र चहल के वकील नितिन कुमार गुप्ता ने अपने बयान में कहा है कि युवजेंद्र और धनश्री का तलाक हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार युजवेंद्र चहल, धनश्री वर्मा को 4.75 करोड़ रुपये देंगे। इसकी पहली किस्त करीब 2,37,50,000 दे दी गयी है। दोनों जून 2022 से अलग-अलग रह रहे हैं। इसी के साथ चार साल बाद अब आधिकारिक तौर से अलग हो गये। युजवेंद्र और धनश्री का दिसंबर 2020 में विवाह हुआ था। युजवेंद्र और धनश्री ने इस वर्ष पांच फरवरी को फैमिली अदालत में तलाक की याचिका दायर की थी। युजवेंद्र और धनश्री ने आपसी सहमति से तलाक लेने के कारण कानूनी रूप से अनिवार्य छह महीने की अवधि को माफ करने का अनुरोध करते हुए एक याचिका दायर की थी।

पीवी सिंधु पहले दौर में हारकर स्विस ओपन से हुयी बाहर

बसेल। 20 मार्च (वार्ता) पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु स्विस ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल मुकाबले में डेनमार्क की जूली जैकबसेन से पहले दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। खेले गये मुकाबले में सिंधु को 61 मिनट तक चले मुकाबले में जूली जैकबसेन से 21-17, 21-19 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधु इस वर्ष लगातार तीसरी बार पहले दौर में हारी है। पुरुष एकल में, किदांबी श्रीकांत ने बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के अपने शुरुआती दौर में हमवतन एचएस प्रणय के खिलाफ कड़ी चुनौती के बीच मुकाबला 23-21, 23-21 से जीत लिया। श्रीकांत दूसरे दौर में चीन के ली शिफेंग से भिड़ेंगे। वहीं क्वालीफायर शंकर सुब्रमण्यन ने मैग्नस जोहानसन पर 21-5, 21-16 से शानदार जीत के साथ पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। 35वें स्थान पर काबिज भारतीय शटलर प्रियांशु राजावत ने स्थानीय खिलाड़ी टोबियास कुएंजी को मात्र 29 मिनट में 21-10, 21-11 से हराकर पुरुष एकल स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

जर्मनी ने नेशंस लीग क्वार्टरफाइनल में इटली को दी मात

एजेंसी

रोम। जर्मनी ने यूईएफए नेशंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले चरण में इटली को 2-1 से हराकर शानदार वापसी की। दोनों टीमें कई अहम खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से जूझ रही थीं। इटली को सीरी ए के शीर्ष स्कोरर माटेओ रेतेगुई, फेडेरिको दिमार्को और एंड्रिया कंबियासो की सेवाएं नहीं मिल पाईं, जबकि जर्मनी को मार्क-आंद्रे टेर स्टेगेन, काई हैवर्ट्ज और फ्लोरियन वीर्ट्ज के बिना खेलना पड़ा।मैच के नौवें मिनट में इटली ने बढ़त बना ली जब निकोलो बरेला के शानदार पास पर माटेओ पोलिटानो ने गेंद को खींचा और सैंड्रो टोनाली ने उसे गोल में बदल दिया। हालांकि, जर्मनी ने अधिक समय तक बॉल पजेशन रखा, लेकिन इटली ने गोल के कई

मौके बनाए। 30वें मिनट में टोनाली के जबरदस्त शॉट को गोलकीपर ओलिवर बॉमन ने बचाया। कुछ देर बाद मोइसे कीन ने ऑफसाइड ट्रैप तोड़ा, लेकिन बॉमन ने फिर से उनका शॉट रोक लिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही जर्मनी ने बराबरी कर ली जब जोशुआ किमिच ने एक बेहतरीन क्रॉस देकर सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी टिम क्लाइंडिएंस्ट को हेडर के जरिए गोल करने का मौका दिया।

इसके बाद इटली को लगातार दो मौके मिले, लेकिन टोनाली की बैकहील पास पर कीन गेंद को गोल के ऊपर मार बैठे, जबकि रास्पाडोरी के शॉट को बॉमन ने अपने पैर से रोक लिया। 76वें मिनट में जर्मनी ने मैच पलट दिया जब किमिच के कॉर्नर पर लियोन गोरेट्ज्का ने एक और हेडर से गोल दाग दिया। इटली ने हार टालने के लिए भरपूर कोशिश की, लेकिन बॉमन की शानदार गोलकीपिंग ने जर्मनी को जीत दिलाई। अब जर्मनी रविवार को डॉर्टमुंड में होने वाले दूसरे चरण में इटली की मेजबानी करेगा।

आईपीएल में धीमी ओवर गति पर कप्तान नहीं होंगे निलंबित

एजेंसी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए कप्तान के तीन बार धीमी ओवर गति का दोषी पाए जाने के बाद एक मैच के निलंबन के नियम को समाप्त कर दिया है। आज यहां बीसीसीआई के मुख्यालय पर आईपीएल की सभी 10 टीमों के कप्तानों की बैठक हुई। बैठक में आगामी आईपीएल सत्र के धीमी ओवर गति के नियम में बदलाव किया गया है। इस बदलाव के तहत अब कप्तान को एक मैच से निलंबित नहीं किया जायेगा। नये नियम के तहत अब इन दोषों के परिणामस्वरूप केवल जुर्माना और मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण पर प्रतिबंध लगेगा। अब किसी कप्तान पर प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा, बल्कि उसके नाम के साथ डीमेरिट अंक जोड़े जाएंगे। हालांकि 2025 सीजन से पहले लगाए गए किसी भी दंड को खिलाड़ी या टीम अधिकारी को पूरा करना होगा। ये अंक खिलाड़ी और टीम अधिकारियों दोनों पर लागू होंगे और ये अंक उनके रिकॉर्ड पर 36 महीने तक बने रहेंगे। डिमेरिट अंक के अधिक होने पर संबंधित खिलाड़ी या टीम अधिकारी का निलंबन हो सकता है।

विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप 2025 में भारतीय एथलीट नहीं लेंगे भाग

एजेंसी

नयी दिल्ली। चीन के नानजिंग में शुरु होने वाली विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप (डब्ल्यूआईसी) 2025 में भारत का कोई भी एथलीट प्रतिभाग नहीं करेगा। डब्ल्यूआईसी नानजिंग 2025 के लिए आधिकारिक प्रवेश सूची में चीन में 21 से 23 मार्च तक चलने वाली विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप के लिए पांच भारतीय एथलीट तेजस शिरसे और माधवेंद्र शेखावत (पुरुषों की 60 मीटर बाधा दौड़), ज्योति याराजी (महिलाओं की 60 मीटर बाधा दौड़), एंसी सोजन (महिलाओं की लंबी कूद) और ऐश्वर्या मिश्रा (महिलाओं की 400 मीटर) ने शीर्ष खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया था, लेकिन उन्होंने इस आयोजन में प्रतिभाग नहीं लेने का विकल्प चुना।विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप 2025 में लगभग 120 देशों के लगभग 500 एथलीट भाग लेंगे। नानजिंग स्पोर्ट्स ट्रेनिंग सेंटर में

तीन दिनों तक चलने वाली 26 स्पर्धाओं के लिए एथलीट प्रतिस्पर्धा करेंगे।उल्लेखनीय है कि पिछले साल, स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप 2024 में भारत को एक भी पदक नहीं मिला था, जब जेसविन एल्ड्रिन पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में 13वें स्थान पर रहे थे और प्रवीण चित्रवेल ट्रिपल जंप में 11वें स्थान पर रहे थे। भारत ने विश्व एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप में कभी कोई पदक नहीं जीता है।

10 खिलाड़ी वाली चीन की टीम विश्व कप क्वालीफायर में सऊदी अरब से हारी

एजेंसी

रियाद। फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफाइंग मुकाबले में चीन को सऊदी अरब के खिलाफ 1-0 की संकीर्ण हार का सामना करना पड़ा, जिससे वह एशियाई ज़ोन के ग्रुप ष्ट में तालिका के निचले पायदान पर बनी हुई है।

मुकाबले का निर्णायक क्षण दूसरे हाफ के पांचवें मिनट में आया, जब सऊदी अरब के मिडफील्डर सलेम अल दौसारी ने पास से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह गोल तब हुआ जब चीनी गोलकीपर वांग दालेई ने पहले एक तेज शॉट को रोकने की कोशिश की, लेकिन रीबाउंड पर अल दौसारी ने मौका भुनाया।

चीन की मुश्किलें पहले हाफ के अंत में तब बढ़ गईं, जब लिन लिआंगमिंग को सऊदी डिफेंडर हसन कदीश के चेहरे पर खतरनाक किक मारने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। इस घटना के बाद खेल को लंबी देर तक रोका गया, क्योंकि कदीश को इलाज के लिए मैदान से स्ट्रेचर पर बाहर ले जाना पड़ा।भले ही सऊदी अरब ने मुकाबले में ज्यादा समय तक गेंद अपने पास रखी, लेकिन वह अपने

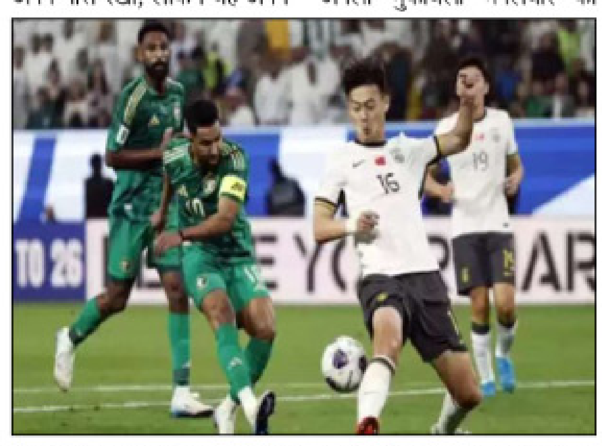

मौकों को भुना नहीं सकी। पहले हाफ में फैसल अल घामदी के एक गोल को वीएआर हैंडबॉल के चलते अमान्य कर दिया, जिससे मेजबानों की निराशा और बढ़ गई। सात मैचों के बाद चीन सिर्फ छह अंकों के साथ ग्रुप सी में सबसे नीचे बनी हुई है। अब उसका अगला मुकाबला मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर ऑस्ट्रेलिया से होगा, जहां वह अपने प्रदर्शन में सुधार की कोशिश करेगी।

नाइट्स अनप्लग्ड 2.0 में एकत्रित हुए केकेआर के सितारे

एजेंसी

कोलकाता। इंडियन प्रीमीयर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स की स्टार-स्टडेड टीम बिस्वा बांग्ला मेला प्रांगण में आयोजित नाइट्स अनप्लग्ड 2.0 इवेंट के मंच पर अपने प्रशंसकों के समक्ष पेश हुए। हुये इस कार्यक्रम में पांच हजार से अधिक उत्साही प्रशंसकों का एक हुजूम बैंगनी और सुनहरे रंग को जर्सी में सजे अपने क्रिकेट नायकों को करीब से देखने के लिए इकट्ठा हुआ। इस उत्सव में केकेआर की तीन चैंपियनशिप ट्रॉफियाँ भी प्रदर्शित की गई। कार्यक्रम में मौजूद टीम के कुछ प्रमुख सदस्यों में कप्तान अजिंक्य रहाणे, उप कप्तान वेंकटेश अय्यर, मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित, टीम मेंटर डीजे ब्रावो और केकेआर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री वेंकी मैसूर शामिल थे। इन सबने नए सीजन के नए अभियान से पहले अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकी मैसूर ने

प्रशंसकों को उनके बिना शर्त समर्थन के लिए धन्यवाद करते हुए कहा, ÷इस फ्रैंचाइजी का हिस्सा बनना वास्तव में सम्मान की बात है। हमें जो प्यार और समर्थन मिलता है, उसे देखकर मैं रोमांचित हो गया हूं। मुझे नहीं लगता कि कोलकाता जैसा कोई दूसरा शहर है - जब ईडन गार्डन स्टेडियम बैंगनी और सुनहरे रंग से भर जाता है, तो केकेआर और पसंदीदा खिलाड़ियों के लिए उनके नारे वास्तव में पूरी टीम का उत्साह बढ़ाते हैं। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने कहा, केकेआर के साथ वापस आना शानदार है और फ्रैंचाइजी का नेतृत्व करना सम्मान जनक है। इसका इतिहास बहुत समृद्ध है। इस साल हमारी टीम बहुत अच्छी है। हम वास्तव में खूब अभ्यास कर रहे हैं। यह हमारे लिए एक शानदार सत्र होने जा रहा है।उप-कप्तान वेंकटेश अय्यर ने कहा, इतने समृद्ध इतिहास और विरासत वाली इस फ्रैंचाइजी के लिए एक प्रमुख खिलाड़ी कहलाना सम्मान की बात है। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि फ्रैंचाइजी ने मुझ पर बहुत भरोसा दिखाया है और मुझे मेरे जीवन में बड़ा ब्रेक दिया है। मुझे उम्मीद है कि यह यात्रा बहुत लंबे समय तक जारी रहेगी। टीम के मुख्य कोच चंद्रकांत पंडित ने कहा, यह तीन साल की यात्रा वास्तव में अद्भुत रही है। ट्रॉफी जीतना हमेशा खास रहा है। पिछले साल खिताब जीतना न केवल खिलाड़ियों का है, बल्कि पूरी फ्रैंचाइजी का है। इसमें पर्दे के पीछे काम करने वाले, मालिक और खासकर प्रशंसक शामिल हैं, जिनका समर्थन हमारे स्वस्थ माहौल को बनाए रखने में मदद करता है। मेंटर ड्वेन ब्रावो ने कहा, हम इस सीज़न का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। हम बहुत सारे मैच जीतेंगे और उम्मीद है कि हम अपनी ट्रॉफी बरकरार रख पाएंगे। इस सेटअप का हिस्सा बनना एक बड़ा सम्मान है।

कृष्णा , मनोज , नितेश और मनीषा ने अगले राउंड में बनाई जगह

एजेंसी

नयी दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीएजी) 2025 के पहले दिन पैरा बैडमिंटन स्पर्धा में कृष्णा नागर, मनोज सरकार, नितेश कुमार और मनीषा रामदास ने जीत दर्ज करते हुए अगले राउंड में जगह बनाई।आज यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेले गये पैरा बैडमिंटन स्पर्धा के पहले मुकाबले में कृष्णा नागर ने एमएस एसएच 6 में राउंड ऑफ 16 में बोंटा गौतम नरसिम्हुडु को 21-9, 21-15 से हराया। दूसरे मैच में मनोज सरकार ने एमएस एसएल 3 में राउंड ऑफ 16 में बिट्टू कुमार को 21-11, 21-4 से शिकस्त दी। अन्य मुकाबले में नितेश कुमार ने एमएस एसएल 3 में राउंड ऑफ 16 में हेमंत कुमार ठाकुर को 21-6, 21-11 से हराया। मनीषा रामदास ने डब्लू एस यू 5 के क्वार्टर फाइनल मैच में वैशाली नीलेश पटेल को 21-6, 21-5 से हराया।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 का भव्य उद्घाटन, 1300 से अधिक पैरा एथलीट लेंगे भाग

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने आज नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर स्थित केडी जाधव इंडोर हॉल में खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के दूसरे संस्करण का औपचारिक उद्घाटन किया। यह प्रतिष्ठित आयोजन आठ दिनों तक चलेगा, जिसमें छह प्रमुख खेलों में 1300 से अधिक पैरा एथलीट अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

इस अवसर पर केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार भी उपस्थित रहे। खेलों की शुरुआत एक विशेष मशाल रैली के साथ हुई, जिसमें छह प्रतिष्ठित पैरालिंपियन - सिमरन शर्मा (एथलेटिक्स), प्रवीण कुमार (बैडमिंटन), नितेश कुमार (बैडमिंटन), नित्या श्री (बैडमिंटन) और प्रीति पाल (एथलेटिक्स) ने भाग लिया। इनके साथ भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष और पूर्व पैरालिंपियन देवेंद्र झाझरिया तथा अरुणाचल प्रदेश के खेल और युवा मामलों के मंत्री केंटो जिनी भी उपस्थित रहे।

डॉ मंडाविया ने कहा, जब कोई दृढ़ निश्चयी होता है, सही दिशा में आगे बढ़ता है और कड़ी मेहनत करता है, तो परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स हमारे एथलीटों के लिए सफलता का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं, जिससे उन्हें बेहतरीन अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत द्वारा 29 पदकों की ऐतिहासिक उपलब्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय पैरा एथलीट अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

खेल मंत्री ने कहा, खेलो इंडिया इवेंट अब देश के उन एथलीटों के लिए सबसे उपयुक्त प्लेटफार्म बन गया है, जो वैश्विक स्तर पर भारत के लिए पदक जीतने की इच्छा रखते हैं। चाहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स, खेलो इंडिया स्कूल गेम्स, खेलो इंडिया विंटर गेम्स या खेलो इंडिया पैरा गेम्स हों, भारतीय खिलाड़ी हर जगह अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा, खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 न केवल एथलीटों के लिए एक प्रतिस्पर्धात्मक मंच है, बल्कि यह उनकी प्रेरणादायक यात्रा को उजागर करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का अवसर भी प्रदान करता है। इस उद्घाटन समारोह में देशभर के एथलीट, कोच, सहयोगी कर्मचारी और खेल प्रशासक शामिल हुए। इसके अलावा, खेल मंत्रालय की सचिव सुजाता चतुर्वेदी और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। इस वर्ष खेलो इंडिया पैरा गेम्स में पैरा एथलेटिक्स, पैरा बैडमिंटन, व्हीलचेयर बास्केटबॉल, पैरा स्विमिंग, पैरा टेबल टेनिस और पैरा पावरलिफ्टिंग जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

किर्स्टी कोवेन्ट्री बनीं आईओसी की पहली महिला और अफ्रीकी अध्यक्ष

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे की किर्स्टी कोवेन्ट्री को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की नई अध्यक्ष चुना गया है। वह 131 साल के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला और पहली अफ्रीकी बनी हैं।

साथ ही, वह इस पद को संभालने वाली सबसे युवा उम्मीदवार भी हैं। 41 वर्षीय कोवेन्ट्री, जो पहले जिम्बाब्वे की खेल मंत्री रह चुकी हैं, 23 जून को आधिकारिक रूप से पदभार ग्रहण करेंगी। वह थॉमस बाख का स्थान लेंगी, जिन्होंने अपने अधिकतम 12 साल के कार्यकाल को पूरा किया है। कोवेन्ट्री पहले भी आईओसी में एक अहम भूमिका निभा चुकी हैं।

आईपीएल में गेंद पर लार लगाने की मिली अनुमति

एजेंसी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में गेंदबाजों को गेंद पर लार लगाने की अनुमति मिल गई हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में गेंदबाजों द्वारा गेंद पर लार के उपयोग को लेकर बीसीसीआई अधिकारियों और आईपीएल कप्तानों बैठक में अधिकांश कप्तानों की ओर से इस प्रतिबंध को हटाने पर सहमति व्यक्त किये जाने के बाद यह फैसला किया गया। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 महामारी के दौरान आईसीसी ने गेंद पर लार लगाने की प्रथा पर प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद सितंबर 2022 में आईसीसी ने इस प्रतिबंध को स्थायी रूप दे दिया था। गेंदबाजों को गेंद चमकाने के लिए पसीने का इस्तेमाल करने की अनुमति मिलने के बाद, खेल के शीर्ष खिलाड़ियों ने लार की जगह कृत्रिम पदार्थ के इस्तेमाल की

अनुमति देने की मांग की थी। जसप्रीत बुमराह ने तब कहा था कि गेंदबाजों के लिए गेंद को चमकाने के लिए कोई विकल्प होना चाहिए। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर भारत की जीत के बाद संवाददाताओं से कहा था, ÷हम रिवर्स स्विंग कराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन गेंद पर लार के इस्तेमाल की अनुमति नहीं है।÷ हाल ही में शमी ने आईसीसी से गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर लगे प्रतिबंध को हटाने का आग्रह किया था। हम खेल में रिवर्स स्विंग करा सकें और ताकि हम खेल को दिलचस्प बना सकें। वर्नोन फिलेंडर और टिम साउथी जैसे दो पूर्व अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों ने भी शमी का समर्थन किया था। आईपीएल भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का टूर्नामेंट है और यह आईसीसी के दायरे से बाहर है। इसलिए बीसीसीआई की आईपीएल अधिकारियों ने कप्तानों की सहमति के बाद गेंद पर लार नहीं लगाने के प्रतिबंध को हटा दिया है।

युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप : जयपुर पिंक क्यूब्स, वॉरियर्ज के.सी. और युवा योद्धाज की शानदार जीत

एजेंसी

हरिद्वार (उत्तराखंड)। वंदना कटारिया इंडोर स्टेडियम में खेले जा रहे युवा ऑल स्टार्स चैंपियनशिप के 15वें दिन जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले। जयपुर पिंक क्यूब्स, वॉरियर्ज के.सी. और युवा योद्धाज ने शानदार जीत दर्ज की, जबकि यूपी फाल्कन्स और पलानी टस्कर्स के बीच मुकाबला टाई रहा।

युवा योद्धाज ने चंडीगढ़ चार्जर्स को दी मात

दिन के पहले मुकाबले में युवा योद्धाज ने चंडीगढ़ चार्जर्स को 39-35 से शिकस्त दी। पहले हाफ में योद्धाज ने एक ऑल आउट और एक सुपर रेड हासिल कर 20-17 की बढ़त बनाई। हालांकि, चार्जर्स ने भी वापसी की और एक बार योद्धाज को ऑल आउट किया। दूसरे हाफ में स्कोर 25-25 से बराबरी पर पहुंचा, लेकिन अंतिम क्षणों में योद्धाज ने चार्जर्स को ऑल आउट कर जीत दर्ज की। चेतन साहू और शिवम सिंह ने 10-10 अंक अर्जित किए। इस जीत के साथ युवा योद्धाज 39 अंकों के साथ पूल बी में शीर्ष पर पहुंच गए हैं, जबकि चार्जर्स 30 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

वॉरियर्ज के.सी. की धमाकेदार जीत

दूसरे मुकाबले में वॉरियर्ज के.सी. ने वास्को वाइपर्स को 51-27 से मात दी। वॉरियर्ज ने आक्रामक शुरुआत करते हुए पहले हाफ में वाइपर्स को दो बार ऑल आउट किया और 27-9 की मजबूत

बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में वाइपर्स ने संघर्ष किया, लेकिन बड़ी बढ़त के कारण वापसी नहीं कर सके। वॉरियर्ज के.सी. 41 अंकों के साथ पूल ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वास्को वाइपर्स के मोहित सैनी ने 13 और पुनीत कुमार ने 12 अंक जुटाए।

यूपी फाल्कन्स और पलानी टस्कर्स का मुकाबला टाई

तीसरे मुकाबले में यूपी फाल्कन्स और पलानी टस्कर्स के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली, जो 26-26 के स्कोर के साथ टाई रहा। पहले हाफ में यूपी फाल्कन्स ने 16-9 की बढ़त बनाई, लेकिन दूसरे हाफ में टस्कर्स ने वापसी करते हुए उन्हें ऑल आउट कर दिया। अंतिम क्षणों में दोनों टीमों की अंतिम रेड असफल होने के कारण मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। पलानी टस्कर्स 35 अंकों के साथ तीसरे और यूपी फाल्कन्स 29 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

जयपुर पिंक क्यूब्स ने जूनियर स्टीलर्स को हराया

दिन के अंतिम मुकाबले में जयपुर पिंक क्यूब्स ने जूनियर स्टीलर्स को 35-27 से हराया। जयपुर ने पहले हाफ में 10-1 की बढ़त बनाई, लेकिन स्टीलर्स ने स्कोर 14-18 तक पहुंचाकर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। दूसरे हाफ में जयपुर ने फिर से बढ़त हासिल करते हुए आठ अंकों से मुकाबला जीत लिया। जयपुर 50 अंकों के साथ पूल ए में शीर्ष पर है, जबकि हरियाणा की टीम 18 अंकों के साथ सबसे नीचे है।

अमरूद बेचने वाली महिला ने ऐसा क्या किया? जो

प्रियंका चोपड़ा

को उड़ते प्लेन में बनानी पड़ गई वीडियो

ग्लोबल स्टार के रूप में पहचान रखने वाली प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारत में हैं. वो एसएस राजामौली और महेश बाबू की मच अवेटेड फिल्म SSMB 29 की शूटिंग कर रही हैं. शूटिंग के दौरान प्रियंका भारत में क्वालिटी टाइम भी स्पेंड कर रही हैं. इस फिल्म की शूटिंग ओडिशा में चल रही थी और अब बताया जा रहा है कि ओडिशा का शूटिंग शेड्यूल पूरा हो गया है.ओडिशा में शूटिंग खत्म करने के बाद अब प्रियंका मुंबई पहुंच चुकी हैं. इसी बीच एक्ट्रेस ने ओडिशा में जिस ताला माली हिलटॉप पर फिल्म की शूटिंग चल रही थी वहां की कुछ तस्वीरें शेयर की. इस दौरान एक्ट्रेस ने एक वीडियो भी शेयर किया जिसमें वो एक अमरूद बेचने वाली महिला के बारे में बात करती हुई नजर आ रही हैं. उस महिला की ईमानदारी ने प्रियंका का दिल जीत लिया और आखिरकार एक्ट्रेस को उसके लिए उड़ते प्लेन से ही वीडियो बनाने पर मजबूर होना पड़ा.

प्रियंका ने जमकर की अमरूद बेचने वाली महिला की तारीफ

प्रियंका ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से कुछ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए, अपनी पोस्ट में उन्होंने जो पहला वीडियो शेयर किया है उसमें वो एक अमरूद बेचने वाली महिला की तारीफ कर रही हैं. उन्होंने कहा, मैं आज बहुत इंस्पायर हुई. मैं मुंबई जाने के लिए विशाखापट्टनम एयरपोर्ट जा रही थी और वहां से न्यूयॉर्क. तब ही मैंने एक महिला को अमरूद बेचते हुए देखा. मुझे कच्चे अमरूद बहुत पसंद हैं और मैंने महिला से पूछा कि अमरूद कैसे दिए? जवाब मिला 150 रूपये. मैंने उसे 200 रूपये दिए, वो मुझे वापस 50 रूपये लौटाने की कोशिश करने लगी.प्रियंका ने आगे कहा, मैंने उस महिला से बाकी के 50 रुपये रखने के लिए कहा. लेकिन उसने ऐसा नहीं किया और वो खुल्ले पैसे के लिए कहीं चली गई. वापस आते ही उसने मुझे दो अमरूद और दिए. वो एक कामकाजी महिला थीं जो पैसों के दान के रूप में नहीं चाहती थी. प्रियंका इस वीडियो के जरिए ये बताना चाहती है कि एक महिला की ईमानदारी ने कैसे उनके भीतर एक गहरी छाप छोड़ी.

1000 करोड़ है SSMB 29 का बजट

एसएसएमबी 29 का बजट 1000 करोड़ रुपये बताजा जा रहा है. ये भारत की सबसे महंगी फिल्म साबित होगी. इसमें प्रियंका, महेश बाबू के अपोजिट लीड रोल में नजर आएंगी. ये पहला मौका होगा जब दोनों कलाकार पहली बार स्क्रीन शेयर करते हुए दिखेंगे. फिल्म का हिस्सा पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं.

'मैं दूसरी बेटी नहीं चाहती', पलक की इस हरकत से डर गई थीं श्वेता तिवारी?

Shweta Tiwari वो नाम बन चुकी हैं, जिनके बारे में हर छोटी-बड़ी खबर जानना फैन्स काफी पसंद करते हैं. टीवी से लेकर फिल्मों तक में अपनी दमदार एक्टिंग का दम दिखाने वाली श्वेता अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहती हैं. दो शादी और दो तलाक के बाद अब श्वेता अपने दोनों बच्चों के साथ एक अच्छी लाइफ जी रही हैं. श्वेता के साथ-साथ उनकी बेटी पलक तिवारी भी अब काफी चर्चा में रहती हैं. मां-बेटी की इस जोड़ी पर फैन्स काफी प्यार लुटाते हैं. पलक के अलावा श्वेता का एक बेटा रेयांश भी है. इसी बीच श्वेता का एक पुराना बयान फिर से चर्चा में हैं.साल 2020 में श्वेता तिवारी ने पिंकविला के साथ बातचीत में बताया था कि वो पलक के बाद एक और बेटी चाहती थीं. लेकिन उन्होंने ये भी बताया कि उन्होंने अपना फैसला क्यों बदल लिया? बातचीत के दौरान श्वेता तिवारी ने खुलासा किया कि जब पलक 16 साल की थीं, तब वह प्रेग्नेंट थीं. अपनी बेटी के बारे में बात करते हुए श्वेता ने कहा, अपने 16वें जन्मदिन पर वह बाहर गई और 1 लाख 80 हज़ार रुपये का मेकअप खरीदा, बहुत महंगे प्रोडक्ट्स. हर आई शैडो 7 हज़ार से 8 हज़ार रुपये का था.

दूसरी बेटी नहीं चाहती थीं श्वेता तिवारी

श्वेता तिवारी ने आगे बताया कि इसके बाद उन्होंने अपनी फैमली को फोन किया और कहा कि वो अब एक बेटे को जन्म देना चाहती हैं. पलक की महंगी शॉपिंग देखने के बाद श्वेता ने अपने परिवार से कहा, मैं इतना खर्च नहीं कर सकती. मैं दूसरी बेटी नहीं चाहती. इस इंटरव्यू में श्वेता के साथ बेटी पलक भी मौजूद थीं. उन्होंने भी अपनी मां को लेकर कई बातें शेयर की थीं. उनका कहना था कि वो अपनी मम्मी को बचपन में कभी-कभी 'दीदी' कहकर बुलाती थीं, क्योंकि वो उनकी मां नहीं बल्कि बहन लगती थीं.

श्वेता और पलक के बीच दोस्ती वाला बॉन्ड

श्वेता अपनी बेटी पलक की मां और पिता दोनों हैं. इसके अलावा वो अपनी बेटी के साथ दोस्ती वाला रिश्ता शेयर करती हैं. मां-बेटी अक्सर एक-दूसरे के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. वहीं पलक तिवारी का नाम बीते कुछ सालों से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ जोड़ा जा रहा है. दोनों को कई दफा साथ में कैप्चर किया गया है.

25 कलाकारों से धोखाधड़ी, स्टार क्रिकेटर के नाम पर ठगा, मशहूर एक्टर को दिया 40 लाख का ऑफर

बॉलीवुड सेलेब्स के साथ ही लोग टीवी कलाकारों को भी काफी पसंद करते हैं. टीवी सेलेब्स सिर्फ छोटे पर्दे पर ही अपने किरदार से चर्चा में नहीं रहते हैं, बल्कि वो सोशल मीडिया पर भी चर्चा में रहते हैं और टीवी एड में भी देखने को मिलते हैं. कई मशहूर टीवी सेलेब्स की कमाई का जरिया ब्रांड एंडोर्समेंट भी है, लेकिन हाल ही में करीब 25 टीवी कलाकारों को एक विज्ञापन के लिए काम करना महंगा पड़ गया. क्योंकि उन्हें एड कंपनी ने विज्ञापन के पैसे नहीं दिए. इस मामले में मशहूर एक्टर अर्जुन बिजलानी ने बड़ा खुलासा किया है.अर्जुन बिजलानी, अंकिता लोखंडे, जय भानुशाली और तेजस्वी प्रकाश जैसे पॉपुलर टीवी सितारों को एनर्जी ड्रिंक के लिए पैसे नहीं मिलने के आरोप लगे हैं. लेकिन अब अर्जुन ने बताया कि उन्होंने इस ब्रांड से खुद को पीछे कर लिया था. कंपनी ने उन्हें 40 लाख रुपये का ऑफर दिया था और स्टार क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव के भी ब्रांड से जुड़ने की बात कही थी, लेकिन उन्हें मामला संदिग्ध लगा और उन्होंने इसके लिए काम नहीं किया. इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा. पुलिस ने पांच लोगों को अरेस्ट कर लिया था. आइए आपको पूरा मामला विस्तार से बताते हैं.

अर्जुन बिजलानी को दिया था ऐसा लालच

अर्जुन बिजलानी ने इस मामले को लेकर बड़े खुलासे किए हैं. उन्होंने खुद को भाग्यशाली माना कि वो इस झांसे में आने से बच गए. पहले उन्हें पांच रील कोलैब के लिए 40 लाख रुपये दिए जाने थे. एक रील के लिए आठ लाख रुपये मिल रहे थे. वहीं, अर्जुन को विश्वास दिलाने के लिए कंपनी की तरफ से झूठ कहा गया कि ब्रांड से सूर्यकुमार यादव जैसे क्रिकेटर भी जुड़े हुए हैं. जब अर्जुन ने कहा कि क्या मुझे सूर्यकुमार यादव से बात करनी चाहिए तो उनसे कहा गया कि इसकी कोई जरूरत नहीं है. तब उन्हें आशंका हुई और उन्होंने ब्रांड के लिए काम नहीं किया. बाद में मामला पुलिस तक पहुंचा. फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है.

ये है पूरा मामला

सेलिब्रिटी मैनेजर रोशन गैरी बिंदर ने इस मामले में खुलासा किया कि एक एनर्जी ड्रिंक कंपनी ने उन्हें कॉल किया था और 25 कलाकारों को साइन करने के लिए कहा था. इसके बाद कंपनी की तरफ से रोशन को 10 लाख रुपये पेमेंट की रसीद भेजी गई. लेकिन उनके एकाउंट में पैसा नहीं आया. बाद में मुंबई में ब्रांड के प्रमोशन के लिए उन्हें एक पार्टी में 100 सेलेब्स को लाने के लिए कहा था. जिसमें से 25 सेलेब्स को एड के लिए चुन लिया गया था.

पुलिस ने 5 लोगों को किया अरेस्ट

एनर्जी ड्रिंक के एड के लिए 1.32 करोड़ की डील तय हुई. कलाकारों ने एड शूट किया और सोशल मीडिया पर रील्स भी शेयर की. रोशन के मुताबिक सेलेब्स को 2 लाख और 90 हजार के दो चेक दिए गए थे, लेकिन ये चेक बाउंस हो गए. इसके बाद उन्हें समझ आ गया कि कुछ गड़बड़ है और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई. फिलहाल इस केस में पांच लोग पुलिस की गिरफ्त में हैं, जिनके नाम फैसल रफीक, अब्दुल, तनिष छेड़जा, मनु श्रीवास्तव और ऋतिक पांचाल हैं.

शक और नफरत ने उजाड़ी जिंदगी

धनश्री वर्मा

को मिला प्यार में धोखा, चहल से डिवोर्स के दिन आया गाना

भारत के स्टार क्रिकेट युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा का फाइली रिश्ता खत्म हो रहा है. 20 मार्च यानी आज दोनों का मुंबई के फैमिली कोर्ट में तलाक फाइनल होगा. रिश्ते को खत्म करने के आखिरी दिन धनश्री और चहल दोनों ही कोर्ट पहुंचे. इसी बीच धनश्री वर्मा का एक गाना सुर्खियां बटोर रहा है. तलाक वाले दिन धनश्री वर्मा का गाना 'देखा जी मैने देखा' रिलीज हुआ है.गाने को टी-सीरीज ने हाल ही में रिलीज किया है. इसमें धनश्री वर्मा के साथ इश्वाक सिंह नजर आ रहे हैं. इस गाने को जानी और ज्योति नूरन ने आवाज दी है. अपनी असल जिंदगी में उतार-चढ़ाव का सामना कर रहीं धनश्री को गाने में प्यार में धोखा मिला है. गाने में दिखाया गया है कि शक और नफरत ने उनकी जिंदगी को उजाड़कर रख दिया.

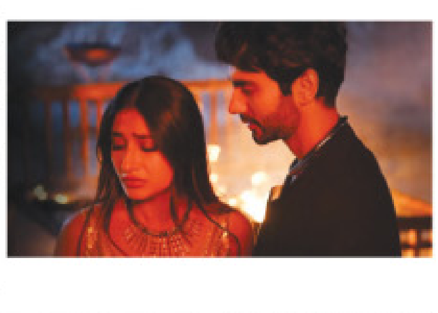

धनश्री को प्यार में मिला धोखा

3 मिनट 48 सेकेंड के इस गाने को यूट्यूब पर दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं. गाने की शुरुआत में धनश्री वर्मा और इश्वाक एक दूसरे पर प्यार लुटाते हुए दिखते हैं और साथ में खुशियां मनाते हैं. लेकिन बाद में सब कुछ बदल जाता है. धनश्री को प्यार में धोखा मिलता है. गाने के बोले हैं, 'देखा जी देखा मैंने दिल का रोना देखाजौरों के बिस्तर पे अपनों का सोना देखा.

धनश्री बोलीं- मेरी अब तक की सबसे इमोशनल परफॉर्मेंस

धनश्री वर्मा ने टी सीरीज के साथ काम करने पर खुशी जाहिर की है और उम्मीद जताई कि उनका गाना लोगों को पसंद आएगा. धनश्री वर्मा ने गाने में अपनी परफॉर्मेंस को अब तक की सबस इमोशनल परफॉर्मेंस भी बताया है. उन्होंने कहा, हर कलाकार इस तरह के गानों के दौरान अपनी क्षमता दिखाना चाहता है.गाने का डायरेक्शन ध्रुवल पटेल और जिगर मुलानी ने मिलकर किया है. गाने के बोल जानी ने लिखे हैं और उन्होंने इसे गाया भी है. जबकि उनका साथ दिया है ज्योति नूरन ने. इसमें संगीत दिया है बनी ने. गाने की शुरुआत एक बेहतरीन रिश्ते के साथ होती है. इसके बाद धोखा और नफरत इसे एक अलग मोड़ पर ले जाते हैं. 'देखा जी देखा मैंने' को 'पिंक सिटी' जयपुर के बाहर फिल्माया गया है.

2020 में हुई थी चहल-धनश्री की शादी

धनश्री वर्मा ने बतौर डांसर अपनी पहचान बनाई है. लॉकडाउन के दौरान वो युजवेंद्र चहल के करीब आई थीं. दोनों ने एक दूसरे को डेट करने के बाद 2020 में शादी कर ली थी. लेकिन कई दिनों से दोनों के तलाक की खबरों ने तूल पकड़ा था. अब दोनों ऑफिशियली तलाक ले रहे हैं.